राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 5 अंक 31

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, रविवार, 11 जुलाई, 2021

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 14



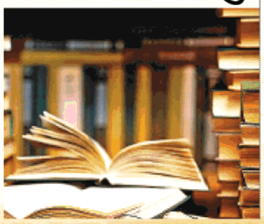
इतिहास के पन्नों से खत्म किए जाएंगे भ्रामक बिंदु

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

देश की नई पीढ़ी को अब सही और तथ्यपरक इतिहास पढ़ने को मिलेगा। शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने अहम कदम उठाया है। इसके तहत स्कूलों में पढ़ाए जा रहे इतिहास को दुरुस्त किया जाएगा। उससे ऐसे सभी भ्रामक व गैर-ऐतिहासिक तथ्य हटाए जाएंगे, जो देश की महान विभूतियों की छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं। इन्हें लेकर अक्सर सवाल भी खड़े होते रहते हैं। साथ ही स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले इतिहास के कालखंडों को भी नए सिरे से शामिल किया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है, जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूली पाठ्यक्रम को नए सिरे से तैयार करने का काम चल रहा है। समिति का मानना है कि पाठ्यक्रम में जो भी चीजें पढ़ाई जाएं, वे एकपक्षीय न होकर पूरी तरह से तथ्यपरक होनी चाहिए। समिति ने देशभर के शिक्षाविदों और छात्रों से 15 जुलाई, 2021 तक सुझाव मांगे हैं जो rsc_hrd@sansad.nic.in पर भेजे जा सकते हैं।

- शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति ने स्कूली पाठ्यक्रम के तथ्यों और रूपरेखा को लेकर देशभर के शिक्षाविदों और छात्रों से मांगे सुझाव
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तैयार हो रहे नए पाठ्यक्रम से पहले समिति ने उठाया कदम, लंबे समय से इतिहास के भ्रामक तथ्यों को लेकर उठते रहे हैं सवाल



वर्तमान में मध्यकालीन इतिहास ज्यादा पढ़ाया जा रहा

समिति का कहना है कि मौजूदा समय में स्कूलों में जो इतिहास पढ़ाया जा रहा है उनमें ढेर सारे भ्रामक और गैर-ऐतिहासिक बिंदु शामिल हैं। ऐसे में इन्हें पहचान कर हटाने की जरूरत है, अन्यथा नई पीढ़ी गलत इतिहास को आगे भी पढ़ती रहेगी। फिलहाल इनमें जो नाम प्रमुख रूप से उभर कर सामने आए हैं उनमें वीर सावरकर, रानी लक्ष्मीबाई, शहीद भगत सिंह आदि शामिल हैं। वर्तमान में उनके कुछ पहलुओं को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। इसके साथ ही रानी झलकारी बाई और स्वतंत्रता आंदोलन में रानी लक्ष्मीबाई जैसी भूमिका निभाने वाली नगालैंड की रानी गाइदिनल्यू भी हैं, जिनका इतिहास में जिक्र नहीं है या बिल्कुल कम मिलता है। संसद की इस स्थायी समिति के मौजूदा अध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य डा. विनय सहस्रबुद्धे हैं। हाल ही में उनकी अगुआई वाली इस समिति ने बच्चों को पढ़ाने के लिए ग्राम पंचायतों में टेलीविजन लगाने का भी सुझाव दिया है।

समिति ने स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले इतिहास के कालखंड को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि मौजूदा समय में स्कूली पाठ्यक्रम में जो इतिहास पढ़ाया जा रहा है, उसमें मध्यकालीन इतिहास ज्यादा पढ़ाया जा रहा है जो मुगल और दूसरे आक्रांता शासकों का इतिहास है। वहीं, प्राचीन और आधुनिक इतिहास का हिस्सा कम है। ऐसे में सभी कालखंडों को समान रूप से पढ़ाया जाना चाहिए।

इन अहम बिंदुओं पर है फोकस

- पाठ्य पुस्तकों से राष्ट्रीय नायकों के बारे में गैर-ऐतिहासिक और भ्रामक बिंदुओं के संदर्भों को हटाना।
- भारतीय इतिहास के सभी कालखंडों के लिए समान या आनुपातिक संदर्भ सुनिश्चित करना।
- गार्गी, मैत्रेयी, रानी लक्ष्मीबाई, रानी चन्नम्मा, चांद बीबी, झलकारी बाई जैसी शासकों और महान ऐतिहासिक महिला नायकों की भूमिका पर प्रकाश डालना।

रविवार विशेष

रोमांच को चरम पर ले जाएगा गर्तांगली



उत्तरकाशी : भारत-चीन सीमा पर स्थित दुनिया के सबसे खतरनाक रास्तों में शुमार गर्तांगली जल्द ही पर्यटकों के लिए खुल जाएगा। समुद्र तल से 10,500 फीट की ऊंचाई पर सीढ़ीनुमा मार्ग के पुनरुद्धार का कार्य अंतिम चरण में है। (पेज-10)

कश्मीर में आतंकियों के 11 मददगार बर्खास्त

बड़ा कदम ▶ सरकारी नौकरी से हटाए गए कर्मचारियों में आतंकी सरगना सलाहुद्दीन के दो बेटे भी शामिल

शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य व पुलिस से लेकर बिजली विभाग में घुसे बैठे थे ये कर्मचारी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी संगठनों के लिए काम करने वाले 11 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन सरगना सैयद सलाहुद्दीन के दो बेटे भी शामिल हैं। इसके साथ ही बीते अप्रैल से अब तक राष्ट्रविरोधी और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आधार पर सरकारी सेवा से बाहर किए गए अधिकारियों व कर्मियों की संख्या 17 हो गई है। इनमें एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) रैंक के अधिकारी के अलावा एक प्रथम श्रेणी का मजिस्ट्रेट और एक असिस्टेंट प्रोफेसर भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सरकारी तंत्र में घुसे आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ यह बड़ा और सख्त कदम उठाया है। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के कमान संभालने के बाद से जम्मू-कश्मीर में जहां राजनीतिक संवाद बढ़ा है वहीं आतंकियों पर कार्रवाई भी तेज हो गई है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सरकारी तंत्र में बैठे आतंकियों और अलगाववादियों के समर्थकों एवं राष्ट्र विरोधी तत्वों को चिन्हित करने और उनके मामलों की जांच कर, उनकी सेवाएं समाप्त करने संबंधी रिपोर्ट तैयार करने के लिए 21 अप्रैल को राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआइडी) के नेतृत्व में एक विशेष कार्यबल गठित किया था। इसी क्रम में 11 लोगों को सरकारी नौकरी से हटाया गया है। इनमें से अनंतनाग जिले के चार, बडगाम के तीन और बारामुला, श्रीनगर, पुलवामा और कुपवाड़ा जिले के एक-एक सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इनमें चार शिक्षा विभाग और दो जम्मू-कश्मीर पुलिस के हैं। इनके अलावा कृषि, कौशल विकास, ऊर्जा, शेरे कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान सौरा और स्वास्थ्य विभाग का एक-एक कर्मी है।

हटाए हुए कर्मियों में कुपवाड़ा आइटीआइ का एक चपरासी भी शामिल है। वह लश्कर-ए-तैयबा का ओवरग्राउंड वर्कर था और आतंकियों के लिए ठिकानों का बंदोबस्त करने के अलावा उन तक सुरक्षाबलों की गतिविधियों की खबरें भी पहुंचाता था। उसके साथ सेवामुक्त किए गए दो सरकारी अध्यापक हैं जो दक्षिण कश्मीर में जिला अनंतनाग से संबंध रखते हैं। यह जमाते इस्लामी और दुख्तरान ए मिल्लत की विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ-साथ जिहादी व राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं।

आतंकियों को पुलिस विभाग की जानकारी देते थे सिपाही : बर्खास्त कर्मचारियों में जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो कांस्टेबल भी शामिल हैं। ये दोनों आतंकियों तक पुलिस विभाग की गोपनीय सूचनाएं पहुंचाने के अलावा उनके लिए विभिन्न प्रकार के साजो सामान का भी बंदोबस्त करते थे। इनमे से एक अब्दुल रशीद शिगन को अगस्त, 2012 में बांदीपोर के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बीए खान के घर से पकड़ा गया था। वह उनके घर की सुरक्षा में तैनात था।



चपरासी ने दी थी पनाह

हिजबुल मुजाहिदीन के लिए बतौर ओवरग्राउंड वर्कर काम करने वाला स्वास्थ्य विभाग का एक चपरासी नाज मुहम्मद अलेई तो आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे चुका है और उसने अपने घर में दो कुख्यात आतंकियों को पनाह दे रखी थी।

पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ाते थे

आतंकी और अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त व पाकिस्तानी एजेंडे को विभिन्न तरीकों से आगे बढ़ाने वाले शिक्षा विभाग के दो कर्मियों जब्बार अहमद पर्रे और निसार अहमद तांत्रे के अलावा बिजली विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत शाहीन अहमद लोन को भी सरकारी सेवा से हटाया गया है। शाहीन लोन हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकियों व उनके हथियारों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाता था। पुलिस ने उसे बीते साल जनवरी में श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकियों व हथियारों संग पकड़ा था।

पहले भी कई कर्मचारी हटाए जा चुके हैं

इससे पूर्व 20 मई को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आतंकी कमांडर नवीद बाबू के साथ पकड़े गए डीएसपी देवेंद्र सिंह के अलावा उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा के त्रिच निवासी शिक्षक मोहम्मद और बटपोरा, शिक्षक बशीर अहमद शेख की सेवाएं समाप्त की थीं। तीन मई को नायब तहसीलदार नजीर अहमद वानी और असिस्टेंट प्रोफेसर अब्दुल नाइक को सरकारी सेवा से बाहर किया गया था। पहली मई को कुपवाड़ा के एक सरकारी अध्यापक को सेवामुक्त किया गया था।

टेरर फंडिंग में शामिल थे

पाकिस्तान में छिपे बैठे भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों में शामिल सैयद सलाहुद्दीन के दोनों बेटों को भी तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त किया गया है। सलाहुद्दीन आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के साथ ही विभिन्न आतंकी संगठनों के साझा मंच यूनाइटेड जिहाद कौंसिल का सरगना भी है। उसके दोनों बेटों सैयद शकील अहमद और शाहिद यूसुफ को टेरर फंडिंग और हवाला के मामलों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने 2018 में गिरफ्तार किया था।

चार तस्कर गिरफ्तार, 354 किलोग्राम हेरोइन बरामद

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने चार कुख्यात अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनसे 354 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस का दवा है कि हाल के वर्षों में यह नशे की सबसे बड़ी बरामदगी है। इससे पहले 2019 में सेल ने 330 किलोग्राम हेरोइन इसी गिरोह से जुड़े तस्करों से बरामद की थी। (पेज-2)

24 घंटे में उत्तर भारत के कई हिस्सों में छा जाएगा मानसून

नई दिल्ली : पूर्वी हवाएं चलने से दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हो गई हैं। अगले 24 घंटे में इसके दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में छा जाने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी। वहीं, शनिवार को मौसम गर्म रहा। (पेज-5)

दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी का दूध दो रुपये महंगा हुआ

नई दिल्ली : दुग्ध आपूर्तिकर्ता कंपनी मदर डेयरी ने 11 जुलाई से दिल्ली-एनसीआर में दूध का दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया है। नई कीमतें सभी प्रकार के दूध पर लागू होंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि लागत मूल्य में बढ़ोतरी के चलते वह दाम बढ़ाने को मजबूर है। एक वर्ष में दूध की कुल लागत कई गुना बढ़ गई है। (पेज-7)

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय राजधानी ▶ पृष्ठ 2

'बसों के रखरखाव के लिए नया टेंडर जारी किया जाए'

नई दिल्ली : डीटीसी की लो फ्लोर बसों की खरीद व वार्षिक रखरखाव को लेकर भाजपा विधायकों की शिकायत पर गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट उपराज्यपाल अनिल बैजल को सौंप दी है। समिति ने बसों के रखरखाव के लिए जारी टेंडर में नियमों का पालन नहीं किए जाने का हवाला देते हुए इसे रद करने की सिफारिश की है। इस काम के लिए नए सिरे से टेंडर जारी करने और प्रतिस्पर्द्धा में ज्यादा कंपनियों को शामिल करने की सलाह दी गई है।

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

रणनीतिक रिश्ते मजबूत करेंगे भारत और वियतनाम

नई दिल्ली : चीन की बढ़ती दादागीरी से परेशान भारत और वियतनाम के प्रधानमंत्रियों की शनिवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई। पीएम नरेंद्र मोदी और उनके वियतनामी समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह के बीच हुई बातचीत में हिंद प्रशांत महासागर की स्थिति और समुद्री मार्ग में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मान्य करने जैसे विषयों पर बात हुई है। चिन्ह के पीएम बनने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली बातचीत थी।

कोरोना से जंग ▶ पृष्ठ 6

कोवैक्सीन पर चार से छह हफ्ते में फैसला करेगा डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली: डब्ल्यूएचओ भारत बायोटेक की स्वदेशी कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन को अपनी आपातकालीन उपयोग सूची में शामिल करने पर चार से छह हफ्ते के भीतर फैसला कर लेगा। विज्ञान और पर्यावरण केंद्र यानी सीएसई द्वारा आयोजित एक वेबिनार में डब्ल्यूएचओ की मुख्य विज्ञानी सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि भारत बायोटेक ने डब्ल्यूएचओ के पोर्टल पर कोवैक्सीन से जुड़े सभी डाटा अपलोड कर दिए हैं।

तालिबान के कब्जे वाले क्षेत्रों में महिलाओं पर लगी पाबंदियां

बल्ख, एएनआइ : अफगानिस्तान में पिछले 20 साल से महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिए जाने की जो मुहिम चल रही थी,वो थम गई है। तालिबान के कब्जे वाले जिलों में एक बार फिर 2001 के पहले की तरह शरीयत कानून लागू हो गया है। तालिबान ने पर्चे वितरित कर महिलाओं पर तमाम पाबंदी लगाने का फरमान जारी किया है।

वायस आफ अमेरिका (वीओए) के अनुसार बल्ख प्रांत के कई जिलों में कब्जे के बाद यहां पर शरीयत कानून के तहत पहले से भी ज्यादा कड़ी पाबंदी लगा दी गई हैं। मजार ए शरीफ से 20 किलोमीटर दूर एक जिले में तालिबान ने इस संबंध में पर्चे भी वितरित किए हैं। बल्ख की रहने वाली 34 वर्षीय नाहिदा ने बताया कि अब महिलाओं का हिजाब पहनना जरूरी होगा। वे घर से बाहर बिना पुरुष साथी के नहीं निकल सकेंगी। अफगान पुरुष भी अब अपनी दाढ़ी नहीं काट सकेंगे। तालिबान के कब्जे वाले जिलों में सैलून चलाने वालों के लिए भी फरमान जारी कर दिया गया है।

नाहिदा ने बताया कि अब ऐसी महिलाओं को दिक्कतें होने वाली हैं जो अपने घर का गुजारा करने के लिए बाहर जाकर काम करती थीं। अफगान सरकार के आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में 300 से अधिक महिलाएं अफगानिस्तान में सिविल सर्वेंट हैं। यदि तालिबान सत्ता में साझेदार हुए तो इन महिलाओं की स्थिति क्या होगी।

उत्तरी अफगानिस्तान में 109 तालिबानी आतंकी ढेर : आइएएनएस के अनुसार जौजान प्रांत के शबरगान शहर में संघर्ष के दौरान तालिबानी आतंकियों पर हवाई हमले किए गए। सेना के अनुसार इन हमलों में 109 आतंकियों को मार डाला गया। 23 को पकड़ा गया है।

- अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में शरीयत कानूनों को किया लागू
- बिना पुरुष घर से बाहर निकलने पर सजा की चेतावनी



सख्त किए गए हैं नियम। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

तालिबान ने चीन को बताया दोस्त, उइगर उग्रवादियों का साथ नहीं देगा पेज>>11

पर्यटन स्थलों पर भीड़ को लेकर केंद्र ने फिर चेताया

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना लाकडाउन और प्रतिबंधों में छूट मिलने के साथ ही हिल स्टेशनों और अन्य पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ और प्रोटोकाल की घोर अवहेलना पर केंद्र सरकार ने एक बार फिर चेताया है। सरकार ने कहा है कि कोरोना की दूसरी लहर अभी गई नहीं है और इस तरह की बेफिक्री महामारी को सीधे-सीधे बुलावा देना है।

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने हिल स्टेशनों और पर्यटन स्थलों पर कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा करते हुए राज्यों के साथ ही लोगों को भी आगाह किया। बैठक में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, बंगाल, महाराष्ट्र, गोवा, केरल और तमिलनाडु कोरोना के हालात और टीकाकरण की समग्र स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह बताया गया कि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दूसरी लहर जरूर कमजोर पड़ रही है और समग्र संक्रमण दर भी गिर रही है, लेकिन उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और बंगाल के कई जिलों में अभी भी संक्रमण दर 10 फीसद से ज्यादा बनी हुई है। हिल स्टेशनों पर कोरोना प्रोटोकाल के उल्लंघन से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए भल्ला ने कहा कि राज्यों को मास्क पहनने और शारीरिक दूरी बनाए रखने जैसे बचाव के उपायों को सख्ती से लागू करना चाहिए।

- गृह सचिव ने कहा, दूसरी लहर खत्म नहीं हुई, कोरोना प्रोटोकाल का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं राज्य
- राजस्थान, उत्तराखंड व हिमाचल समेत कुछ राज्यों के कई जिलों में अभी संक्रमण दर 10 फीसद से ज्यादा



अजय भल्ला। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

राज्यों से पांच स्तरीय रणनीति अपनाने को कहा गया पेज>>6

विधानसभा चुनाव में अब मुस्लिमों को भी टिकट देगी भाजपा

अजय जायसवाल, लखनऊ

'सबका विश्वास' की नीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सबका विश्वास' जो जोड़ा, वह महज दो शब्द नहीं, बल्कि एक बड़ा संदेश था। समाज के बड़े वर्ग का विश्वास जीतकर चुनावी विजय के हिमालय पर जा पहुंचा भगवा दल अल्पसंख्यक वर्ग में खासतौर से मुस्लिम समाज का भी विश्वास और जीतना चाहता है। केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार की योजनाओं-नीतियों में भेदभाव न होने का संदेश पहले से ही दिया जाता रहा। अब इसे रणनीति का हिस्सा बनाकर पार्टी द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव में मुस्लिमों को भी टिकट देने की तैयारी है।

भाजपा को अब कोई संकोच शायद नहीं : तमाम दल तुष्टीकरण की राजनीति के आरोप लंबे समय से झेल रहे हैं, लेकिन उनकी नीति-रणनीति में अभी भी खास बदलाव नजर नहीं आ रहा है, जबकि भाजपा मजबूत विजय रथ पर सवार होने के बावजूद 'साफ्ट सेकुलरिज्म' का सिक्का एकबारगी उछालकर देखने के मूड में नजर आ रही है। दरअसल, सियासी गलियारों में अक्सर यह चर्चा होती है कि मुस्लिम समाज उसी दल को वोट देता है, जो उसे भाजपा के मुकाबले मजबूत नजर आता है। इस 'कथनी' को अपनी 'करनी' से बेअसर करने में सत्ताधारी भाजपा को अब कोई संकोच शायद नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति अपनाने वाली भाजपा ने 2019 आते-आते अपनी नीति को विस्तार दिया। तकरीबन दो वर्ष पहले लोकसभा चुनाव जीतने के बाद संसदीय दल की पहली बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ, सबका विकास के साथ सबका विश्वास को भी जोड़कर स्पष्ट कह दिया था कि अल्पसंख्यकों को छला गया। अब हम उनका भी विश्वास हासिल करेंगे।

माना जाता है कि तीन तलाक के खिलाफ कानून लाकर मुस्लिम महिलाओं को साथ लेने की सबसे पहली कोशिश हुई, जिसका कुछ लाभ पार्टी को पिछले चुनावों में हुआ भी। गौरतलब है कि तकरीबन 20 फीसद मुस्लिम जनसंख्या वाले उप्र के दो दर्जन से ज्यादा ऐसे जिले हैं जहां 20 से 65 फीसद तक मुस्लिम आबादी है। इन जिलों की 50 से अधिक विधानसभा सीटों पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में होते हैं। इसके बावजूद 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने एक भी मुस्लिम प्रत्याशी नहीं बनाया था। हां, चुनाव बाद पूर्व क्रिकेटर मोहसिन रजा को जरूर विधान परिषद सदस्य बनाकर राज्यमंत्री पद भी दिया गया। चूंकि, 2019 के बाद पार्टी की रीति-नीति बदली है, इसलिए यूपी के विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी इसका असर नजर आ सकता है। यह लगभग तय है कि मुस्लिम बहुल कुछ सीटों पर पार्टी उसी समाज में से अपने प्रत्याशी भी चुने। माना जा रहा है कि पार्टी दर्जनभर से अधिक मुस्लिम दावेदारों को टिकट थमा सकती है। बशर्ते, इस बात का ख्याल जरूर रखा जाएगा कि प्रत्याशी हर पहलू से जिताऊ हो।

मिशन यूपी

- चुनावी रणनीति पर दिखेगा 'सबका विश्वास' की नीति का व्यापक असर
- मुस्लिम समाज के जिताऊ दावेदारों पर दांव लगाने की तैयारी में है पार्टी

मोदी-योगी सरकार की किसी भी योजना में किसी भी जाति-वर्ग के साथ भेदभाव नहीं हुआ। हम सबका साथ, सबका विकास के साथ सबका विश्वास की नीति पर चल रहे हैं। यदि कोई मुस्लिम कार्यकर्ता ऐसा हो, जिसकी कार्यकर्ताओं में स्वीकार्यता हो, जनता में लोकप्रियता और पार्टी के प्रति समर्पण हो तो उसे टिकट देने में कोई परहेज नहीं किया जाएगा।

– स्वतंत्र देव सिंह, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भाजपा

ब्लाक प्रमुख चुनाव में भी लहराया भाजपा का परचम, 825 में से 648 पर जीत

लखनऊ : उप्र में जिला पंचायत अध्यक्ष की तरह ही ब्लाक प्रमुख के चुनाव में भी भाजपा का दबदबा कायम रहा। कुल 825 में से 648 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी विजयी हुए हैं। (पेज-4)

उप्र में दो से अधिक बच्चे वाले नहीं लड़ सकेंगे स्थानीय निकाय चुनाव

तैयारी

नगरीय निकाय चुनाव से पूर्व जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की तैयारी, नियम तोड़ने पर जाएगी नौकरी, आज जारी होगी प्रदेश सरकार की नई जनसंख्या नीति



राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जल्द एक ठोस कानून शक्ल लेगा। अहम बात यह है कि कानून में आम लोगों के अलावा सरकारी अधिकारियों व कर्मियों से लेकर जनप्रतिनिधियों पर भी बड़े अंकुश लगाने की कोशिश है। आयोग ने दो से अधिक बच्चे वालों को स्थानीय निकाय चुनाव (नगर निकाय से लेकर पंचायत चुनाव तक) से वंचित रखे जाने की अहम सिफारिश राज्य विधि आयोग ने की है। आयोग नए कानून में सख्त प्रविधान लाने के पक्ष में है। आयोग ने कानून लागू होने के एक साल के भीतर सभी स्थानीय निकायों में चयनित प्रतिनिधियों से इस नीति के पालन का शपथपत्र लिए जाने तथा नियम तोड़ने पर उनका निर्वाचन रद किए जाने की सिफारिश की है। कहा है कि उन्हें फिर चुनाव भी न लड़ने दिया जाए। बता दें, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को (11 जुलाई) को विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर सूबे में नई जनसंख्या नीति 2021-30 जारी करेंगे। नई जनसंख्या नीति के तहत सरकार ने जन्मदर कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

राज्य सरकार के भी दायित्व तय : आयोग ने उप्र जनसंख्या (नियंत्रण, स्थिरीकरण व कल्याण) विधेयक-2021 का जो मसौदा तैयार किया है, उसमें लोगों की जिम्मेदारी तय करने के साथ ही राज्य सरकार के दायित्व भी तय किए गए हैं। आयोग ने जनसंख्या नियंत्रण बिल का प्रारूप अपनी बेवसाइट पर अपलोड कर 19 जलाई तक सुझाव मांगे हैं। आयोग को अब तक सुझाव के दो हजार ईमेल मिल चुके हैं। प्रारूप को कई न्यायाधीशों को भेजकर उनके सुझाव भी लिए जा रहे हैं, जिसके बाद प्रारूप को अंतिम रूप देकर उसे राज्य सरकार को सौंपा जाएगा। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद तथा नगरीय निकाय (नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत) से पहले इस नए कानून को लागू किया जा सकता है।

दो से अधिक संतान वालों की बढ़ेंगी मुश्किलें

राजस्थान व मध्य प्रदेश की तरह उत्तर प्रदेश में भी दो से अधिक बच्चे वालों को सरकार नौकरी से दूर रखे जाने की सिफारिश शामिल है। ऐसे अभिभावक राज्य सरकार की किसी भर्ती में आवेदन नहीं कर सकेंगे। उन्हें सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रखा जाएगा।

बहुविवाह करने वालों पर सख्ती पेज>>4

ये सुझाव भी अहम

- जिन सरकारी कार्मिकों का परिवार सीमित रहेगा और वह मर्जी से नसबंदी कराते हैं तो उन्हें दो अतिरिक्त इंक्रीमेंट, पदोन्नति, आवास योजनाओं में छूट, पीएफ में कर्मी का कंट्रीब्यूशन बढ़ाने व ऐसे अन्य लाभ दिए जाने की सिफारिशें हैं।
- जो दंपती सरकारी नौकरी में नहीं है, उन्हें सीमित परिवार रखने पर पानी, बिजली, गृह व अन्य करों में छूट मिलेगी। राष्ट्रीय पेंशन योजना के सदस्य को राज्य सरकार की ओर से तीन फीसद अधिक राशि का योगदान।
- एक संतान पर मर्जी से नसबंदी कराने वाले अभिभावकों की संतान को 20 साल तक मुफ्त इलाज, शिक्षा व बीमा के साथ नौकरियों में वरीयता दिए जाने की तैयारी है।
- एक संतान वाले दंपती को सरकारी नौकरी में चार इंक्रीमेंट तक मिल सकते हैं। गरीबी रेखा के नीचे वाले ऐसे दंपती को बेटे के लिए 80 हजार व बेटी के लिए एक लाख रुपये दिए जाएंगे।
- गरीबी रेखा के नीचे वाली महिला के 45 वर्ष की आयु तक एक ही बच्चा रहने पर एक लाख रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि।

39.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा शनिवार को दिल्ली में। न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण पश्चिम मानसून रविवार को दिल्ली पहुंचने का अनुमान है। इससे बारिश हो सकती है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 11 जुलाई, 2021

बसों के रखरखाव के लिए नया टेंडर जारी किया जाए : जांच समिति

टेंडर में नियमों का पालन नहीं किए जाने का दिया हवाला

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की लो फ्लोर बसों की खरीद व वार्षिक रखरखाव को लेकर भाजपा विधायकों की शिकायत पर गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट उपराज्यपाल अनिल बैजल को सौंप दी है। समिति ने बसों के रखरखाव के लिए जारी टेंडर में नियमों का पालन नहीं किए जाने का हवाला देते हुए इसे रद करने की सिफारिश की है। इस काम के लिए नए सिरे से टेंडर जारी करने और प्रतिस्पर्द्धा में ज्यादा कंपनियों को शामिल करने की सलाह दी गई है। वहीं, वारंटी की अवधि में रखरखाव के लिए कंपनियों के भुगतान के दिल्ली सरकार के फैसले को सही ठहराया गया है।

समिति ने कहा कि शिकायत बसों के रखरखाव के लिए अनुबंध से संबंधित है, इसलिए जांच इसी पर केंद्रित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बसों की खरीद और इनके रखरखाव के अलग-अलग टेंडर पांच माह के अंतराल पर जारी किए गए हैं, लेकिन इसका कारण नहीं बताया गया है। साथ ही प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाने के लिए टेंडर प्रक्रिया में ज्यादा कंपनियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया।

यह है मामला है

दिल्ली सरकार ने जनवरी में 890 करोड़ रुपये में एक हजार लो फ्लोर बसें खरीदने के लिए दो कंपनियों को आर्डर दिए थे। जेबीएम आटो लिमिटेड से सात सौ व टाटा मोटर्स से तीन सौ बसों की आपूर्ति होनी है। भाजपा का आरोप है कि टेंडर की शर्तों में बदलाव करके इन कंपनियों को बसों की आपूर्ति होने पर पहले दिन से ही इनके रखरखाव के लिए भुगतान किया जाएगा। विधायकों ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) से की थी। सरकार से एसीबी को जांच की अनुमति नहीं मिलने पर भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल से इसकी शिकायत



दिल्ली सरकार ने 1000 लो फ्लोर बसें खरीदने के दो कंपनियों को आर्डर दिए थे। फाइल

की थी। उपराज्यपाल ने जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति में सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी ओपी अग्रवाल, दिल्ली के प्रधान सतर्कता सचिव और प्रधान यातायात सचिव शामिल थे। वहीं, सरकार ने जांच पूरी होने तक बस की खरीद प्रक्रिया रोक दी थी।

बोली प्रक्रिया में सिर्फ बस आपूर्ति करने वाली दोनों कंपनियां शामिल हुईं। वार्षिक रखरखाव की न्यूनतम बोली निर्धारित करने की प्रक्रिया का भी दस्तावेज में उल्लेख नहीं है। इन खामियों को उठाते हुए समिति ने टेंडर को निरस्त करके फिर से इसे जारी करने को कहा है।

हालांकि, वारंटी अवधि में बसों के रखरखाव के लिए भुगतान करने को लेकर भाजपा विधायकों की शिकायत को समिति ने खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि नियम के मुताबिक वारंटी की अवधि खत्म होने के बाद रखरखाव का भुगतान किया जाना चाहिए, हालांकि इसमें जरूरत के अनुसार बदलाव भी संभव है। लो फ्लोर बस खरीद मामले में वारंटी अवधि के दौरान आपूर्तिकर्ता द्वारा मुख्त रखरखाव व भुगतान वाले काम में अंतर स्पष्ट किया गया है। इसे गलत नहीं कहा जा सकता है।

'बस खरीद मामले में दिल्ली सरकार को क्लीन चिट दी'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेसवार्ता कर कहा कि भाजपा के नेता तीन महीने से आरोप लगा रहे थे कि दिल्ली सरकार ने डीटीसी की एक हजार बसों की खरीद में घोटाला किया है। इसकी जांच के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ने उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन किया, जिसने 3000 दस्तावेज की जांच करने के बाद अपनी रिपोर्ट में बताया कि दिल्ली सरकार पर लगे घोटाले के आरोप बेबुनियाद हैं।

सिसोदिया ने कहा कि जांच कमेटी बसों की खरीद में कोई खामी या गड़बड़ी नहीं निकाल पाई। समिति की रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व की सरकार ईमानदार है। उन्होंने कहा कि पहले भी भाजपा के नेताओं ने दिल्ली सरकार पर झूठे आरोप लगाए थे और जांच समिति ने दिल्ली सरकार से 400 फाइलें मंगाई थीं। तब भी कोई गड़बड़ी नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता नफरत और झूठ फैलाने का काम कर रहे हैं। जनता के हितों के लिए हो रहे काम रोक रहे हैं। उन्हें जनता के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली



उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया डिजिटल प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए। सौ. दिल्ली सरकार

में 2008 से 2015 तक कोई बस नहीं खरीदी गई। 2015 में सरकार में आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने सार्वजनिक परिवहन सेवा को बेहतर करने के लिए बसों की खरीद के लिए जब भी टेंडर निकाला, भाजपा के नेता अड़चन लगाने का प्रयास करते रहे। लेकिन उनके तमाम झूठ और अड़चनों के बावजूद दिल्ली सरकार जनता के हितों के काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब दिल्ली में बसें आएंगी और सार्वजनिक परिवहन सेवा को और बेहतर बनाया जाएगा। प्रेसवार्ता में मौजूद परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि बस खरीद मामले में कोई गड़बड़ी नहीं निकलेगी। उनकी बात सही साबित हुई है।

गहलोत को तुरंत मंत्री पद से हटाया जाए : आदेश गुप्ता

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

भाजपा ने आरोप लगाया है कि लो फ्लोर बस खरीद मामले की जांच रिपोर्ट को लेकर दिल्ली सरकार भ्रम फैला रही है। जांच रिपोर्ट में बसों के वार्षिक रखरखाव के लिए जारी टेंडर को रद करने को कहा गया है। इसके विपरीत दिल्ली सरकार यह भ्रम फैला रही है कि उसे जांच में क्लीन चिट मिल गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) को इस मामले की जांच की अनुमति देने और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को पद से हटाने की मांग की है।

आदेश गुप्ता ने प्रेसवार्ता में कहा कि परिवहन मंत्री के पद पर रहते हुए इस मामले की निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। उन्हें हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगभग 890 करोड़ रुपये में बसें खरीदी गईं और वारंटी के दौरान तीन वर्षों के रखरखाव पर 35 सौ करोड़ रुपये खर्च करने के लिए टेंडर निकाला गया। इसमें भारी अनियमितता हुई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि जांच रिपोर्ट से स्पष्ट है कि भाजपा के आरोप सही हैं। उपराज्यपाल तुरंत परिवहन मंत्री गहलोत को उनके पद से हटाकर एसीबी को इस मामले की जांच करने की अनुमति दें। यदि इसमें देरी हुई तो भाजपा आंदोलन तेज करने को मजबूर हो जाएगी।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया है। समिति की रिपोर्ट में परिवहन विभाग की आंतरिक जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाया गया है। परिवहन विभाग की जांच खुद उसके सचिव कर रहे हैं, इसलिए उनसे निष्पक्षता की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इसकी एसीबी और सीबीआइ से जांच जरूरी है।

चड्ढा का आरोप, दिल्ली का रोका पानी, हरियाणा ने बताया आदतन शिकायती

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल किल्लत के बीच सियासत भी तेज हो गई। शनिवार को दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने हरियाणा सरकार पर यमुना से दिल्ली के हिस्से का पानी रोकने व 120 एमजीडी (मिलियन गैलन डेली) पानी कम छोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि दिल्ली में 100 एमजीडी पानी की आपूर्ति घट गई है। इस वजह से नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमएसी) के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने हरियाणा से यमुना में पानी छोड़ने की अपील की है।

इसके बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रमुख मीडिया सलाहकार विनोद मेहता ने पलटवार किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली के हिस्से का एक लोटा पानी हरियाणा ने नहीं रोका। दिल्ली को उसके हिस्से से ज्यादा पानी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार और उसमें शामिल लोग आदतन शिकायती हैं। पिछले सात वर्षों में ऐसा कोई भी दिन हो जब दिल्ली को आवंटित कोटे से एक लोटा भी पानी कम मिला हो तो बताएं? हरियाणा के पास हमेशा अधिक पानी देने का रिकार्ड उपलब्ध है, लेकिन कम का नहीं है।

वहीं, राघव चड्ढा ने कहा कि गर्मी में जल बोर्ड द्वारा पानी आपूर्ति बढ़ाकर 945 एमजीडी कर दी गई है, लेकिन हरियाणा से मूनक नहर, दिल्ली सब ब्रांच (डीएसबी) कैनाल व यमुना में पानी कम छोड़ा जा रहा है। इस वजह से वजीराबाद जलाशय का जलस्तर कम हो गया है। इस वजह से तीन जल शोधन संयंत्रों से 245 एमजीडी की जगह 145 एमजीडी पानी की आपूर्ति हो रही है। इसके तहत चंद्रावल जल शोधन संयंत्र से आपूर्ति 90 एमजीडी से घटकर 55 एमजीडी हो गई है। वजीराबाद संयंत्र से आपूर्ति 135 एमजीडी से घटकर 80 एमजीडी व ओखला संयंत्र से आपूर्ति 20 एमजीडी से घटकर 15 एमजीडी हो गई है। इस वजह से कुल पेयजल आपूर्ति 845 एमजीडी हो पा रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अपर यमुना रिवर बोर्ड ने पहले हरियाणा को दिल्ली के हिस्से का पूरा पानी आपूर्ति करने का आदेश दिया था, साथ ही दिल्ली की जरूरत को देखते हुए अतिरिक्त पानी देने की भी सिफारिश की थी, लेकिन दिल्ली के हिस्से के पानी आपूर्ति में भी गिरावट देखी जा रही है। मई में भी इस तरह का मामला उठाया गया था।

आरोप-प्रत्यारोप

- पेयजल की किल्लत के बीच तेज हुई सियासत
- हरियाणा का पलटवार, एक लोटा पानी भी नहीं रोका

इस बार बढ़ी है जलापूर्ति

जल बोर्ड सामान्य तौर पर प्रतिदिन करीब 935 एमजीडी पानी की आपूर्ति करता है। पेयजल आपूर्ति के आंकड़े बताते हैं कि मई में पेयजल की दिक्कत ज्यादा थी। मई माह में करीब तीन सप्ताह तक 900 एमजीडी से कम पानी की आपूर्ति हो रही थी। 21 मई के बाद पानी की आपूर्ति बढ़ी। एक जून को रिकार्ड 948.50 एमजीडी पानी आपूर्ति हुई। वैसे जून में औसतन 940 एमजीडी से अधिक पानी की आपूर्ति हुई। जल बोर्ड के अधिकारी कहते हैं कि वजीराबाद में जल स्तर 674.5 फीट होना चाहिए, लेकिन अभी जल स्तर 667.6 फीट है। पानी कम मिलने से आने वाले समय में पेयजल संकट हो सकता है।

कोरोना नियमों के सख्त अनुपालन के लिए आदेश जारी

जासं, नई दिल्ली : लाकडाउन खुलने के बाद दिल्ली के बाजारों में कोरोना से बचाव के नियमों के उल्लंघन के मामलों का स्वतः संज्ञान लेकर दिल्ली हाई कोर्ट की तरफ से शुरू की गई जनहित याचिका पर केंद्र सरकार ने जवाब दाखिल किया है। केंद्र सरकार ने हलफनामा दायर कर कहा है कि कोरोना महामारी से बचाव के नियमों का सख्ती से अनुपालन तय करने के संबंध में आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को निर्देश दिए गए हैं।

स्थायी अधिवक्ता अनिल सोनी के माध्यम से दायर हलफनामा में केंद्र ने कहा कि शारीरिक दूरी से लेकर मास्क लगाने व सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने के नियमों का सख्ती से अनुपालन कराया जाए। केंद्र ने कहा कि जमीनी स्तर पर नियमों को लागू करने का फैसला स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए लेना है। इस संबंध में सभी राज्यों के मुख्य सचिव व केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन को पत्र लिखा गया है। दिल्ली के बाजारों में बढ़ती भीड़ और टूटते नियमों की की तस्वीरें देखकर दिल्ली हाई कोई ने जनहित याचिका शुरू की थी, साथ ही इस पर केंद्र व दिल्ली सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

ध्वनि प्र्रदूषण फैलाने पर लगेगा 10 हजार से एक लाख रुपये तक का जुर्माना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब ध्वनि प्रदूषण करना महंगा साबित होगा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने जुर्माने की संशोधित सूची जारी की है। नई सूची के अनुसार डीजल जेनरेटर के शोर के लिए इसके आकार के अनुरूप 10 हजार से एक लाख रुपये तक का जुर्माना अदा करना पड़ सकता है। इसके साथ ही उपकरण को भी सीज कर लिया जाएगा।

डीपीसीसी ने सभी संबंधित विभागों को ध्वनि प्रदूषण के इन नए जुर्माने की दरों की जानकारी दे दी है और इन्हें लागू करने को कहा है। डीपीसीसी ने ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन के लिए दंड में संशोधन किया है। लाउडस्पीकर व पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से शोर के लिए 10,000 रुपये, 1000 केवीए से अधिक के डीजल जेनरेटर सेट के लिए एक लाख रुपये जुर्माना का प्रविधान किया गया है। रिहायशी इलाकों में दिन मे 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल तक ध्वनि के स्तर की अनुमति है। इसी तरह वाणिज्यिक क्षेत्रों में दिन में 65 डेसिबल और रात में 55 डेसिबल ध्वनि की मंजूरी है। संवेदनशील क्षेत्रों में यह दिन में 50 डेसिबल और रात में 40 डेसिबल है। ध्वनि प्रदूषण मापने वालों का कहना है कि शहर के किसी भी भीड़भाड़ वाले इलाके में एप से मापने पर स्तर 80 डेसिबल से कम नहीं मिलता है। ध्वनि प्रदूषण की नई जुर्माना दरों के तहत कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट तय मानकों से अधिक शोर करते हैं तो उन पर 50,000 रुपये तक का जुर्माना लगेगा। इसके साथ ही उपकरण को भी सीज कर लिया जाएगा।

नए प्रविधानों के तहत अगर कोई शख्स रिहायशी या व्यावसायिक इलाकों में पटाखे जला रहा है तो उस पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर पटाखा साइलेंट जोन में जलाया जा रहा है तो यही जुर्माना 3,000 रुपये का हो जाएगा। इसके साथ सार्वजनिक रैली, शादी समारोह व अन्य धार्मिक आयोजनों में यदि पटाखे का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो रिहायशी और व्यावसायिक जोन में 10 हजार और साइलेंट जोन में 30,000 रुपये तक का जुर्माना होगा।

आदेश के मुताबिक किसी भी आवास कल्याण समिति (आरडब्ल्यूए) के परिसर में या शादी समारोह में निर्धारित सीमा से अधिक पटाखे फोड़ने की स्थिति में आयोजक और परिसर के मालिक को पहले उल्लंघन के लिए 20,000 रुपये जुर्माने का भुगतान करना होगा। डीपीसीसी के आदेश में कहा गया है कि दूसरी बार उल्लंघन के लिए आयोजक और मालिक को 40,000 रुपये देने होंगे। एक निश्चित परिसर के भीतर या विवाह समारोह में दो से अधिक उल्लंघन के लिए आयोजक और मालिक को एक लाख रुपये का जुर्माना देना होगा। परिसर को भी सील किया जाएगा।

डीपीसीसी के अधिकारी ने कहा कि सीपीसीबी की तरफ से 2020 में जुर्माने को संशोधित किया गया था। डीपीसीसी ने सभी जिलाधिकारियों, उप संभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम), दिल्ली पुलिस और यातायात पुलिस को इन नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है।

सख्ती

- दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने संशोधित जुर्माने के सूची जारी की
- रिहायशी इलाकों में दिन मे 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल तक ध्वनि के स्तर की अनुमति है

एम्स में कल से अवकाश पर रहेंगे 50 फीसद डाक्टर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : कोरोना की संक्रमण दर घटने के बाद अस्पतालों में मरीज कम हो गए हैं। इस वजह से डाक्टरों पर कोरोना मरीजों के इलाज का दबाव कम हो गया है। इस वजह से एम्स प्रशासन ने करीब डेढ़ साल में पहली बार संस्थान के वरिष्ठ डाक्टरों को 10-10 दिन का अवकाश देने का फैसला किया है। डाक्टरों के अवकाश पर जाने से मरीजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। दरअसल, कोरोना का संक्रमण शुरू होने पर डाक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां रद कर दी गई थीं। डाक्टरों को एक माह के लिए गर्मी की छुट्टियां मिलती हैं।

इस साल भी दूसरी लहर के कारण गर्मी की छुट्टियां रद कर दी गई थीं। अब कोरोना के मरीजों की संख्या घटने के बाद 12 से 21 जुलाई तक 50 फीसद डाक्टर अवकाश पर रहेंगे। इसके बाद शेष 50 फीसद डाक्टर 22 से लेकर 31 जुलाई तक अवकाश पर रहेंगे। एम्स में करीब 750 स्थायी डाक्टर हैं। इसलिए एक समय में करीब 375 डाक्टर अवकाश पर रहेंगे।

अफगानी नागरिक समेत चार नशा तस्कर गिरफ्तार, 354 किलो हेरोइन बरामद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

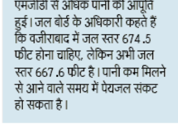
दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने चार कुख्यात अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनसे 354 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस का दवा है कि हाल के वर्षों में यह नशे की सबसे बड़ी बरामदगी है। इससे पहले 2019 में सेल ने 330 किलोग्राम हेरोइन इसी गिरोह से जुड़े तस्करों से बरामद की थी।

स्पेशल सेल के विशेष आयुक्त नीरज ठाकुर ने बताया कि आरोपितों की पहचान जालंधर के गुरप्रीत सिंह व गुरजोत सिंह, अफगानी नागरिक हजरत अली व जम्मू-कश्मीर निवासी रिजवान कश्मीरी के रूप में हुई है। सेल ने दो वर्ष पूर्व 330 किलो हेरोइन जब्त की थी। उसी मामले की जांच के क्रम में जानकारी मिली की रिजवान कश्मीरी दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश और हरियाणा आदि राज्यों में नशीले पदार्थों की तस्करी करता है। वह पांच जुलाई को दक्षिणी दिल्ली के घिटोरनी इलाके में ड्रग्स की खेप पहुंचाने आने वाला है। सेल की टीम उसे एक किलो हेरोइन के साथ वहां से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ से पता चला कि अफगानिस्तानी नागरिक ईशा खान उससे काम कराता है, वह अफगानिस्तान गया हुआ था। ईशा खान ने रिजवान कश्मीरी से जालंधर के गुरप्रीत सिंह और गुरजोत सिंह से संपर्क करने को कहा था। दोनों वर्तमान में फरीदाबाद के सेक्टर-65 स्थित एनएसजी विहार को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में किराये के फ्लैट से ड्रग्स रैकेट चला रहे थे। इन दोनों के ठिकाने पर शनिवार को छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनसे पूछताछ पर सोसायटी की पार्किंग में खड़ी दो कारों से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद हुई। मकान में एक बेड में विशेष तौर पर बनाए हुए स्थान से भी 70 किलो हेरोइन बरामद हुई। इस तरह दोनों से कुल 351 किलो हेरोइन बरामद की गई।

रिजवान कश्मीरी ने पूछताछ में एक अन्य अफगानी नागरिक हजरत अली के बारे में भी बताया। इसके बाद सेल ने उसे भी हरियाणा के गुरुग्राम से दो किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया कर लिया। उसके पास से 100 किलो विभिन्न प्रकार के रसायन भी बरामद हुए हैं। पूछताछ में पता चला है कि उक्त हेरोइन अफगानिस्तान से पंजाब में सप्लाई करने के लिए भेजी गई थी।

पर्दाफाश

- स्पेशल सेल का दावा, हाल के वर्षों में पकड़ी गई सबसे बड़ी खेप
- 2019 में इसी गिरोह से जुड़े तस्करों से बरामद हुई थी 330 किलो हेरोइन



तस्कर से बरामद हेरोइन सौ.पुलिस

रोहिणी में फर्जी काल सेंटर का भंडाफोड़, 24 गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रोहिणी जिले की साइबर सेल ने रोहिणी सेक्टर-सात में चल रहे फर्जी काल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान फर्जी काल सेंटर मालिकों समेत 24 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। सुल्तानपुरी निवासी राजकुमार, श्याम कुमार व गोविंद इस फर्जी काल सेंटर का संचालन कर रहे थे। काल सेंटर से तीन कंप्यूटर, बार कोड स्कैनर मशीन, लैपटाप, 52 मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद किया गया है।

पुलिस अधिकारियों को शुक्रवार को जानकारी मिली थी कि रोहिणी सेक्टर-सात में फर्जी काल सेंटर चलाया जा रहा है। यहां लोगों को सस्ता मोबाइल देने के बहाने ठगा जा रहा है। इसके बाद एसीपी ब्रह्मजीत सिंह की देखरेख में साइबर सेल की टीम बनाई गई। टीम ने फर्जी काल सेंटर पर छापा मारकर नौ युवक व 15 युवतियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित सस्ते दामों पर रेडमी मोबाइल देने के बहाने लोगों को ठग रहे थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपित ज्यादातर उत्तर-पूर्वी राज्यों के लोगों को अपना शिकार बनाते थे। उनके पास से 384 ऐसे पार्सल भी मिले हैं, जो बाहर से देखने पर तो ऐसे लगते थे कि इनमें मोबाइल हैं, लेकिन उनके अंदर पर्स रखा होता था।

ऐसे होती थी ठगी

कालर किसी भी नंबर पर फोन मिलाकर कहते थे कि आपका नंबर 'रेडमी नोट 9' मोबाइल के लिए चुन लिया गया है। इसके तहत 17 हजार रुपये का मोबाइल मात्र साढ़े चार हजार रुपये में मिलेगा। आप इस आकर्षक आफर का लाभ उठाना चाहते हैं, तो आपको आज ही साढ़े चार हजार रुपये का भुगतान करना होगा। अगर आप आज पैसे नहीं भेज सकते हैं तो हम आपको डाक के माध्यम से पार्सल भेजेंगे। आप पैसे देकर पार्सल ले सकते हैं। ऐसे आकर्षक आफर को सुनते ही लोग फंस जाते थे और वे इसके लिए पैसे दे देते थे। डाक सेवा का नाम वह इसलिए जोड़ते थे ताकि लोगों को लगे कि उनके साथ कोई ठगी नहीं हो रही।

जुलाई के अंत में शुरू हो सकता है टर्मिनल-2

जासं,नई दिल्ली: कोरोना संकट के बीच इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या घटने के बाद बंद हुआ टर्मिनल-2 जुलाई के अंत में शुरू हो सकता है। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि कोरोना संक्रमण कम होने के बाद धीरे-धीरे यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। ऐसे में विमानों के सुचारू आवागमन के लिए टर्मिनल-2 को खोलने पर विचार किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि मई के मध्य में एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या 18 हजार तक आ गई थी। इसके बाद टर्मिनल-2 को बंद कर दिया गया था। अब कोरोना के मामले कम होने के बाद यात्रियों की संख्या 60 हजार तक पहुंच गई है। आनेवाले 15 दिनों में यह संख्या अगर 80 हजार तक पहुंचती है तो टर्मिनल-2 से विमानों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। अभी टर्मिनल-3 से ही डोमेस्टिक व इंटरनेशनल फ्लाइट का संचालन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि टर्मिनल-1 का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके तैयार होने के बाद आइजीआइ एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी।

योजना

डीएनजीआइआर में औद्योगिक इकाइयों को सड़क, रेल, हवाई सेवा के जरिये मिलेगी बेस्ट कनेक्टिविटी

शिकागो की तर्ज पर बसेगा 'नया नोएडा'

कुंदन तिवारी, नोएडा

विशेष निवेश क्षेत्र के रूप में नोएडा प्राधिकरण 'नया नोएडा' बनाने जा रहा है। इसका नाम दादरी नोएडा गाजियाबाद निवेश क्षेत्र (डीएनजीआइआर) तय है। यह शहर शिकागो इंडस्ट्रियल हब की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिसमें निवेश को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक इकाइयों को बेस्ट कनेक्टिविटी देना है। इसमें सड़क, रेलवे, हवाई तीन माध्यम को चुना गया है। ये तीनों ही देश के ऐसे शहरों से सीधे जोड़े जाएंगे, जहां से कच्चे माल की उपलब्धता व तैयार उत्पाद डीलर की पहुंच में हो। इसी को प्राथमिकता दे स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), नई दिल्ली को मास्टर प्लान तैयार करने की जिम्मेदारी प्राधिकरण ने सौंपी है। इसके लिए शुक्रवार को सेक्टर-6 स्थित कार्यालय पर अनुबंध साइन किया जा चुका है।

चीफ टाउन एंड कंट्री प्लानर मोहम्मद इंतियाक अहमद ने बताया कि शिकागो इंडस्ट्रियल हब मुख्यतः सड़क, रेलवे, हवाई मार्ग से जुड़ा है, जिससे यहां निवेशकों को निवेश के लिए बेहतर विकल्प मिलते हैं। किसी भी क्षेत्र को विकसित करने के लिए उसे जोन में बांटना बेहतर विकल्प होता है। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भी इसी आधार पर काम करने जा रहा है, जिसमें शिकागो सहित अन्य यूरोपीय देश की तर्ज पर विभिन्न जोन जैसे साउथ जोन, ईस्ट जोन, वेस्ट जोन, नार्थ जोन में बांटकर विकसित करने का मास्टर प्लान तैयार करेगा।

डीएनजीआइआर कुल 210 वर्ग किमी (20 हजार हेक्टेयर) में फैला है, यहां भी प्रत्येक जोन में अलग-अलग इंडस्ट्रियल हब को विकसित किया जाएगा। यहां प्रस्तावित सड़क, रेलवे लाइन सीधे डीएनजीआइआर को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से जोड़ेंगे। साथ ही कच्चा माल व मशीनरी के लिए कोलकाता व लुधियाना से शहर जुड़ जाएगा, जिससे निवेश के मार्ग बढ़ेंगे। बेहतर कनेक्टिविटी के साथ यहां किस तरह की इंडस्ट्री को ज्यादा प्रोत्साहित किया जा सकता है। तीन अर्ली वार्ड प्रोजेक्ट को शहर के साथ कैसे जोड़ा जाएगा, जिससे निवेशकों को डीएनजीआइआर की ओर से आकर्षित किया जा सके, इस दिशा में काम किया जाएगा।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निवेश को देगा बल: डीएनजीआइआर बुलंदशहर की ओर जाने वाले जीटी रोड व हावड़ा की ओर जाने वाली रेलवे लाइन के मध्य स्थित है। यहीं पर वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर दादरी से मुंबई तक का निर्माण चल रहा है, जबकि ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर लुधियाना से कोलकाता तक वाया खुर्जा प्रस्तावित है। खुर्जा से एक एसपीयूआर दादरी तक निर्मित होनी है, जो ईस्टर्न व वेस्टर्न कारीडोर का कामन प्वाइंट होगा। यहीं नहीं हवाई सेवा के लिए जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्मित हो रहा है। इससे निवेशकों के लिए भविष्य में बेहतर कार्गो सेवा भी उपलब्ध होगी।

बेहतर होंगी सुविधाएं: औद्योगिक इकाइयों के साथ-साथ उद्यमियों और कामगारों के लिए बेहतर आवासीय, शिक्षा, स्वास्थ्य, ट्रांसपोर्टेशन व मूलभूत सुविधाओं को शामिल किया जा सके। हरियाणा के मानेसर, कोंडली, राई, बावल, धारुहेड़ा, राजस्थान के भिवाड़ी से बेहतर सुविधा मिलेगी।

अतिक्रमण व अवैध कब्जे की नहीं होगा संभावना

मौजूदा समय में औद्योगिक नगरी नोएडा की सबसे बड़ी समस्या औद्योगिक सेक्टरों में अवैध झुग्गी झोपड़ी की बसावट है। इससे सुरक्षा, लाइन लास, जमीन की हानि की समस्या झेलनी पड़ रही है। कच्चे माल की उपलब्धता के लिए औद्योगिक इकाइयों के सामने भी बड़ी चुनौती है। इसलिए डीएनजीआइआर का मास्टर प्लान इस प्रकार से तैयार हो रहा है कि यहां झुग्गी झोपड़ी, अतिक्रमण जैसी कोई भी संभावना न हो।

अनुशासनहीनता पर भाजपा ने दो पार्षदों को दिखाया बाहर का रास्ता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन चुनाव में अपने पार्षदों की वजह से मिली हार पर प्रदेश भाजपा ने जिम्मेदार पार्षदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। जोन चुनाव में अनुपस्थित रहनी वाली ज्योति रछौया और क्रास वोट करने वाली सविता खत्री को छह वर्ष के लिए पार्टी से बाहर निकाल दिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दोनों पार्षदों पर अनुशासनहीनता के लिए दोषी पाया है। छह जून को इस संबंध में दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा गया था। दोनों का जवाब संतोषजनक न मानते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पार्टी से निकाल दिया है।

गुप्ता का कहना है कि पार्टी के अंदर किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चाहे कोई भी हो और किसी भी पद पर हो। अगर अपने पद का गलत इस्तेमाल करता है तो वह क्षमा योग्य नहीं है। दरअसल, नरेला जोन में कुल 22 सदस्य हैं। इसमें 16 सदस्य निर्वाचित हैं तो वहीं छह सदस्य मनोनीत हैं। इसमें भाजपा के पास 13 तो आम आदमी पार्टी के नौ सदस्य थे, लेकिन, छह जून को हुए जोन के चुनाव के समय मामला पलट गया। भाजपा की पार्षद पूनम जहां चुनाव के समय विपक्ष के सदस्यों के साथ बैठ गई तो वहीं एक पार्षद ज्योति रछौया अनुपस्थित रही। इससे 21 सदस्यों ने चुनाव में हिस्सा लिया। जिसमें चेयरमैन पद पर आप प्रत्याशी राम नारायण को 11 मत लेकर विजयी हो गए, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 10 ही मत मिले थे। हालांकि डिप्टी चेयरमैन पद पर भाजपा अपने प्रत्याशी ब्रहम प्रकाश को 11 मत दिलाकर जिताने में कामयाब रही।

11.42 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया इस साल की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में देशभर में 5,129 पीठों के जरिये। इनमें से करीब 22.5 लाख ऐसे मामले थे जो अदालत पहुंचे ही नहीं, जबकि करीब 13.03 लाख लंबित मामले थे।

जार्जिया को चार सौ साल बाद मिले देवी संत क्वीन केतेवान के अवशेष

कूटनीति ▶ विदेश मंत्री जयशंकर ने एक समारोह में जार्जिया सरकार को सौंपे

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली



जार्जिया की यात्रा पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वहां की सरकार को संत क्वीन केतेवान की अस्थियां सौंपी। एएनआइ

भारत और जार्जिया ने संबंधों को मजबूत बनाने पर जताई सहमति

तिबलिसि (जार्जिया), प्रेट्र : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पीएम इराक्ली गैरीबाश्विली समेत जार्जिया के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। उन्होंने द्विपक्षीय रिश्तों को बढ़ावा देने और निवेश व व्यापार संबंधों को साथ मिलकर मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया और सहमति व्यक्त की। जयशंकर पूर्वी यूरोप व पश्चिम एशिया के मध्य स्थित सामरिक रूप से बेहद अहम इस देश की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। बैठक के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कोरोना के दौरान भारतीय छात्रों के घर लौटने और अध्ययन के लिए वापस जार्जिया आने में मदद करने के लिए गैरीबाश्विली को धन्यवाद दिया। जयशंकर ने जार्जिया के राष्ट्रपति सालोम जौराबिचविलि से भी मुलाकात की। उन्होंने जार्जिया के आर्थिक मंत्री नटेला टर्नावा और उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री डेविड जल्कालियानी के साथ भी बातचीत की। जल्कालियानी को भारत आने का न्योता दिया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की दो दिवसीय जार्जिया यात्रा सिर्फ इसलिए ऐतिहासिक नहीं मानी जाएगी कि वह इस देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय विदेश मंत्री हैं। बल्कि इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने इस यात्रा के दौरान जार्जिया की पवित्र देवी संत क्वीन केतेवान की अस्थियों को वहां की सरकार और जनता को सौंपा। क्वीन केतेवान 17वीं सदी में जार्जिया की रानी थीं। कहते हैं कि ईरान में उनकी हत्या इसलिए हत्या कर दी गई थी क्योंकि उन्होंने इस्लाम स्वीकार नहीं किया था। उनकी अस्थियों को 2005 में गोवा के चर्च के खंडहर में खोज निकाला गया था। जार्जिया सरकार उन्हें सौंपने का आग्रह कर रही थी। भारत ने उनकी अस्थियों का एक हिस्सा लौटा दिया है, जबकि एक हिस्सा अपने पास रखने का फैसला किया है। भारत अभी तक पारंपरिक मित्र रूस की वजह से जार्जिया के साथ अपने रिश्तों को खास तवज्जो नहीं दे रहा था, लेकिन भारत का यह फैसला दोनों देशों के रिश्तों के बीच तमाम खाइयों को भरने के संकेत दे रहा है।

बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के देश जार्जिया में संत केतेवान की अहमियत देवी की तरह है। यही वजह है कि जब विदेश मंत्री जयशंकर ने उनके अवशेष जार्जिया के सबसे बड़े चर्च के प्रमुख पादरी को सौंपे तो वहां के पीएम इराक्ली गैरीबाश्विली भी मौजूद थे। अब पूरे देश में कार्यक्रमों का आयोजन होगा। वहां के मीडिया में लोगों के साक्षात्कार दिखाए जा रहे हैं जिनमें वे कह रहे हैं कि अब जार्जिया के दुखों के दिन बीत जाएंगे। सनद रहे कि जार्जिया का रिश्ता अपने पड़ोसी व भारत के मित्र देश रूस के साथ 1991 में सोवियत संघ के विभाजन के बाद से ही तनावग्रस्त है। दोनों देशों में 2008 में भयंकर युद्ध हुआ था। इसमें जार्जिया को नुकसान उठाना पड़ा था। रूस के साथ रिश्तों की संवेदनशीलता को देखते हुए भारत ने जार्जिया को खास तवज्जो नहीं दी थी। संभवतः यही वजह है कि अभी तक भारत से जार्जिया की कोई शीर्षस्तरीय यात्रा नहीं हुई थी।

विदेश मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, 1637 में क्वीन केतेवान के अवशेषों को गोवा लाया गया था। यहां किसी चर्च में उनके अवशेष रखे गए थे जो कालांतर में खंडहर में तब्दील हो गया। बताते हैं कि क्वीन केतेवान के कुछ अनुयायी उनके अवशेष छिपाकर समुद्री रास्ते से भारत लेकर आए थे। बाद में पुर्तगाली कागजातों के आधार पर 2005 में उस चर्च की खोज की गई जहां क्वीन केतेवान के अवशेष मिले। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आदेश पर सीएसआइआर ने उन अवशेषों की डीएनए जांच की और सत्यता को प्रमाणित किया। इसका पता चलते ही जार्जिया सरकार ने भारत से आग्रह करना शुरू किया कि उनके देश की भावना, धार्मिक संवेदना व ऐतिहासिक तथ्यों को देखते हुए अवशेष लौटाए जाएं। 2017 में भारत ने छह महीनों के लिए क्वीन केतेवान के अवशेषों को जार्जिया को सौंपा था जिनका प्रदर्शन वहां देशभर में किया गया था। जार्जिया में इसे देखने वालों की भावना के मद्देनजर भारत ने उन्हें छह महीने और वहां रखने की इजाजत दे दी थी। अब भारत ने जार्जिया के साथ कूटनीतिक रिश्तों की नई शुरुआत की है तो इसका आगाज क्वीन केतेवान के पवित्र अवशेषों के एक हिस्से को लौटाकर किया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि इन पवित्र अवशेषों को सौंपने का दिन सिर्फ जार्जिया के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी खास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और जार्जिया के लोग इन पवित्र अवशेषों की भावना के मुताबिक अध्यात्म और दोस्ती के रिश्ते को मजबूत करेंगे।

जार्जिया की महारानी के अवशेष का डा. लालजी सिंह ने किया था डीएनए टेस्ट

हिमांशु अस्थाना, वाराणसी

गोवा के खंडहर हो चुके गिरिजाघर में पड़े अवशेष 400 साल पहले जार्जिया की क्वीन केतेवान के थे, इसे बीएचयू के पूर्व कुलपति और देश में डीएनए फिंगर प्रिंटिंग के जनक दिवंगत प्रो. लालजी सिंह की टीम ने ही साबित किया था। 1958 में पुर्तगाली कागजातों में बताया गया था कि गोवा के किसी चर्च में महारानी क्वीन केतेवान के अवशेष रखे हैं। यह पता चलने पर 1989 में जार्जिया की सरकार ने भारत से अपनी महारानी के अवशेषों पता लगाने की गुहार लगाई थी। जार्जिया के दौरे पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को जार्जिया सरकार को उनकी महारानी के अवशेष सौंपे।

जार्जिया सरकार की मांग पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की टीम ने खोजबीन शुरू की और 2005 में इस गिरिजाघर को खोज निकाला। उत्खनन में तीन बाक्स मिले और सभी में अवशेष थे। इन्हें नाम दिया गया क्यूकेटी-1, क्यूकेटी-2 और क्यूकेटी-3। इनमें महारानी के अवशेष का पता लगाने की जिम्मेदारी डा. लालजी सिंह और डा. नीरज राय को दी गई। डा. सिंह ने उस समय एस्टोनिया में शोध कर रहे प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे और सेंटर फार सेलुलर और मालिक्युलर बायोलाजी (सीसीएमबी) हैदराबाद के डा. कुमारासामी थंगराज, डा मानवेंद्र सिंह और डा. आदित्यनाथ झा के साथ अवशेषों की डीएनए टेस्टिंग शुरू की। पता चला कि क्यूकेटी-1 महारानी के अवशेष हैं जबकि दो अन्य क्यूकेटी-2 और क्यूकेटी-3 उनके दोनों भारतीय अनुयायियों के हैं।

दस्तावेज के मुताबिक ईरान से महारानी की अस्थियां ये दोनों ही गोवा ले आए थे। 2012-13 में डा. लालजी सिंह की अगुआई में डीएनए टेस्ट हुआ और हैरान कर देने वाला यह परिणाम 2014 में अमेरिका के ख्यात जर्नल माइटोकांड्रिया में प्रकाशित हुआ था।

ईरान के शासक ने किया था महरानी का अपहरण : ईरान (पुराना नाम फारस) के शासक शाह अब्बास ने 1614 में जार्जिया पर आक्रमण किया और बेहद खूबसूरत महारानी केतेवान का अपहरण कर अपने देश ले गया था। उसने महारानी को सिराज नगर के खतरनाक बंदीगृह में रखा। दस वर्ष बाद भी जब रानी इस्लाम धर्म स्वीकार कर शाह के हरम में जाने को तैयार नहीं हुईं तो उन्हें भयानक यातनाएं दी गईं। 22 सितंबर, 1624 को उनकी मौत हो गई और उन्हें वहीं दफन कर दिया गया। 1637 में महारानी के दो अनुयायी वेश बदलकर भारत से ईरान पहुंचे और अस्थियों को निकालकर गोवा लेकर आ गए।

यह है मामला

- महारानी का अपहरण कर ईरान का शासक ले गया था अपने देश, देता था यातनाएं
- 400 साल पहले उनके दो अनुयायी ईरान से गोवा ले आए थे महारानी के अवशेष



प्रो. लालजी सिंह डीएनए फिंगर प्रिंटिंग के जनक हैं।

वंशजों से मैच हुआ महारानी का डीएनए

वर्तमान में बीएचयू में जीन विज्ञानी प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि चर्च में महारानी के दाएं हाथ (फीमर) की हड्डी के अवशेष मिले थे। डा. नीरज राय और मानवेंद्र ने बताया कि हड्डी महिला की है। सैंपल के विश्लेषण की जिम्मेदारी प्रो. चौबे को दी गई। उन्होंने महारानी के स्वघोषित वंशजों और उनके आसपास के लोगों के डीएनए का मिलान महारानी के अवशेषों से किया तो रिपोर्ट मैच कर गई। उन्होंने बताया कि इस तरह के डीएनए सैंपल यू1बी हेप्लोगुप जार्जिया में ही पाए जाते हैं, भारत में नहीं। वहीं, महारानी के अनुयायियों में आर6ए और यू2ए डीएनए था, जो सिर्फ भारतीयों में मिलता है।

रणनीतिक रिश्ते मजबूत करेंगे भारत–वियतनाम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वियतनाम के पीएम चिन्ह से टेलीफोन पर हुई वार्ता
- चीन से परेशान दोनों देशों के बीच हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर हुई चर्चा



पीएम नरेंद्र मोदी व उनके वियतनामी समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह (फाइल फोटो)।

चीन की बढ़ती दादागीरी से परेशान भारत और वियतनाम के प्रधानमंत्रियों की शनिवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई। पीएम नरेंद्र मोदी और उनके वियतनामी समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह के बीच हुई बातचीत में हिंद प्रशांत महासागर की स्थिति और समुद्री मार्ग में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मान्य करने जैसे विषयों पर बात हुई है। मिन्ह चिन्ह के पीएम बनने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी और दोनों देशों के बीच स्थापित रणनीतिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए साथ काम करने की इच्छा जताई।

पीएम ने वियतनाम के इस रुख का स्वागत किया कि वह भारत की तरह ही हिंद महासागर क्षेत्र को सभी पक्षों के लिए खुला, शांतिप्रिय और कानून सम्मत बनाने की बात करता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और वियतनाम के बीच किए गए समग्र रणनीतिक साझेदारी से इस समूचे क्षेत्र में स्थायित्व व विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। भारत व वियतनाम दोनों अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सदस्य हैं और इस दिशा में दोनों मिल कर काम कर सकते हैं।

वियतनाम ने कोरोना की दूसरी लहर से जूझते भारत को चिकित्सा सामग्री भी भेजी थी। पीएम मोदी ने इसके लिए वियतनाम के पीएम का आभार व्यक्त किया। आगे भी महामारी के खिलाफ दोनों देशों के बीच सहयोग कायम रखने की सहमति बनी है। वर्ष 2022 में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध बनाए जाने की 50वीं वर्षगांठ है। दोनों नेताओं के बीच इस अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी बातचीत हुई है। पीएम मोदी ने वियतनाम के पीएम को भारत आने का आमंत्रण भी दिया है।

सहकारी समितियों को भी मिलेगी एफपीओ की तर्ज पर वित्तीय मदद

केंद्र सरकार की पहल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली



गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके दिल्ली स्थित आवास पर सहकारी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुलाकात की। इसमें इंडियन कोआपरेटिव यूनियन आफ इंडिया (आइसीयूआइ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप संघानी, नैफेड के अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, इफको के प्रबंध निदेशक यूएस अवस्थी और कृभको चेयरमैन चंद्रपाल सिंह यादव शामिल थे। एएनआइ

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की तर्ज पर प्राथमिक सहकारी समितियों को भी केंद्र से वित्तीय मदद देकर मजबूत बनाया जाएगा। सहकारी क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल से शनिवार को हुई एक मुलाकात में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आश्वस्त किया कि सरकार सहकारी आंदोलन को सशक्त बनाएगी। जमीनी स्तर की सहकारी समितियों को हर संभव मदद देकर आगे बढ़ाया जाएगा।

शाह ने प्रमुख सहकारी संस्थानों को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि देश में 38 हजार हेक्टेयर जमीन खाली पड़ी है, जिस पर उन्नतशील प्रजाति के बीजों का उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को जैविक खेती में हाथ आजमाना चाहिए, ताकि कम लागत वाली खेती से ज्यादा मुनाफा कमाने का रास्ता बन सके। मुलाकात के दौरान सहकारी नेताओं ने विश्वास जताया कि वे सरकार के साथ मिलकर सहकारिता और सभी सहकारी संस्थाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

सरकार ने हाल ही में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया है, जो अब तक कृषि मंत्रालय में एक छोटे विभाग के रूप में कार्य करता था। शाह के सहकारिता मंत्री बनने के बाद सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उनसे पहली मुलाकात की।

गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मिलने गए सहकारी प्रतिनिधिमंडल में इंडियन कोआपरेटिव यूनियन आफ इंडिया (आइसीयूआइ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप संघानी, नैफेड के अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, इफको के प्रबंध निदेशक यूएस अवस्थी और कृभको चेयरमैन चंद्रपाल सिंह यादव शामिल थे।

देश में तीसरा माडल बन सकती है सहकारिता

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

आर्थिक क्षेत्र में स्वामित्व के अभी दो माडल चर्चा में रहते हैं। निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र। केंद्र सरकार में नवगठित सहकारिता मंत्रालय यदि अपेक्षाओं पर खरा उतरा तो देश में सहकारिता क्षेत्र भी स्वामित्व का एक वैकल्पिक माडल बनकर उभर सकता है। यह मानना है सहकारिता क्षेत्र की गहरी समझ रखनेवाले अर्थशास्त्री सतीश मराठे का।

भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक एवं सहकारी क्षेत्र में काम करनेवाली संस्था सहकार भारती के संस्थापक सदस्य व पूर्व अध्यक्ष सतीश मराठे कहते हैं कि भारत का सहकारिता क्षेत्र विश्व में सबसे पुराना एवं सबसे बड़ा है। यहां अंग्रेजों के शासनकाल में सबसे पहले 1904 में सहकारिता कानून बना। देश में 100 साल पुरानी कई सहकारी संस्थाएं आज भी काम कर रही हैं। यहां 8.5 लाख से अधिक सहकारी समितियों के जरिये करीब 28 करोड़ शेयर धारक जुड़े हैं। ये सहकारी समितियां करीब 55 प्रकार के कामों से जुड़ी हैं। तीन व्यक्तियों का भी परिवार माना जाए, तो देश की आधी आबादी किसी न किसी सहकारी संस्था से जुड़ी है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी का मार्गदर्शन करनेवाला कोई मंत्रालय अब तक केंद्र सरकार में नहीं था। उनके अनुसार अंग्रेजों के बनाए कानून का फोकस सिर्फ नियमन एवं नियंत्रण पर रहा। आजादी के बाद यह फोकस बदलना चाहिए था। यदि कानून का फोकस वृद्धि एवं विकास पर होता, तो भारत में सहकारिता के जरिये अब तक क्रांति हो चुकी होती। मराठे बताते हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी की 13 महीनेवाली सरकार में पहली बार समेकित सहकारिता नीति बनाई गई एवं मल्टीस्टेट कोआपरेटिव एक्ट नए सिरे से लिखा गया। यह देश में सबसे उदार सहकारिता कानून माना गया। इसे भी बने 20 साल से ज्यादा हो चुके हैं। अब नवगठित सहकारिता मंत्रालय को 1904 में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए पहले कानून, 1919 में अंग्रेजों द्वारा ही संशोधित किए गए कानून व अटल सरकार द्वारा बनाए गए कानून का अध्ययन कर एक ऐसा सहकारिता कानून बनाना चाहिए, जो इस क्षेत्र में सरकार का हस्तक्षेप कम करे एवं उसे बाहर से हर संभव मदद पहुंचाए। बता दें कि यूएनओ भी सिफारिश कर चुका है कि भारत के बदलते राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक परिदृश्य में यहां के 100 साल पुराने सहकारिता कानून के पुनर्लेखन की जरूरत है। मराठे बताते हैं कि पिछले बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि वह बहुराज्यीय सहकारी संस्थाओं को पूंजी जुटाने की अनुमति भी देंगी। मराठे कहते हैं कि ऐसा होना ही चाहिए। इससे सहकारी संस्थाओं में सरकार का हस्तक्षेप कम होगा व उनकी परेशानियां घटेंगी। वे पूंजी बाजार से पैसा जुटाकर काम आसानी से कर सकेंगी।

मराठे का मानना है कि निजी क्षेत्र की कंपनियों का लाभ बढ़ने से उसका फायदा उसके चंद शेयरधारकों या उसके मालिकों को ही होता है। लेकिन सहकारी संस्थाओं का लाभ बढ़ने से उसके शेयरधारकों को तो फायदा होता ही है, लाभांश बंटने के बाद बचा धन समितियों का नेटवर्थ बढ़ाने के काम आता है। उसके कारण देश में सोशल कैपिटल बढ़ता है। नाबार्ड ने वर्षों पहले माना था कि सहकारिता के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में सोशल कैपिटल बड़े अच्छे तरीके से बढ़ा है।

नवगठित सहकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को ही दी गई? इस पर मराठे कहते हैं कि शाह को सहकारिता क्षेत्र के कामकाज का अच्छा अनुभव है। वह डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक के चेयरमैन रहे हैं।

सहकारिता क्षेत्र की मांगें

- सहकारी कानून को समयानुकूल आधुनिक एवं उदार बनाया जाए।
- राष्ट्रीय सहकारिता विकास नीति बनाई जाए।
- नेशनल सेंटर फार कोआपरेटिव एक्सीलेंस की स्थापना की जाए, जहां सहकारिता से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण मिल सके।
- सहकारी संस्थाओं को शेयर बाजार से पूंजी जुटाने की अनुमति मिले एवं इससे संबंधित सभी कानूनों में परिवर्तन किया जाए।

देश–दुनिया में सहकारिता

- भारत का सहकारिता आंदोलन विश्व का सबसे बड़ा सहकारिता आंदोलन है।
- विश्व में 100 से अधिक देशों में एक अरब से ज्यादा लोग सहकारिता से जुड़े हैं।
- देश में आठ लाख से अधिक सहकारी संस्थाओं के जरिये 75 फीसद ग्रामीण परिवारों के 28 करोड़ से अधिक लोग सहकारिता से जुड़े हैं।
- चीनी उत्पादन में सहकारिता का भाग करीब 50 फीसद एवं हैंडलूम में 55 फीसद है। कपास उत्पादन में भी लगभग यही अनुपात है।

पीएम की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की अगली बैठक 14 को

नई दिल्ली, आइएएनएसः कोविड-19 की महामारी के बीच 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने जैसे मुद्दों पर केंद्रीय मंत्रिपरिषद की आगामी बैठक 14 जुलाई को होने जा रही है, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

सूत्रों का कहना है कि पीएम मोदी कोविड के कारण पैदा हुई स्थितियों से निपटने के लिए मंत्रियों से उनकी संक्षिप्त कार्ययोजना लेंगे। महामारी ने अर्थव्यवस्था के सभी पहलुओं, खासकर चिकित्सा क्षेत्र को प्रभावित किया है। इस दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा शिक्षा मंत्रालयों से जुड़े मुद्दों पर उल्लेखनीय चर्चा हो सकती है। अब स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मनसुख मांडविया देख रहे हैं, जबकि शिक्षा मंत्रालय धर्मेंद्र प्रधान के पास चला गया है। सात जुलाई को 75 सदस्यीय मंत्रिपरिषद में व्यापक फेरबदल के बाद यह दूसरी बैठक होगी। इस फेरबदल में मंत्रिपरिषद में 36 नए मंत्री शामिल किए गए थे, जबकि सात को प्रोन्नति दी गई थी। अगले ही दिन पीएम मोदी ने मंत्रीपरिषद की पहली बैठक ली थी।

छात्रों को कौशल विकास से जोड़ने के काम में आएगी तेजी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मंत्रिमंडल के नए बदलाव में एक ही मंत्री को शिक्षा जैसे महकमे के साथ कौशल विकास की जिम्मेदारी मिलना भले ही कुछ लोगों को अटपटा लग रहा है, लेकिन यह फैसला एक सोची-समझी रणनीति के तहत लिया गया है। इसका मकसद राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उन लक्ष्यों को हासिल करना है, जिसमें वर्ष 2025 तक स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले कम-से-कम से 50 फीसद छात्रों को कौशल विकास या व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद वैसे तो उसकी सिफारिशों पर अमल का काम तेजी से शुरू हुआ, लेकिन कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े मोर्चे पर सुस्ती थी। नई पहल से कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा से सभी छात्रों को जोड़ने का लक्ष्य तय समय पर पूरा हो सकेगा।

नीति में छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने यह पहल तब की गई है, जब 12वीं पंचवर्षीय योजना की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि देश में 19 से 24 वर्ष की आयु के भारतीय कार्यबल में सिर्फ पांच फीसद लोग ही औपचारिक रूप से व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त है। वहीं अमेरिका में इस आयु वर्ग में 52 फीसद लोग, जर्मनी में 75 फीसद लोग और दक्षिण कोरिया में 96 फीसद लोग ऐसी शिक्षा प्राप्त हैं। नीति में इन्ही आधारों पर व्यावसायिक शिक्षा की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत बताई गई है।

केंद्र सरकार की नई योजना से बड़ी संख्या में छात्र व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ेंगे। इसका लाभ देश को प्रशिक्षित युवाओं के रूप में मिलेगा।

योजना

- रणनीति के तहत एक ही मंत्री को सौंपी गई शिक्षा और कौशल विकास की जिम्मेदारी
- दोनों महकमों की जिम्मेदारी अलग-अलग मंत्रियों के पास होने से रफ्तार नहीं पकड़ पा रही थी मुहिम

नवाचार

शिवराज सरकार लागू करने जा रही है जनभागीदारी का नया माडल, ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर पर गठित होंगी दीनदयाल अंत्योदय समितियां

मप्र में योजनाओं की निगरानी करेंगे कार्यकर्ता

धनंजय प्रताप सिंह, भोपाल

सत्ता में जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर काम कर रही मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार एक नवाचार करने की तैयारी में है। सरकार की योजनाओं की निगरानी ग्राम पंचायत स्तर तक हो सके, इसलिए दीनदयाल अंत्योदय समितियों का पुनर्गठन किया जाएगा। ये समितियां 1991 में प्रदेश में भाजपा की सरकार के दौरान काम करती थीं। नए माडल में समितियां राज्य, जिला, नगर, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी होंगी। प्रदेश में पंचायतों की बड़ी संख्या होने और जिला व राज्य स्तर पर इन समितियों के गठन से भाजपा से जुड़े पांच लाख से अधिक कार्यकर्ता इस काम से जुड़ जाएंगे।

उक्त पांच लाख कार्यकर्ताओं को सरकारी योजनाओं की निगरानी और सलाह के अधिकार होंगे। कोई मानदेय नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक महीने अधिकारियों के साथ समिति के सदस्यों की बैठकें होंगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस पर सहमति दे दी है। यह काम प्रदेश में लोक अभिकरणों के माध्यम से दीनदयाल अंत्योदय कार्यक्रम का कार्यान्वयन अधिनियम 1991 के तहत किया जाएगा। इससे इसकी कानूनी वैधता भी होगी और सरकार के पास योजनाओं की वास्तविकता की जानकारी रहेगी।

जिले में प्रभारी मंत्री के हाथ में होगी कमानः जिला स्तरीय दीनदयाल अंत्योदय समिति के अध्यक्ष जिले के प्रभारी मंत्री रहेंगे। योजनाओं की निगरानी के साथ क्रियान्वयन के स्तर पर कमियों में सुधार के लिए समिति सिफारिश भी करेगी। राज्य स्तरीय समिति में प्रत्येक जिले का एक प्रतिनिधि और नगर स्तरीय समिति में प्रत्येक वार्ड से एक प्रतिनिधि होगा। समिति को योजनाओं के प्रचार-प्रसार, हितग्राही चयन या हटाने की अनुशंसा, योजना का लाभ दिलाने में मदद और सामाजिक अंकेक्षण के काम की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। एक समिति में 20 सदस्य रहेंगे। इससे विभिन्न योजनाओं की निगरानी हो सकेगी और गड़बड़ी की आशंका भी नहीं रहेगी।

पार्टी कार्यकर्ताओं का पहली बार होगा समायोजन

भाजपा सरकार के पिछले 15 साल में यह पहला अवसर होगा, जब सत्ता में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। लगभग 30 साल पहले तत्कालीन सुंदरलाल पटवा सरकार में ये समितियां बनाई गई थीं।

दीनदयाल अंत्योदय समितियों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने से योजनाओं की निगरानी के साथ जनता को सुशासन भी मिलेगा।

– विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष भाजपा

दीनदयाल अंत्योदय समितियों में भारी संख्या में भाजपाइयों की भर्ती असंतोष और अस्थिरता से गुजर रही सरकार का डूबते को तिनके से बचाने का प्रयास मात्र है।

–भूपेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष, मीडिया विभाग, मध्य प्रदेश कांग्रेस

एमबीबीएस छात्रों के लिए आयुष में वैकल्पिक इंटर्नशिप का प्रस्ताव

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा जारी एक मसौदा नियम के मुताबिक एमबीबीएस के छात्रों को जल्द ही भारतीय चिकित्सा प्रणाली या आयुष में वैकल्पिक इंटर्नशिप करनी पड़ सकती है। बारी-बारी से अनिवार्य इंटर्नशिप के मसौदा नियम, 2021 के अनुसार एमबीबीएस छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसी भारतीय चिकित्सा पद्धति या आयुष की किसी एक विधा में एक सप्ताह का प्रशिक्षण होना चाहिए।

एनएमसी के अनुसार, इंटर्न आयुष के लिए आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और सोवा रिगपा में से किसी एक को एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए चुन सकते हैं। मसौदे में कहा गया है कि एमबीबीएस छात्रों को स्नातक की पढ़ाई पूरी होने के बाद 12 महीने की अवधि में 17 पोस्टिंग पूरी करनी होंगी। इनमें से 14 अनिवार्य हैं और तीन वैकल्पिक हैं।

कह के रहेंगे माधव जोशी



17 जिलों में हुआ टकराव उत्तर प्रदेश के ब्लाक चुनाव में। संवेदनशील जिलों में रहा पुलिस व पीएसी का कड़ा पहरा।

कृष्णा वाल्मीकि की हत्या को लेकर राजस्थान में आंदोलन करेगी भाजपा

जागरण संवाददाता, जयपुर

▸ झालावाड़ में वर्ग विशेष के युवकों ने ले ली थी अनुसूचित जाति वर्ग के युवक की जान

राजस्थान के झालावाड़ जिले में कृष्णा वाल्मीकि नामक युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले में भाजपा राज्यभर में आंदोलन करेगी। पार्टी के नेता व कार्यकर्ता जिलों में जाकर कृष्णा की हत्या के साथ ही अनुसूचित जाति वर्ग पर बढ़ते अत्याचार को लेकर अशोक गहलोत सरकार को घेरते हुए राज्यपाल के नाम से कलेक्टरों को ज्ञापन देंगे।

गौरतलब है कि झालावाड़ जिले के झालरापाटन में गत एक जुलाई को दो पक्षों में हुए विवाद के दौरान कृष्णा वाल्मीकि पर जानलेवा हमला किया गया था। इसमें गंभीर रूप से घायल कृष्णा को पहले झालावाड़ जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया और फिर वहां से गंभीर हालत में जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया । यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी । हालांकि, झालावाड़ के पुलिस अधीक्षक डा. किरण कंग सिद्धू का कहना है कि इस मामले में रईस, सोहेल, ईमरान, शाहिद, अख्तर अली और शानू की गिरफ्तारी हो गई है, लेकिन भाजपा ने इस मुद्दे पर नाराजगी जताई है। इस मामले में भाजपा ने शुक्रवार को जयपुर में प्रदर्शन किया था, जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था। अब इस मामले में भाजपा का अनुसूचित जाति एवं जनजाति मोर्चा सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगा।

> अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों पर अत्याचारों में ढाई साल में 35 फीसद की बढ़ोतरी हुई है । कृष्णा की हत्या के मुद्दे को लेकर भाजपा विधानसभा के अंदर और बाहर सरकार को घेरेगी । बढ़ते अत्याचार और उन्मादी हिंसा की घटनाएं रोकने में नाकाम मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कुर्सी छोड़ देनी चाहिए ।
>
> –सतीश पूनिया, प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा

> अनुसूचित जाति वर्ग पर लगातार अत्याचार बढ़ रहे हैं । कृष्णा की हत्या बीच बाजार में कर दी गई । इससे साफ होता है कि अपराधियों में पुलिस का भय नहीं है।
>
> –राजेंद्र राठौड़, राज्य विधानसभा में विपक्ष के उप नेता

मोदी को केदारनाथ में निर्माण कार्यों के शिलान्यास का न्योता

▸ पुष्कर सिंह धामी ने विकास व तमाम कार्यों के बारे में मोदी को दिया फीडबैक

▸ 15 मिनट के बजाय सवा घंटा हुई बातचीत, पीएम ने युवा नेतृत्व पर जताया भरोसा

राज्य ब्यूरो, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। चार जुलाई को मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद धामी दिल्ली पहुंचे हैं। महज 15 मिनट के लिए तय यह शिष्टाचार भेंट तकरीबन सवा घंटे तक चली। नए मुख्यमंत्री ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारी के साथ चार धाम यात्रा व कांवड़ यात्रा के रूप में राज्य के सामने मौजूदा चुनौतियों के बारे में प्रधानमंत्री को फीडबैक दिया। धामी ने प्रधानमंत्री को केदारनाथ धाम आने और वहां दूसरे चरण के पुनर्निर्माण कार्यों के शिलान्यास के लिए न्योता दिया। उन्होंने कुमाऊं के लिए एम्स और लखवाड़ बहुद्देश्यीय परियोजना को आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति की मंजूरी दिलाने का अनुरोध किया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि युवा नेतृत्व में राज्य का तेजी से चहुंमुखी विकास होगा।



नई दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करते उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी। एएनआइ

धामी ने राज्य के विकास में केंद्र सरकार के सहयोग और प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन मिलने पर उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। एम्स, ऋषिकेश उत्तराखंड को केंद्र की महत्वपूर्ण देन है। कोविड-19 की लड़ाई में इसकी बड़ी भूमिका रही है। कुमाऊं में भी एम्स की स्थापना से विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं से क्षेत्र की जनता लाभान्वित हो सकेगी। एम्स के लिए भूमि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी।

धामी ने प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय महत्व की लखवाड़ बहुद्देश्यीय परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा कि 300 मेगावाट की इस परियोजना से यमुना नदी में जल उपलब्धता बढ़ेगी। छह राज्यों उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड व हिमाचल लाभान्वित होंगे। इस परियोजना को सभी स्वीकृतियां मिल चुकी हैं। केंद्र सरकार के आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति की स्वीकृति मिलना बाकी है। इससे परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया कि केदारनाथ धाम में 108.78 करोड़ की लागत से दूसरे चरण के निर्माण कार्य शुरू होने हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से निर्माण कार्यों के शिलान्यास या वर्चुअल शिलान्यास करने के लिए समय देने का अनुरोध किया।

कांवड़ यात्रा पर गेंद केंद्र के पाले में

राज्य ब्यूरो, देहरादून : कांवड़ यात्रा पर असमंजस के बीच अब यात्रा शुरू करने को लेकर गेंद केंद्र के पाले में है। मुख्यमंत्री धामी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से भेंट के दौरान इस विषय को भी उनके सामने रखा। महत्वपूर्ण बात यह कि उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर जिस तरह से भीड़ उमड़ रही है, उसे देखते हुए आम जनता भी कांवड़ यात्रा को लेकर चिंता जता रही है और इसके पक्ष में नहीं है। उत्तराखंड में हर साल सावन के महीने में कांवड़ यात्रा संचालित होती है, जिसमें विभिन्न राज्यों से दो से ढाई करोड़ श्रद्धालु गंगाजल लेने हरिद्वार व ऋषिकेश आते हैं। बीते वर्ष कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए लागू लाकडाउन के सख्त प्रविधानों के कारण राज्य सरकार ने कांवड़ यात्रा स्थगित कर दी थी। इस वर्ष उत्तर प्रदेश व हरियाणा कांवड़ यात्रा शुरू करने की बात कह चुके हैं। अगर ये राज्य अपने यहां कांवड़ यात्रा पर रोक नहीं लगाते तो उत्तराखंड के लिए स्थिति विकट हो सकती है।

उप्र में ब्लाक प्रमुख चुनाव में भी भाजपा का परचम

बड़ी जीत ▸ जिला पंचायतों के बाद 85 फीसद से अधिक क्षेत्र पंचायतें भी भगवामय

विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनावों में दौड़ा भाजपा का विजय रथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उप्र में जिला पंचायत अध्यक्ष की तरह ही ब्लाक प्रमुख के चुनाव में भी भाजपा का दबदबा कायम रहा। कुल 825 में से 648 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी विजयी हुए हैं। निर्दलीय जीते प्रमुखों के आने पर यह संख्या बढ़ भी सकती है। जिला पंचायतों की तरह ही 85 फीसद से अधिक क्षेत्र पंचायतें भी भगवामय हो गई हैं। 2022 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माने जा रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में जिस तरह से भाजपा का विजय रथ दौड़ा है, उसने पार्टी का मनोबल अगले चुनावी संघर्ष के लिए जरूर बढ़ाया है।

क्षेत्र पंचायत प्रमुख (ब्लाक प्रमुख) चुनाव के साथ ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव शनिवार को पूरे हो गए। शुक्रवार को नाम वापसी के बाद 349 ब्लाक प्रमुख निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए थे। इनमें से 334 से अधिक भाजपा के थे। बाकी 476 पदों के लिए शनिवार दोपहर तीन बजे तक मतदान और फिर तुरंत बाद मतगणना हुई। शाम तक सभी सीटों के नतीजे भी आ गए। परिणाम आना शुरू हुए तो जिला पंचायत की तरह ही क्षेत्र पंचायतों में भी भगवा लहराता चला गया। शाम तक सामने आए परिणामों के आधार पर भाजपा की ओर से सहयोगियों-समर्थकों सहित कुल 825 में से 648 सीटों पर जीत का दावा किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में चली आंधी : इससे पहले जिला पंचायत अध्यक्ष की 75 सीटों पर हुए चुनाव में भी सत्ताधारी दल की आंधी चली और सहयोगी संग 67 सीटें जीतने में कामयाब रहा। उस परिणाम के बाद विपक्षी दलों ने ब्लाक प्रमुख चुनाव के भाजपा के विजय रथ को घेरने की पूरी तैयारी की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली।

स्पष्ट संदेश : 2022 में होने से जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भगवा खेमे को मिली प्रचंड जीत के लिए पार्टी जनता में मोदी-योगी सरकार के प्रति विश्वास को वजह बता रही है। अब वह जनता को संदेश देना चाहेगी कि गांव-गांव तक जनता भाजपा के साथ है।

सरकार की नीति, संगठन की रणनीति से मिली जीत : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस जीत का श्रेय केंद्र व प्रदेश सरकार की नीति और संगठन की रणनीति को दिया है। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से योजनाएं हर तबके तक बिना भेदभाव के पहुंचीं। उसी का जीवंत उदाहरण त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के यह परिणाम हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशन में प्रदेश सरकार और संगठन ने जनहितकारी योजनाओं को जमीन तक पहुंचाया। उसी की वजह से जनता का रुझान पंचायत चुनावों में भाजपा के पक्ष में रहा। योगी ने कहा कि 735 सीटों पर भाजपा ने प्रत्याशी खड़े किए थे। 14 सीटें अपना दल को दीं और 76 सीटों पर पार्टी के ही कार्यकर्ता आमने-सामने थे, जिन्हें स्वतंत्र छोड़ दिया गया। अब तक पार्टी और सहयोगी दल के मिलाकर 648 प्रत्याशी ब्लाक प्रमुख का चुनाव जीत चुके हैं।

मोदी-योगी की नीति और कार्यकर्ताओं का परिश्रम : स्वतंत्रदेव

उत्तर प्रदेश भाजा के अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की लोकप्रियता व जनकल्याणकारी नीतियों के साथ ही कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम से यह जीत मिली है।

14 में से नौ पर अपना दल को जीत : भाजपा के सहयोगी दल के रूप में अपना दल (एस) ने ब्लाक प्रमुख की 14 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें से नौ पर जीत हासिल की है।

भाजपा ने 14 जिलों में किया क्लीन स्वीप : ब्लाक प्रमुख के चुनाव में भाजपा ने पूरी रणनीति के साथ काम किया। पार्टी का दावा है कि चौदह जिलों में भाजपा ने विपक्ष को क्लीन स्वीप किया है। वहां सभी ब्लाक प्रमुख भाजपा व उसके सहयोगी दल के जीते हैं। इन जिलों में आगरा, गाजियाबाद, बदायूं, शाहजहांपुर, श्रावस्ती, गौतमबुद्धनगर, पीलीभीत, कन्नौज, बांदा, महोबा, ललितपुर, सोनभद्र, वाराणसी और लखनऊ शामिल हैं।



जीत की खुशी... : पंचायत चुनाव में शानदार जीत मिलने पर लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मिठाई खिलाते प्रदेश संगठन मंत्री सुनील बंसल। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह (बाएं) भी मौजूद थे। रंगनाथ तिवारी

> उत्तर प्रदेश में ब्लाक प्रमुखों के चुनाव में भी भाजपा ने अपना परचम लहराया है। योगी सरकार की नीतियों और जनहित की योजनाओं से जनता को जो लाभ मिला है, वह पार्टी की भारी जीत में परिलक्षित हुआ है। इस विजय के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।
>
> –नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

> उत्तर प्रदेश ब्लाक प्रमुख चुनाव में भाजपा को मिली यह भव्य जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में योगी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का प्रतिफल है। इस विजय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व पार्टी के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को बधाई।
>
> –अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

ब्लाक प्रमुख पद के लिए मतदान के दूसरे दिन भी कई जगहों पर बवाल, तनाव

जागरण टीम, लखनऊ

उप्र में ब्लाक प्रमुख (क्षेत्र पंचायत प्रमुख) पद के लिए मतदान के दूसरे दिन शनिवार को भी सूबे में कई जगहों पर बवाल हुआ। फायरिंग, पथराव, हंगामा और नोकझोंक के बीच मतदान संपन्न हुआ। स्थिति काबू करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। आंसू गैस का भी इस्तेमाल हुआ। प्रयागराज में शनिवार को मतदान के दौरान आसपुर देवसरा ब्लाक में सपाइयों ने पथराव किया तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागने के साथ हवा में गोली चलाई। चंदौली सदर ब्लाक में भाजपाइयों ने सपाइयों को पीट दिया, जिसमें आधा दर्जन कार्यकर्ताओं को हल्की चोटें भी आईं। सोनभद्र के नगवां ब्लाक शनिवार शाम तीन बजे सपा प्रत्याशी समर्थक सत्ता पक्ष के उम्मीदवार को जिताने का आरोप लगाते हुए उग्र हो गया। एक पक्ष ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया। पुलिस को कई राउंड फायरिंग करनी पड़ी। पथराव में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। बलिया के सोहांव व बेलहरी ब्लाक पर भाजपा व सपा कार्यकर्ताओं के बीच जमकर नोकझोंक और हाथापाई हुई।

भाजपा से गठबंधन टूटेगा या रहेगा, यह चुनाव के वक्त तय होगा : चिराग

राज्य ब्यूरो, पटना : दिल्ली हाई कोर्ट में शुक्रवार को लोक जनशक्ति पार्टी के संसदीय दल के नेता के तौर पर पशुपति कुमार पारस को मान्यता देने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज हो जाने के बाद चिराग पासवान आशीर्वाद यात्रा बीच में छोड़ कर शनिवार को दिल्ली चले गए। पशुपति कुमार पारस को पार्टी के संसदीय दल का नेता बनाए जाने पर पुनर्विचार के लिए चिराग पार्टी के विधि प्रकोष्ठ के साथ बैठक करेंगे और फिर लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। पटना हवाई अड्डा पर पत्रकारों के सवाल पर चिराग ने कहा कि मेरी प्राथमिकता पार्टी को बनाए रखकर आगे बढ़ाना है। आशीर्वाद यात्रा पूरे बिहार में होगी। भाजपा या राजग से गठबंधन रहेगा या टूटेगा, इसका फैसला चुनाव के वक्त होगा।

दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका खारिज होने के बारे में उन्होंने कहा कि लड़ाई लंबी है। मैं कानून का जानकार नहीं हूं। न्यायालय ने यह भी कहा है कि मामला चुनाव आयोग के पास विचाराधीन है, इसलिए पहले आपको चुनाव आयोग जाना चाहिए। हमारी लीगल टीम तय करेगी कि आगे क्या करना है। एक अन्य सवाल पर चिराग ने कहा कि परिवार को चाचा ने तोड़ा है। मैं उसे जोड़ने की कोशिश में हूं। इसी वजह से बड़ी मां, बहन से मुलाकात हुई। परिवार टूटा है। भावनाएं भरी हुई हैं। इनसे मिलने से ताकत मिल रही है। लोजपा के प्रधान महासचिव संजय पासवान ने बताया कि चिराग 16 जुलाई से कटिहार से आशीर्वाद यात्रा दोबारा आरंभ करेंगे।

बहुविवाह करने वालों पर सख्ती

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

आयोग ने बहुविवाह का भी ध्यान रखा है। धार्मिक या पर्सनल ला के तहत एक से अधिक विवाह करने वाले दंपती भी कानून के दायरे में होंगे। एक से अधिक विवाह करने वाले व्यक्ति के सभी पत्नियों से यदि दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे सुविधाओं का लाभ नहीं मिलेगा। हालांकि, हर पत्नी उसके दो बच्चे होने पर सुविधाओं का लाभ ले सकेगी। ऐसे ही किसी महिला के एक से अधिक विवाह करने पर उसके अलग-अलग पतियों से दो से अधिक बच्चे होने पर उसे भी सुविधाओं से वंचित होना होगा।

शपथपत्र का उल्लंघन पड़ेगा भारी

सभी सरकारी अधिकारियों व कर्मियों से सीमित परिवार का शपथपत्र लेने तथा नियम तोड़ने पर उनकी पदोन्नति रोके जाने व सेवा से बर्खास्त किए जाने तक की सिफारिश की गई है। मातृत्व व पितृत्व के लिए पूरे वेतन व भत्तों के साथ 12 माह का अवकाश प्रदान किए जाने की भी सिफारिश है।

ये भी होगा

- यदि दूसरी प्रेग्नेंसी में किसी के दो या उससे अधिक बच्चे होते हैं, तो उन्हें एक ही माना जाएगा।
- पहला, दूसरा या दोनों ही बच्चे नि:शक्त हैं तो वह तीसरी संतान पर सुविधाओं से वंचित नहीं होगा।
- यदि दो बच्चों में से एक बच्चा किसी नि:संतान दंपती को विधि पूर्वक गोद दे दिया जाता है तो तीसरे बच्चे की छूट होगी।
- किसी बच्चे की असमय मृत्यु पर तीसरा बच्चा कानून के दायरे से होगा बाहर।
- महिला व पुरुष नसबंदी के असफल होने पर अनचाहे गर्भ में छूट मिलेगी।
- नसबंदी आपरेशन के विफल होने से हुआ तीसरा बच्चा कानून के दायरे से बाहर होगा।
- नसबंदी आपरेशन की विफलता साबित होने पर देना होगा 50 हजार रुपये मुआवजा।

शीशराम ओला पर भाजपा प्रवक्ता की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस आक्रामक

जागरण संवाददाता, जयपुर

▸ गौरव भाटिया ने टीवी चैनल पर बहस के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री पर की थी टिप्पणी

▸ अशोक गहलोत और रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा– माफी मांगें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे शीशराम ओला के बारे में एक टीवी चैनल पर बहस और ट्विटर पर भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया द्वारा की गई टिप्पणी की कांग्रेस ने आलोचना की है। कांग्रेस ने भाजपा को किसान विरोधी करार दिया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा है इसके लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा माफी मांगें। इस मुद्दे पर कांग्रेस जहां आक्रामक मुद्रा में है, वहीं भाजपा के किसी भी नेता का अब तक बयान नहीं आया है ।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि ओला ने 60 साल से अधिक समय तक सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में रहकर किसानों के हित की रक्षा की थी। वह केंद्र एवं राज्य सरकारों में कई बार मंत्री रहे । साल, 1968 में उन्हें समाज सेवा के लिए पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया था। भाजपा प्रवक्ता द्वारा ओला पर की गई टिप्पणियों की मैं निंदा करता हूं। इससे प्रदेश की जनता में भारी आक्रोश है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को अविलंब राजस्थान की जनता से माफी मांगनी चाहिए । उधर, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा कि ओला देश के किसानों के कद्दावर नेता थे, मरणोपरांत उनके प्रति ऐसी भाषा का प्रयोग किसानों व राजस्थान के प्रति भाजपाई दुर्भावना को दिखाता है।

बता दें कि भाटिया ने कहा था कि जून, 2013 में कांग्रेस के मंत्रिमंडल विस्तार में 85 साल की उम्र के ओला को शामिल किया गया था। 'जिनका हिल गया था पुर्जा, उनमें मनमोहन सिंह जी ढूंढ रहे थे ऊर्जा'। लेकिन, हमारे लिए जनता का हित सर्वोपरि है और उसी को ध्यान में रखकर मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है।

बंगाल में सीएए लागू करने में सहयोग करें मुख्यमंत्री : दिलीप

राज्य ब्यूरो, कोलकाता



ममता सरकार पर मतुआ समुदाय के लिए कुछ नहीं करने का आरोप

बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने सूबे में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सहयोग करने का अनुरोध किया है। घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री अगर चाहेंगी तो बंगाल में सीएए जल्द लागू हो जाएगा, वरना लाकडाउन खत्म होने के बाद ही केंद्र सरकार इसे लागू कर पाएगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शुरू से ही सीएए के खिलाफ रही हैं। वह कह चुकी हैं कि बंगाल में सीएए लागू होने नहीं देंगी, इसके बावजूद दिलीप घोष ने शुक्रवार को उनसे सहयोग करने की अपील की। घोष ने कहा कि राज्य में वंचित मतुआ संप्रदाय के प्रतिनिधि शांतनु ठाकुर को केंद्र में मंत्री बनाया गया है। यह बड़ी बात है। हम मतुआ संप्रदाय का सम्मान करते हैं और उन्हें उस मुकाम पर पहुंचाने की कोशिश भी करते हैं, जिसके वे हकदार हैं। शांतनु ठाकुर केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। जाहिर है कि वह अब केंद्र से राज्य में मतुआ संप्रदाय की नागरिकता के लिए सीएए लागू करवाने का प्रयास करेंगे।

घोष ने सवाल किया कि मतुआ संप्रदाय के लिए राज्य सरकार ने किया ही क्या है? जरूरी है कि उनकी नागरिकता के लिए सीएए लागू हो। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव के पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ठाकुरनगर में सभा की थी और मतुआ संप्रदाय को नागरिकता के लिए आश्वस्त किया था। उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद ही यहां सीएए लागू होगा।

ममता-पीके के बीच तीन घंटे मंथन, संगठन में फेरबदल की तैयारी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस में अगले सप्ताह जिला स्तर पर संगठनात्मक फेरबदल हो सकता है। पार्टी के रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर उनके साथ करीब तीन घंटे तक बैठक की। सूत्रों के मुताबिक 2024 के लोकसभा चुनाव तथा 2026 के विधानसभा चुनाव के प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रशांत किशोर को दी गई है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पिछले महीने ही एक व्यक्ति, एक पद के नियम की घोषणा कर चुकी हैं। किसी भी मंत्री को जिलाध्यक्ष या पार्टी के किसी अन्य संगठनात्मक पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा। तृणमूल के महासचिव पार्थ चटर्जी ने कहा कि यह नियम जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक प्रभावी रहेगा। ममता को कम से कम चार जिलों के जिलाध्यक्ष बदलने पड़ेंगे।

बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिल्ली तलब, नड्डा संग आज चर्चा संभव

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: केंद्रीय नेतृत्व ने बंगाल के भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष को दिल्ली तलब किया है। रविवार को दिलीप घोष के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत अन्य केंद्रीय नेताओं की बैठक होने की संभावना है।

दरअसल विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद से राज्यभर में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले लगातार हो रहे हैं। कई भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक भय के कारण तृणमूल में शामिल हो रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि उन्हें कैसे रोका जाए और कार्यकर्ताओं, समर्थकों को कैसे उत्साहित किया जाए, इस मुद्दे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा चर्चा कर सकते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि सौमित्र खां, बाबुल सुप्रियो और तथागत रॉय जैसे नेता बीच-बीच में पार्टी नेताओं के खिलाफ ही मुखर हो रहे हैं। उनकी नाराजगी दूर करने पर भी नड्डा चर्चा कर सकते हैं।

पति मनरेगा मजदूर, पत्नी बनीं ब्लाक प्रमुख

सफलता

जीविका के लिए खेती व मजदूरी पर निर्भर गीता पहली बार बनीं बीडीसी सदस्य, इंटर तक शिक्षित हैं, अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट से ब्लाक प्रमुख निर्वाचित

मुकेश पांडेय, बहराइच

लोकतंत्र की यह खूबसूरती ही है कि पति मनरेगा मजदूर है, लेकिन पत्नी को क्षेत्र पंचायत प्रमुख का ताज मिल गया है। धनबल एवं बाहुबल के दौर में भी बहराइच के पयागपुर ब्लाक के क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने जिस गीतादेवी के पक्ष में जनादेश दिया है, वह पहली बार बीडीसी सदस्य निर्वाचित हुई हैं। उनका सपना क्षेत्र के अत्यंत पिछड़े इलाके में सड़कों का जाल बिछाकर लोगों के लिए विकास के रास्ते सुगम बनाना है।

बेलवा पदुम गांव निवासी गीता देवी के पति पवन कुमार मनरेगा जाबकार्ड धारक हैं। अनुसूचित जाति के पवन कुमार मजदूरी व थोड़ी सी खेती पर गुजर-बसर करते हैं। उसका घर कुछ पक्का तो कुछ फूस और टिन शेड का है। ऐसे में उनके लिए ब्लाक प्रमुख की कुर्सी का सपना देखना भी मुश्किल था, लेकिन भाग्य को कुछ और ही मंजूर था। त्रिस्तरीय आरक्षण व्यवस्था के चलते बेलवा पदुम कमाल सतरही सीट अनुसूचित महिला के लिए आरक्षित हो गई। इंटर तक शिक्षित गीता देवी ने चुनाव लड़ने का फैसला किया। उनकी शिक्षा और विनम्रता लोगों को भी रास आई और वह निर्विरोध बीडीसी सदस्य चुन ली गईं।



उत्तर प्रदेश के बहराइच में निर्विरोध नवनिर्वाचित पयागपुर ब्लाक प्रमुख गीता देवी। जागरण

संयोग से ब्लाक प्रमुख की कुर्सी भी अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई। ऐसे में भाजपा ने अनुसूचित वर्ग की शिक्षित एवं पार्टी के प्रति निष्ठावान महिला कार्यकर्ता की तलाश शुरू की तो जिला पंचायत सदस्य सम्मय प्रसाद मिश्र ने 40 वर्षीय गीता देवी का नाम आगे बढ़ाया। भाजपा जिलाध्यक्ष सहित प्रदेश नेतृत्व को भी उनका नाम पसंद आ गया और पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार घोषित कर दिया।

यहां एक और उम्मीदवार कुसुमादेवी मैदान में थीं, लेकिन उन्हें मैदान से हटाकर निर्विरोध प्रमुख बनाने में सम्मय प्रसाद के साथ ही क्षेत्रीय विधायक सुभाष त्रिपाठी एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य अरुणवीर सिंह ने अहम भूमिका निभाई। अब प्रमुख निर्वाचित गीतादेवी भाजपा के सिद्धांत सबका साथ सबका विकास के नारे को साकार करने के लिए खुद को संकल्पबद्ध बताती हैं। सहयोग के लिए भाजपा नेताओं का आभार जताने के साथ ही गांव में नाली-खड़ंजा और स्कूल को प्राथमिकता देने की बात कहती हैं।

विधानसभा की किसी भी समिति का अध्यक्ष पद नहीं लेगी भाजपा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

▸ मुकुल रॉय को लोक लेखा समिति अध्यक्ष बनाए जाने पर बढ़ा टकराव

▸ राज्यपाल से शिकायत करेगा भाजपा प्रतिनिधिमंडल

मुकुल रॉय को बंगाल विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएससी) का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद प्रदेश भाजपा अब तृणमूल सरकार के साथ सीधे टकराव के मूड में है। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि अब भाजपा के प्रतिनिधि विधानसभा की किसी भी समिति के अध्यक्ष का पद नहीं लेंगे। दूसरी ओर मुकुल को पीएसी अध्यक्ष बनाए जाने के खिलाफ 13 जुलाई को भाजपा का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मिलकर शिकायत दर्ज कराएगा।

संसदीय प्रथा तोड़ी गई: नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि विपक्षी विधायक को संसदीय मानदंडों के अनुसार पीएससी का अध्यक्ष होना चाहिए, लेकिन बंगाल में देश की संसदीय प्रणाली की प्रथा को तोड़ा गया है। बता दें, फिलहाल बंगाल विधानसभा में 75 विधायक भाजपा के हैं। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष के सदस्यों को नौ से दस समितियों के अध्यक्ष पद पर रखा जा सकता है। हालांकि पहले विपक्ष ने पंद्रह समितियों की अध्यक्षता की मांग की थी। गौरतलब है कि विधानसभा में 41 समितियां हैं, जिनमें 26 स्थायी और 15 सदन समितियां हैं।

स्पीकर के फैसले का करेगी विरोध: मुकुल रॉय को पीएसी अध्यक्ष बनाए जाने के विरोध में भाजपा अब राज्यपाल से गुहार लगाएगी। इस कड़ी में स्पीकर के फैसले के विरोध में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल जगदीप धनखड़ से शिकायत करने जा रहा है।

11 जगह सर्वे का काम शुरू होगा लद्दाख में ग्रामीणों को सशक्त बनाने की प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना लागू करने के लिए। यह लेह और कारगिल पर केंद्रित होगी।

जम्मू-कश्मीर से उठी आवाज, लागू हो समान नागरिक संहिता

राज्य ब्यूरो, जम्मू

समान नागरिक संहिता पर दिल्ली हाई कोर्ट की टिप्पणी के बाद जम्मू एवं कश्मीर में भी इसे लागू करने को लेकर आवाज उठने लगी है। अधिकतर बुद्धिजीवियों का मानना है कि समान नागरिक संहिता लागू होने से भारत सही मायनों में धर्मनिरपेक्ष बनेगा और सभी को एक जैसे अधिकार हासिल होंगे।

उनका मानना है कि अभी तक समान नागरिक संहिता लागू नहीं करने के पीछे सरकारों का मकसद चंद लोगों को खुश करना रहा है। इसके पीछे कोई भी कानूनी रोक नहीं है। जम्मू कश्मीर में भी इसे लागू किया जाना चाहिए। जम्मू-कश्मीर का एक बड़ा वर्ग इसके पक्ष में है।

अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए अलग कानून सही नहीं : जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक विश्लेषक एवं जम्मू विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरि ओम ने कहा कि जब भारत का संविधान लागू हुआ था, उसी समय समान नागरिक संहिता को लागू किया जाना चाहिए था। वोट बैंक की राजनीति के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया। ऐसा कैसे संभव है कि एक ही देश में अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए अलग-अलग कानून हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी करीब 12 वर्ष पूर्व सरकार से समान नागरिक संहिता को लेकर कुछ करने को कहा था, लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया। दिल्ली हाई कोर्ट की टिप्पणी के बाद सरकार को इस पर जल्द कदम उठाने चाहिए।

- सभी धर्मों के लोगों के लिए एक तरह का कानून जरूरी
- लोगों को विश्वास में लेकर कुछ भी लागू करना मुश्किल नहीं

भारतीय दंड संहिता एक तो अचार संहिता क्यों नहीं

जम्मू के वरिष्ठ एडवोकेट अंकुर शर्मा ने कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करना जरूरी है। अगर देश में भारतीय दंड संहिता एक है तो समान नागरिक संहिता क्यों नहीं हो सकती। सभी धर्मों के लोगों के लिए एक जैसा कानून होना चाहिए।

लोगों को विश्वास में लेकर करें लागू

गांधी ग्लोबल फैमिली जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पद्मश्री एसपी वर्मा ने कहा कि किसी पर भी कोई चीज थोपी नहीं जानी चाहिए। अगर लोगों को विश्वास में लिया जाए और उनकी भावनाओं की कद्र की जाए तो किसी भी चीज को लागू किया जा सकता है।

समान नागरिक संहिता में कोई भी बुराई नहीं

साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता और अदबी मरकज कामराज के पैट्रन डा. अजीज हाजिनी ने कहा कि अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना समान नागरिक संहिता को लागू किया जाता है तो इसमें कोई एतराज करने की जरूरत नहीं है। एक देश में सभी के लिए एक जैसा कानून ही होना चाहिए। समान नागरिक संहिता में कोई भी बुराई नहीं है। इसके लिए सभी को विश्वास में लिया जाना चाहिए और सभी वर्गों और दलों से बात होना चाहिए।

सशक्त होंगी मुस्लिम महिलाएं : फिरोजबख्त

जासं, नई दिल्ली : मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति फिरोज बख्त अहमद ने समान नागरिक संहिता की वकालत की है। फिरोज बख्त देश के पहले शिक्षामंत्री अबुल कलाम आजाद के पौत्र हैं और मुस्लिम समाज में सुधारवादी आंदोलन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश में धार्मिक सद्भाव को प्रगाढ़ करने के लिए समान नागरिक संहिता जरूरी है। इससे खासकर मुस्लिम महिलाओं का सशक्तीकरण होगा। देश में समान कानून लागू होने से उन्हें भी बराबरी का हक मिलेगा। उन्हें शादी, तलाक और संपत्ति मामले में तब दूसरे समुदाय की महिलाओं की तरह समान अधिकार मिल सकेंगे।

श्रीहरिकोटा से जीसैट-1 उपग्रह का प्रक्षेपण 12 अगस्त को

बेंगलुरु, प्रेट्र : अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से एक बार फिर प्रक्षेपण संबंधी गतिविधियां तेज करने जा रहा है। इसी क्रम में 12 अगस्त को जीएसएलवी-एफ10 राकेट के जरिये जियो इमैजिंग उपग्रह जीसैट-1 को उसके कक्ष में भेजा जाएगा। कोविड-19 प्रभावित वर्ष 2021 में अंतरिक्ष एजेंसी का यह दूसरा प्रक्षेपण होगा। इससे पहले 28 फरवरी को पीएसएलवी-सी51 मिशन के तहत ब्राजील के भू अवलोकन उपग्रह एमेजानिया-1 व 18 अन्य उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया था। इनमें कुछ उपग्रह छात्रों द्वारा निर्मित थे।

2,268 किलोग्राम वजन वाले जीसैट-1 का प्रक्षेपण मूलरूप से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले से पांच मार्च को होने वाला था, लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से प्रक्षेपण से ठीक एक दिन पहले इसे निलंबित कर दिया गया था। 28 मार्च को भी मामूली तकनीकी दिक्कत के कारण इसका प्रक्षेपण रोकना पड़ा। देश के कई हिस्सों में लागू लाकडाउन के कारण अप्रैल व मई में भी प्रक्षेपण नहीं हो सका। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया, 'हमने 12 अगस्त को सुबह 5:43 बजे जीएसएलवी-एफ 10 के प्रक्षेपण की योजना बनाई है।



प्रक्षेपण की तैयारी में इसरो। फाइल फोटो

केरल में बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या में माकपा नेता कठघरे में

जेएनएन, नई दिल्ली : केरल में दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी माकपा की युवा शाखा का एक नेता छह साल की बच्ची के साथ तीन साल तक दुष्कर्म करता रहा। बीते 30 जून को भी उसने बच्ची के साथ फिर दुष्कर्म किया और उसके बेहोश होने पर उसकी हत्या कर दी। बाद में बच्ची का शव उसके माता-पिता के घर में ही फंदे से लटका पाया गया।

केरल पुलिस ने दिखाने के लिए तो आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन पुलिस के साथ ही वामपंथी सरकार आरोपित को बचाने में जुट गई है। कठुआ और हाथरस कांड पर गला फाड़कर चिल्लाने और बच्चों के अधिकारों की बाते करने वाले इस कांड पर चुप हैं। वामपंथी विचारों वाली मीडिया चुप है। अवार्ड वापसी गैंग भी खामोश हैं। इडुक्की जिले में इस वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम देने वाले माकपा नेता के खिलाफ देश भर में धरना प्रदर्शन तो दूर की बात है विरोध की एक आवाज नहीं सुनाई दे रही है। ऐसा नहीं है कि माकपा के किसी कैडर ने इस तरह का कोई पहला अपराध किया हो। राज्य के पलक्कड़ जिले के वलायर में दो छोटी बहनों के साथ भी वर्षों तक दुष्कर्म होता रहा और बाद में इन दोनों को भी संदिग्ध हालात में फांसी पर लटका कर मार डाला गया।

24 घंटे में दिल्ली समेत उत्तर भारत में छा जाएगा मानसून

अनुमान ▸ मौसम विभाग का दावा, पूर्वी हवाओं से बनीं अनुकूल स्थितियां

मानसून में देरी से हताश किसानों के लिए अच्छी खबर, गर्मी से भी लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्वी हवाएं चलने से दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हो गई हैं। अगले 24 घंटे में इसके दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में छा जाने की संभावना है।

मौसम विभाग ने शनिवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी से निम्न स्तरीय पूर्वी हवाएं उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ी हैं जो दिल्ली, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान पहुंच रही हैं। इस क्षेत्र में निम्न स्तर की सापेक्ष आर्द्रता भी बढ़ गई है। विभाग के मुताबिक, बाद के 48 घंटों में मानसून के देश के शेष हिस्सों में भी पहुंच जाने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।

'एएनआइ' के मुताबिक, रविवार के लिए केरल के मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड, कन्नूर व कासरगौड़ जिलों के लिए आरेंज अलर्ट (कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश) और पथानमथिट्टा, अलपुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर व पलक्कड़ के लिए यलो अलर्ट (कहीं-कहीं भारी बारिश) जारी किया गया है। सोमवार के लिए कन्नूर व कासरगौड़ जिलों के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 'आइएएनएस' के मुताबिक, विभाग ने शनिवार के साथ-साथ रविवार के लिए भी तटीय कर्नाटक के लिए रेड अलर्ट (बहुत भारी बारिश), चार जिलों में आरेंज अलर्ट और 12 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।



हर किसी को मानसून का इंतजार। फाइल फोटो

जम्मू में बारिश-कश्मीर में तेज धूप, एकतरफा खुला हाईवे

जागरण टीम, ऊधमपुर : जम्मू-कश्मीर में शनिवार को मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिले। जम्मू में बारिश से जहां लोगों को राहत मिली, वहीं कश्मीर में झुलसा देने वाली गर्मी से लोग बेहाल रहे। यही कारण रहा कि जम्मू से कश्मीर अधिक गर्म रहा। श्रीनगर का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री जबकि जम्मू का पारा 31.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

इस बीच, जम्मू संभाग के रामबन जिले के मगरकोट इलाके में शुक्रवार रात करीब 10 बजे भारी भूस्खलन की वजह से बंद हुआ जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग करीब 16 घंटे बाद आंशिक रूप से खोला गया। इस दौरान नाशरी टनल से जवाहर टनल के बीच फंसे सैकड़ों वाहनों को एक-एक कर निकाला गया। इसके बाद हाईवे को बंद रखकर दोतरफा वाहन निकलने का मार्ग बनाने का काम जारी रहा।

अनंतनाग में लश्कर कमांडर सहित तीन आतंकी ढेर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर को आतंक मुक्त करने के लिए आतंकियों का सफाया जारी है। शनिवार को सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के दुर्दांत जिला कमांडर आरिफ हज्जाम सहित तीन आतंकियों को मार गिराया। तलाशी अभियान के दौरान मौके से हथियार और अन्य सामान बरामद हुए हैं।

पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि दोपहर बाद तीन आतंकियों के कावरीगाम, (अनंतनाग) में छिपे होने की जानकारी मिली थी। उसी समय सेना और सीआरपीएफ जवानों के साथ तलाशी अभियान चलाया गया। शाम चार बजे जवानों को देख आतंकी घेराबंदी तोड़ भागने लगे और गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने जवाबी कार्रवाई कर आतंकियों को मुठभेड़ में उलझा लिया। कई बार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया लेकिन आतंकी गोलीबारी करते रहे। सवा घंटे तक चली गोलीबारी के बाद जवानों ने तलाशी ली तो वहां तीन आतंकियों के शव मिले। पूरे अभियान में नागरिकों को किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है और सुरक्षा बलों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

मारे गए आतंकियों में लश्कर का दुर्दांत जिला कमांडर आरिफ हज्जाम भी शामिल है। वह छह जून 2019 को सेना की 162 टीए बटालियन के हवालदार मंजूर बेग की हत्या में शामिल था। बेग को आतंकियों ने उस समय शहीद किया था,जब वह अवकाश पर अपने घर आया था। गौरतलब है कि पिछले चार दिन में सुरक्षाबलों ने जम्मू कश्मीर में 11 आतंकियों को मार गिराया है।

दो ग्रेनेड के साथ पकड़ी गई महिला ओवरग्राउंड वर्कर

सुरक्षा बलों ने शनिवार को उत्तरी कश्मीर के करीरी बारामुला में लश्कर-ए-तैयबा की एक महिला ओवरग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास 47 हजार रुपये नकद और दो हथगोले बरामद हुए हैं। उससे पूछताछ जारी है। पकड़ी गई महिला ओवरग्राउंड वर्कर जिला बांडीपोरा के हाजिन की रहने वाली है। हाजिन को लश्कर का सबसे मजबूत किला माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि विशेष सूचना पर सेना की 52 आरआर और पुलिस ने मिलकर करीरी बारामुला में आतंकियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान चलाया। पुलिस को खबर मिली थी कि करीरी में लश्कर के आतंकी किसी जगह विशेष पर जमा हुए हैं। जवानों ने करीरी के बंगडारा इलाके में एक महिला को संदिग्ध अवस्था में पाया। पूछताछ करने पर महिला कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई।

असम में पुलिस एनकाउंटर में एक की मौत, दो घायल

गुवाहाटी, प्रेट्र : हिमंता बिस्व सरमा की सरकार में पुलिस मुठभेड़ की घटनाएं बढ़ने को लेकर विपक्ष की आलोचना के बावजूद इसका सिलसिला जारी है। राज्य में शनिवार को पुलिस एनकाउंटर की अलग-अलग घटनाओं में हत्या का एक और आरोपित मारा गया और गांजा के दो तस्कर घायल हो गए। इन घटनाओं को मिलाकर भाजपा के दूसरी बार सत्ता में आने के बाद से अब तक पुलिस एनकाउंटर में कम-से-कम 13 संदिग्ध विद्रोही और अपराधी मारे जा चुके हैं। इसके अलावा दर्जनों दुष्कर्म आरोपित और पशु तस्कर घायल हो चुके हैं। मुठभेड़ की ताजा घटनाएं चिरांग और कोकराझार जिलों में हुई है।

चिरांग जिले में एक होमगार्ड की हत्या का आरोपित पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान मारा गया। चिरांग जिला पुलिस ने ट्वीट किया, चिरांग पुलिस ने होमगार्ड इयाद अली की नृशंस हत्या के मामले का 24 घंटे के अंदर पता लगा लिया था। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद कर लिए गए। पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान आरोपित अब्दुल खालिक को गोलियां लगीं और बाद में उसकी मौत हो गई। एक अन्य घटना में कोकराझार जिला पुलिस ने 840 किलोग्राम गांजा की तस्करी कर रहे ट्रक को असम-बंगाल अंतरराज्यीय सीमा के पास श्रीरामपुर में रोका।

अन्नपूर्णा मंदिर के महंत रामेश्वर पुरी ब्रह्मलीन

जागरण संवाददाता, वाराणसी : अन्नपूर्णा मठ-मंदिर के महंत रामेश्वर पुरी शनिवार दोपहर बाद 3.57 बजे ब्रह्मलीन हो गए। वाराणसी के महमूरगंज स्थित निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी आयु 67 वर्ष थी। गंभीर हाल में उन्हें 11 जून को लखनऊ के मेदांता हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत में सुधार न देख डाक्टरों ने शुक्रवार को वापस काशी ले जाने की सलाह दी। इसके बाद देर रात एंबुलेंस से महंत रामेश्वर पुरी को बनारस लाया गया था। उपमहंत शंकर पुरी के अनुसार रविवार सुबह दत्तात्रेय घाट के सामने उन्हें गंगा में जल समाधि दी जाएगी। 16वें दिन होगी नए महंत की ताजपोशी होगी।

जनमत मुद्दा

क्या समाज को प्रभावित करने वाली कुरीतियों को किसी समुदाय का आंतरिक मामला माना जा सकता है?

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं।

राजकीय सम्मान के साथ वीरभद्र सिंह को दी गई अंतिम विदाई



दयार की लकड़ी से नक्काशी कर बनाई गई बामण में निकाली गई वीरभद्र सिंह की अंतिम यात्रा। जागरण

जासं, रामपुर बुशहर

छह बार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह का शानिवार को राजकीय सम्मान के साथ रामपुर के शाही मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र विक्रमादित्य सिंह ने चिता को मुखाग्नि दी। प्रदेश सहित दूसरे राज्यों से पहुंचे हजारों लोगों ने 'राजा नहीं फकीर था, हिमाचल की तकदीर था, वीरभद्र सिंह अमर रहे' जैसे नारे लगाते हुए नम आंखों से उनको अंतिम विदाई दी। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के कई नेता भी मौजूद रहे।

पहले रामपुर राजमहल में परंपरा अनुसार विक्रमादित्य सिंह (वीरभद्र सिंह के बेटे) का राजतिलक करने की रस्म निभाई गई। दोपहर बाद तीन बजे राजमहल से वीरभद्र सिंह की अंतिम यात्रा मोक्षधाम के लिए निकली। राजमहल से करीब आधा किलोमीटर दूर मोक्षधाम तक पहुंचने में आधा घंटा लगा। यहां पर पहले से ही सैकड़ों लोग मौजूद थे। रामपुर के शिंगला और सनेरी गांव से आए 30 पंडितों ने अंतिम संस्कार की प्रक्रिया संपन्न करवाई।

घर में घुसकर युवती समेत तीन को मारी गोली, फिर दी जान

नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश में बैतूल जिले के आमला कस्बे में रहने वाले सराफा व्यापारी के घर में घुसकर एक हमलावर ने दो युवकों और एक युवती को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उसने खुद की कनपटी पर भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

शनिवार दोपहर करीब दो बजे सराफा व्यापारी सुभाष सोनी के घर में घुसकर आरोपित भानू तोमर ने उसके पुत्र लोकेश सोनी, भांजी बरखा सोनी और पड़ोस में रहने वाले लकी पाल की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पड़ोस के लोगों ने लकी को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि भानू के खिलाफ सोनी परिवार ने कुछ दिन पहले छेड़छाड़ को लेकर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। संभवतः इसी रंजिश के कारण भानू ने वारदात की।

हत्या से पहले जारी किया वीडियो : तीन लोगों की हत्या को अंजाम देने से पहले आरोपित भानू ने स्वयं का एक वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर जारी किया है, जिसमें वह कह रहा है कि उक्त वारदात को अंजाम देने के लिए सिर्फ वही जिम्मेदार है।

राजनीति में आने को बेचैन कई किसान संगठन

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- गुरनाम सिंह चढूनी कर रहे विस चुनाव में उतरने की वकालत
- भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) ने कहा-चुनावी लड़ाई में नहीं उतरेंगे

तीन कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ सात माह से आंदोलन कर रहे कई किसान संगठनों की चुनावी राजनीति में उतरने की इच्छा बलवती होती जा रही है। कुछ नेताओं ने दबी जुबान तो कुछ ने खुलकर इसकी वकालत भी की है, लेकिन कई किसान संगठन चुनावी राजनीति से दूर रह कर आंदोलन करना चाहते हैं।

मालूम हो कि अगले साल उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे देखते हुए कुछ किसान नेताओं की सियासी इच्छाएं बढ़ गई हैं। हरियाणा के किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी हर मंच से किसानों से चुनाव मैदान में कूदने की अपील कर रहे हैं, लेकिन पंजाब में किसानों की सबसे बड़ी यूनियन भाकियू (उगराहां) इसके पक्ष में नहीं है। एक अन्य किसान यूनियन भाकियू (राजेवाल) के अध्यक्ष बलबीर सिंह राजेवाल के आम आदमी पार्टी में जाने की चर्चा है, लेकिन उन्होंने इसे भारतीय जनता पार्टी की ओर से फैलाया जा रहा भ्रम बताया और कहा कि वह संयुक्त मोर्चा में रहकर तीन कृषि कानूनों को रद कराने की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

गौरतलब है कि पिछले सात महीनों से दिल्ली की सीमा पर बैठे 40 से ज्यादा किसान संगठनों में इस बात को लेकर चर्चा चल रही है कि क्या उन्हें चुनावी राजनीति में उतरना चाहिए? हरियाणा में चुनाव लड़ चुके चढूनी जैसे नेताओं का कहना है कि तीन कृषि कानून राजनीतिक ताकत से बनाए गए हैं और उन्हें रद भी राजनीतिक शक्ति के जरिये ही किया जा सकता है। कृषि नीतियों के विशेषज्ञ दविंदर शर्मा भी इसके पक्षधर हैं। उन्होंने पिछले दिनों अपने एक लेख में इस बात पर जोर दिया था कि अब वक्त आ गया है कि किसान राजनीति में उतरें और किसानों के पक्ष वाली नीतियों को लागू करने में अपनी भूमिका निभाएं।

दरअसल, पंजाब के ज्यादातर किसान संगठन पहले से ही किसी न किसी पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं। भाकियू (लक्खोवाल) शिरोमणि अकाली दल के साथ, वामपंथी किसान संगठन भाकपा व माकपा आदि के साथ जुड़े हैं। भाकियू (उगराहां), राजेवाल, कादियां आदि भी अहसमति दिख रही है। भाकियू (उगराहां) के जोगिंदर सिंह उगराहां सेना में सेवाएं दे चुके हैं। उनका कहना है कि उनकी लड़ाई तीन कृषि कानूनों को रद कराने की है। किसी को चुनाव लड़ने का शौक है तो वह किसी भी पार्टी का हिस्सा बन जाए। हमारा संगठन चुनावी लड़ाई में नहीं उतरेगा।

पंजाब भाजपा ने अनिल जोशी को छह वर्ष के लिए निकाला

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : तीन कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन को लेकर पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी करना भाजपा के पूर्व मंत्री अनिल जोशी को महंगा पड़ गया। पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। प्रदेश भाजपा महासचिव डा. सुभाष शर्मा ने शनिवार को जोशी को पार्टी से निष्कासित करने के आदेश जारी कर दिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने बताया कि अनिल जोशी केंद्र सरकार, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व और पार्टी की नीतियों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे इसलिए उनको कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब देने को कहा गया था। जिसके बाद अनुशासन कमेटी की सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए अनिल जोशी को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। इससे पहले गुरुवार रात को ही जोशी ने पार्टी को अपना जवाब भेजते हुए कहा था कि पंजाब में कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। कार्यकर्ताओं के हक में आवाज उठाना अनुशासनहीनता नहीं है।

विश्व जनसंख्या दिवस आज

आहत युवक ने शुरू किया बेटी वाले परिवारों का सम्मान

लैंगिक समानता व परिवार नियोजन की जागरूकता के लिए बनाई संस्था, पांच साल से गांव-गांव जाकर करते हैं जागरूक

विजय सिंह राठौर, ग्वालियर

एक रिश्तेदार के यहां जब दूसरी बार भी बेटी पैदा हुई, तो पूरा परिवार फूट-फूटकर रोने लगा। ऐसा लगा मानो कोई अनर्थ हो गया हो। यह देख एक युवक सिहर गया और तय कर लिया कि लोगों को जागरूक करना है। शुरआत की तो पता चला कि क्षेत्र में बेटे की चाह में लोगों ने आठ-आठ बच्चे तक पैदा कर लिए हैं। अब परिवार नियोजन व लैंगिक समानता की जागरूकता को लेकर काम जारी है। कहानी ग्वालियर के नया बाजार निवासी 32 वर्षीय अमित द्विवेदी की है। वे करीब 30 विद्यार्थियों के समूह के साथ इन दिनों जनसंख्या नियंत्रण को लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने पांच साल पहले दोस्तों के साथ मिलकर महादेव समर्पण सेवा संस्था बनाई और गांव-गांव जाकर जनजागरण अभियान शुरू किया।

अमित ने पाया कि ग्वालियर-चंबल अंचल में लैंगिक असमानता जनसंख्या वृद्धि का बड़ा कारण है। इसे ठीक करना जरूरी है। उनकी संस्था के सदस्य गांवों में जाकर महिलाओं को परिवार नियोजन के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही, ऐसे परिवारों का सम्मान करते हैं जिनके यहां बेटी का जन्म होता है। 2016 से यह काम चल रहा है। शुरआत में शहर के अस्पतालों में नवजात बच्चियों व उनकी मां को सम्मानित करते थे। फिर भवन निर्माण में लगे प्रवासी मजदूरों को भी परिवार नियोजन का महत्व समझाया। अब धीरे-धीरे दायरा बढ़ा रहे हैं। टीम में एक सदस्य स्थानीय महिला होती है ताकि ग्रामीण महिलाएं बातचीत करने में झिझकें नहीं। कोचिंग चलाने वाले अमित बताते हैं कि इस काम के लिए वे अपनी आमदनी का 20 फीसद हिस्सा खर्च करते हैं। अब अन्य लोगों का भी सहयोग मिलने लगा है।

आसान नहीं है गांवों में जागरूकता की बात करना : अमित बताते हैं कि पिछले साल वे मढ़ा गांव पहुंचे, जब एक महिला से परिवार नियोजन के संदर्भ में बात शुरू की, तो वह पत्थर लेकर पीछे दौड़ पड़ी। अगले दिन महिला के पति से मिले, ग्रामीण भी साथ थे। तब उन लोगों को परिवार नियोजन का महत्व बताया गया।

सम्मान करने पहुंचे तो मालूम हुआ बच्ची आठवीं संतान : दो साल पहले अमित द्विवेदी टीम के साथ ग्वालियर के बेला गांव में एक बच्ची का जन्म होने पर सम्मानित करने पहुंचे थे। वहां पता चला की बच्ची आठवीं संतान है। इतने बच्चों की वजह पूछी तो मां ने कहा कि बच्चे काम में हाथ बटाएंगे, ईंट-भट्टे पर काम करेंगे।



अस्पताल में दूसरी बेटी को जन्म देने वाली महिला का सम्मान करती संस्था की सदस्य। सौजन्य : महादेव समर्पण सेवा

ग्वालियर की कुल फर्टिलिटी दर 2.1 फीसद है, इसे दो होना चाहिए। जनसंख्या नियंत्रण के लिए काम किया जा रहा है। परिवार नियोजन के लिए जागरूकता का काम करने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।
राजीव कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला बाल विकास, ग्वालियर

स्कैन करें और पढ़ें 'जनसंख्या विधान' से संबंधित अन्य सामग्री।

मतांतरण और निकाह के खेल में काजी के साथ कई लोग शामिल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में वकील के चैंबर में मतांतरण और निकाह के मामले में शाहदरा बार एसोसिएशन ने काजी का सामान दिल्ली बार काउंसिल के हवाले कर दिया है। काजी की एक अलमारी से कई मतांतरण प्रमाण पत्र और निकाहनामा मिले हैं, जिन पर कई लोगों के विजिटिंग कार्ड टैग हैं। माना जा रहा है कि यह कार्ड उनके हैं, जो इस काम के लिए लोगों को काजी तक लाते थे।

पटपड़गंज निवासी एक व्यक्ति की बेटी का कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में वकील के चैंबर में मतांतरण और निकाह कराया गया था। अल निकाह ट्रस्ट के काजी मुहम्मद अकबर दहलवी ने निकाह पढ़वाया था। शाहदरा बार एसोसिएशन ने उस काजी का सामान जब्त किया था। इस एसोसिएशन के सचिव मनोज चौहान ने बताया कि उन्होंने काजी का सामान प्लास्टिक के कट्टे में भर कर बार काउंसिल को भेज दिया है। काजी के सामान का वीडियो भी बनाया गया है। उसमें काफी संख्या में मतांतरण और निकाह के दस्तावेज हैं। जिन पर कई लोगों के कार्ड लगे हुए हैं। उधर दिल्ली बार काउंसिल के सचिव पीयूष गुप्ता का कहना है कि काजी का सामान उनके पास आ चुका है। वह उसे इस मामले की जांच कर रही विशेष अनुशासन समिति को देंगे।

जिसने प्यार का नाटक किया, आर्यन नहीं वो एहसान निकला

जागरण संवाददाता, बरेली : व्यापारी की बेटी उसे आर्यन गुप्ता समझती थी। फेसबुक के जरिये दोस्ती, फिर प्यार की साजिश को समझे बिना उसके पीछे घर छोड़ दिया। आरोपित जब अलीगढ़ ले गया, तब उसकी हकीकत पता चली। वह आर्यन गुप्ता नहीं, एहसान है। शनिवार को आरोपित को गिरफ्तार किया गया।

35 हजार मोबाइल नंबर के सत्यापन के बाद सामने आएगा हरिद्वार कुंभ में कोरोना जांच फर्जीवाड़े का सच। एक लाख मोबाइल नंबरों में से 65 हजार नंबरों का सत्यापन हो चुका है।

न्यूज गैलरी

कलाकारों की मदद के लिए वर्चुअल कंसर्ट

नई दिल्ली : कोरोना संकट में कलाकारों पर आए आर्थिक संकट को दूर करने के लिए संस्कार भारती द्वारा शुरू किए गए 'पीर पराई जाने रे' नाम से वर्चुअल कंसर्ट का आयोजन किया। कंसर्ट का प्रसारण संस्कार भारती के फेसबुक पेज व यूट्यूब चैनल संस्कृति पहल पर हुआ। (जासं)

बिहार : कल से दसवीं से ऊपर की कक्षाओं में पढ़ाई शुरू

पटना : बिहार में सोमवार से दसवीं से ऊपर की कक्षाओं में पठन-पाठन शुरू हो जाएगा। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार ने बताया कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति महज 50 फीसद ही होगी और शिक्षण संस्थानों को कोरोना प्रोटोकाल का पालन करना होगा। कि पहली से दसवीं कक्षा तक में पठन-पाठन के बाबत अगस्त में फैसला होगा। (राब्यू)

कोरोना से दोबारा संक्रमित होने का खतरा बहुत कम

नई दिल्ली : अगर आप कोरोना वायरस से एक बार संक्रमित हो चुके हैं तो निश्चिंत रहिए, आपके दोबारा संक्रमित होने का खतरा न के बराबर है। पुणे के डीवाई पाटिल मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के महामारी विज्ञानियों और सामुदायिक चिकित्सा विशेषज्ञों के नवीनतम अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। (जेएनएन)

उत्तराखंड सीमा से लौटाए 5100 वाहन

सख्ती ▸ बिना आरटीपीसीआर और होटल की बुकिंग के नहीं दे रहे प्रवेश

जागरण संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों पर उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। सरकार के निर्देश पर प्रदेश की सीमाओं पर चेकिंग शुरू कर दी गई है। आरटी-पीसीआर और होटल में बुकिंग के प्रमाण दिखाए बगैर किसी को मसूरी और नैनीताल समेत अन्य प्रमुख पर्यटक स्थलों में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा स्मार्ट सिटी पर पंजीकरण की भी जांच की जा रही है। दिनभर में तमाम पुलिस चेक पोस्ट से ऐसे ही करीब 5100 वाहनों को लौटाया गया। हालांकि, इसके बावजूद मसूरी और नैनीताल में खासी भीड़ रही और दिनभर जाम ने भी परेशान किया।

कोरोना कर्फ्यू में रियायत के बाद से मसूरी, नैनीताल, लैंसडौन व अन्य पर्यटक स्थलों पर बड़ी संख्या में पर्यटक उमड़ रहे हैं। यहां न तो शारीरिक दूरी का पालन किया जा रहा है और न ही पर्यटक मास्क लगाने को ही तैयार हैं। यही नहीं मीलों लंबे जाम भी चुनौती में इजाफा कर रहे हैं। शनिवार को सीमाओं पर बने चेकपोस्ट पर पुलिस ने सख्ती से चेकिंग की गई। देहरादून, हल्द्वानी, पौड़ी और हरिद्वार में प्रवेश द्वार पर बगैर अनिवार्य दस्तावेजों के उत्तराखंड आ रहे वाहनों को लौटा दिया गया।



शिमला के रिज मैदान में पर्यटकों को मास्क बांटती पुलिस। जागरण

राज्यों से पांच स्तरीय रणनीति अपनाने को कहा गया

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में राज्यों से पांच स्तरीय रणनीति अपनाने को कहा गया। इनमें जांच, संक्रमितों के संपर्क में आने वालों की पहचान, उपचार, टीकाकरण और कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करना शामिल है। **स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने पर जोर :** बैठक में ग्रामीण, उपनगरीय क्षेत्रों और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया गया। महामारी की संभावित लहर से निपटने के लिए इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को पूरी तरह से तैयार करने को कहा गया।

बैठक में कौन-कौन शामिल : केंद्रीय गृह सचिव के साथ बैठक में केंद्र और राज्य के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसमें नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वीके पाल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक बलराम भार्गव और आठ राज्यों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक शामिल हैं।

चोरी-छिपे यमुनोत्री पहुंचे सात श्रद्धालुओं पर मुकदमा

संवाद सूत्र, बड़कोट (उत्तरकाशी) : चोरी छिपे यमुनोत्री धाम पहुंचे सात श्रद्धालुओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। ये सभी स्थानीय लोग हैं। पुलिस उपाधीक्षक अनुज आर्य ने बताया कि शुक्रवार को सात लोग यमुनोत्री धाम जाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने इन्हें यात्रा के अंतिम पड़ाव जानकीचट्टी पर रोका और पूछताछ के बाद इन्हें वहां से लौटा दिया। इसके बावजूद ये लोग चोरी-छिपे वैकल्पिक मार्ग से यमुनोत्री धाम पहुंच गए। पुलिस ने इन्हें रोका और सूचना उच्चाधिकारियों को दी।

बिना मास्क होटल से निकले तो होगी कार्रवाई

जासं, मनाली : पर्यटनस्थलों में पुलिस ने कोविड नियमों के पालन के लिए सख्ती बढ़ा दी है। बिना मास्क से होटल से बाहर निकले तो पुलिस कार्रवाई कर सकती है। होटलियर्स, दुकानदारों को कोविड एसओपी का पालन करने व पर्यटकों से करवाने के आदेश दिए गए हैं। रात 10 बजे के बाद भी दुकानें खुली रखने पर चालान काटे जा रहे हैं। डीएसपी मनाली संजीव कुमार ने बताया पुलिस जवानों की संख्या बढ़ाई गई है।

तीसरी लहर को लेकर केरल ने बढ़ाई चिंता

जेएनएन, नई दिल्ली

तीसरी लहर को लेकर केरल फिर डराने लगा है। कोरोना महामारी की घातक दूसरी लहर की शुरुआत भी केरल और महाराष्ट्र से ही हुई थी। यही नहीं देश में कोरोना वायरस का पहला मामला भी पिछले साल 30 जनवरी को केरल में पाया गया था। अभी भी पूरे देश में सामने आ रहे कुल संक्रमितों में से 50 फीसद अकेले सिर्फ महाराष्ट्र और केरल से ही होते हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे में 42 हजार से ज्यादा केस पाए गए हैं, जिनमें अकेले केरल से 14 हजार से ज्यादा और महाराष्ट्र से करीब नौ हजार मामले हैं। इस दौरान हुई कुल 1206 मौतों में से 75 फीसद से ज्यादा मौतें भी इन्हीं दोनों राज्यों से हैं। महाराष्ट्र में 738 और केरल में 130 मौतें हुई हैं। इससे पहले 29 जून को हजार से ज्यादा मौतें हुई थीं। इन दोनों राज्यों को छोड़ दें तो देश के हर राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में 100 से कम ही मौतें हुई हैं।



कर्नाटक के चिकमंगलुरु में शनिवार को जांच के लिए स्वैब सैंपल देती एक महिला। प्रेट्र

देश में कोरोना की स्थिति

24 घंटे में नए मामले	42,766
कुल सक्रिय मामले	4,55,033
24 घंटे में टीकाकरण	30.55 लाख
कुल टीकाकरण	37.21 करोड़

शनिवार सुबह आठ बजे तक कोरोना की स्थिति

नए मामले	42,766
कुल मामले	3,07,95,716
मौतें	1,206
कुल मौतें	4,07,145
कुल सक्रिय मामले	4,55,033
ठीक होने की दर	97.20 फीसद
पाजिटिविटी दर	2.19 फीसद
मृत्यु दर	1.32 फीसद
जांचें (शुक्रवार)	19,55,225
कुल जांचें	42,90,41,970



टीके वाली नाव...

कोरोना महामारी के बीच बिहार में बाढ़ के कहर से भी लोग परेशान हैं। उत्तर बिहार के अधिकतर जिलों में जन-जीवन बुरी तरह से प्रभावित है। ऐसे में वैक्सीनेशन की गति धीमी न पड़े, इसके लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नाव की मदद से लोगों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। शनिवार को मुजफ्फरपुर के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में वैक्सीनेशन के लिए टीके वाली नाव चलाई गई। एएनआइ

राज्यों व अस्पतालों के पास 1.73 करोड़ डोज

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक राज्यों को कोरोना रोधी वैक्सीन की कुल 38.54 करोड़ डोज दी जा चुकी हैं। इसके अलावा निजी अस्पतालों का अलग से कोटा निर्धारित है। केंद्र ने बताया कि अभी भी राज्यों और निजी अस्पतालों के पास 1.73 करोड़ डोज उपलब्ध हैं। 21 जून के बाद टीकाकरण में तेजी लाई जाएगी। 50 लाख डोज को बढ़ाकर एक करोड़ डोज पर ले जाना है।

कोवैक्सीन पर चार से छह हफ्ते में फैसला करेगा डब्ल्यूएचओ

▸ वैश्विक संस्था की मुख्य विज्ञानी ने कहा, कंपनी ने सारे डाटा जमा करा दिए

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भारत बायोटेक की स्वदेशी कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन को अपनी आपातकालीन उपयोग सूची (ईयूएल) में शामिल करने पर चार से छह हफ्ते के भीतर फैसला कर लेगा। डब्ल्यूएचओ की मुख्य विज्ञानी सौम्या स्वामीनाथन ने यह बात कही है।

विज्ञान और पर्यावरण केंद्र यानी सीएसई द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक वेबिनार में स्वामीनाथन ने कहा कि भारत बायोटेक ने डब्ल्यूएचओ के पोर्टल पर कोवैक्सीन से जुड़े सभी डाटा अपलोड कर दिए हैं और शीर्ष वैश्विक संस्थान उसकी समीक्षा कर रही है। डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के मुताबिक ईयूएल उस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थितियों के दौरान नए या बिना लाइसेंस वाले उत्पादों का उपयोग किया जा सकता है। स्वामीनाथ ने कहा कि ईयूएल में किसी उत्पादन को शामिल करने की प्रक्रिया लंबी है। वैक्सीन के लिए यह जरूरी है कि उसके सभी तीनों चरण का परीक्षण पूरा हो चुका हो और सारे आंकड़े डब्ल्यूएचओ के जमा करा दिए गए हों।

105 वैक्सीन क्लीनिकल परीक्षण की अवस्था में

उन्होंने बताया कि अभी दुनिया भर में 105 वैक्सीन का क्लीनिकल परीक्षण हो रहा है, जिनमें से 27 तीसरे या चौथे चरण में पहुंच गई हैं। इनके अलावा 184 वैक्सीन अभी क्लीनिकल परीक्षण से पहले की अवस्था में हैं। इनमें से लगभग सभी दो डोज वाली वैक्सीन हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट बहुत संक्रामक है और इससे सुरक्षा के लिए वैक्सीन की दोनों डोज लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारत बायोटेक ने सभी आंकड़े जमा करा दिए हैं और ईयूएल में उसको शामिल करने पर चार से छह हफ्ते में फैसला ले लिया जाएगा। अभी तक ईयूएल में छह वैक्सीन शामिल हैं। इनमें फाइजर-बायोएनटेक, एस्ट्राजेनेका-एसकेबायो-सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, एस्ट्राजेनेका ईयू, जानसेन, माडर्ना और चीनी कंपनी सिनोफार्मा की वैक्सीन हैं।

कोविन वैक्सीन प्रमाणपत्र को जल्द मान्यता दे इटली

नई दिल्ली, प्रेट्र : इटली के साथ बैठक में भारत ने कोविन वैक्सीन प्रमाणपत्र को पारस्परिक मान्यता देने, यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने और इटली में काम करने वाले भारतीयों को सामाजिक सुरक्षा लाभों की पोर्टेबिलिटी के मुद्दों को उठाया।

शनिवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि दोनों देशों के बीच शुक्रवार को वर्चुअल तरीके से आयोजित संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग(जेसीईसी) की 21वीं बैठक में ये मुद्दे उठाए गए। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इटली के विदेश मामलों एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री लुइगी डि माओ ने संयुक्त रूप से इस बैठक की अध्यक्षता की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश बढ़ाने और रेलवे, स्टार्ट-अप, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, चमड़ा और लघु एवं मझोले उद्यमों को बढ़ावा देंगे। तीन भारतीय कंपनियों-इंडियन आयल कारपोरेशन, अदाणी सोलर और रिन्यू पावर ने व इटली की तीन कंपनियों-इनेल ग्रीन पावर, स्नैम और मायरे टेक्नोलाजी ने ग्रीन अर्थव्यवस्था, और अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने पर केंद्रित अपनी प्रस्तुति पेश की।

दूसरे देशों को मुफ्त कोविन प्लेटफार्म की पेशकश

जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की चल रही बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत कोविन प्लेटफार्म दूसरे देशों को मुफ्त में उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। इससे न सिर्फ टीकाकरण का दायरा बढ़ाने में मदद मिल रही है बल्कि बेहतर तरीके से प्रबंधन भी किया जा रहा है।

कोरोना जांच फर्जीवाड़े में जल्द होगी एक और एफआइआर

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : कोरोना जांच फर्जीवाड़े में जल्द ही कुछ अन्य के खिलाफ भी एफआइआर दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है। इसमें सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और फर्जीवाड़ा करने वालों के सहयोगी शामिल बताए जा रहे हैं। सरकारी अधिकारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने और उनकी गिरफ्तारी की अनुमति लेने आदि की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी।

कुंभ के दौरान हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं की कोरोना जांच में फर्जीवाड़े की शिकायतों पर शासन के निर्देश पर जांच चल रही है। जिसमें फर्जीवाड़े की पुष्टि के साथ ही सरकारी अधिकारियों और कोरोना जांच करने वाली लैब के मालिकों, उन्हें काम दिलाने वाली एजेंसी की इसमें संलिप्तता की पुष्टि भी हुई। जांच समिति के आदेश पर हरिद्वार सीएमओ डा. एसके झा ने हरिद्वार कोतवाली में आरोपित मैक्स कारपोरेट सर्विसेस, हिसार की नलवा लैब और दिल्ली की लालचंदानी लैब के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

राष्ट्रीय फलक

कोरोना के खिलाफ देश भर में बड़ी मुहिम छेड़ने की तैयारी में संघ

राजीव द्विवेदी, चित्रकूट

▸ वैश्विक महामारी की मुश्किल घड़ी को संघ प्रमुख ने लिया चुनौती के रूप में

▸ गांव की देहरी के बाहर ही रोका जाए संक्रमण, हर जगह न फैल सके वायरस

कोरोना वायरस के संक्रमण को थामने के सरकारी प्रयासों के बीच संघ ने भी इस मुश्किल घड़ी को चुनौती के रूप में लिया है। कोर ग्रुप और क्षेत्र प्रचारकों के बीच पहले दो दिन की बैठक (प्रांत प्रचारक बैठक) में सरसंघचालक मोहन भागवत की मंशानुरूप इस पर विमर्श हुआ। संक्रमण होने पर उसे किसी भी गांव की देहरी के बाहर ही रोकने, दूसरों को चपेट में नहीं आने देने, संभावित तीसरी लहर के खतरे को लेकर महामारी नियंत्रण की तैयारी जुलाई के अंत तक ही कर लेने, मुकम्मल प्रशिक्षण और संसाधन जुटाने पर सहमति बनी।

राष्ट्र के प्रति दायित्वों को याद दिलाते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि कोरोना के कारण भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की स्थिति बदली है। देश और समाज उनकी तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है। कोरोना महामारी को लेकर उनकी संजीदगी अखिल भारतीय कार्यकारिणी ने शिद्दत से महसूस की। संघ के शीर्ष पदाधिकारियों ने कोरोना की आफत के वक्त आइसोलेशन केंद्र और पाजिटिव मरीजों के लिए कोविड सेवा केंद्र, सरकारी कोविड केंद्र व अस्पतालों में सहायता, हेल्पलाइन नंबर, रक्तदान, अंतिम संस्कार, आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण, काउंसिलिंग, आक्सीजन आपूर्ति, एंबुलेंस सेवा, भोजन, राशन व मास्क वितरण के साथ टीकाकरण के लिए जागरूकता अभियान जैसे कार्यों की समीक्षा की। इसमें दूसरी लहर की व्यापकता का अंदाजा न होने से सेवा कार्य जनअपेक्षा के अनुरूप नहीं किए जा सकने की बात सामने आई। लिहाजा, अब तीसरी संभावित लहर से पहले ही गांव स्तर की बचाव टोली तैयार कर ली जाएगी।

टोली में ग्राम प्रमुख की अगुआई में 18 से 40 वर्ष तक के स्वयंसेवक रखे जाएंगे, जिन्हें संक्रमण से बचते हुए पीड़ित का बचाव करने का प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षित टोली को संघ की ओर से संसाधन मुहैया कराए जाएंगे। क्षेत्र प्रचारकों से प्रांतों में टोली गठन की स्थिति भी समझी गई। जुलाई के अंत तक टोलियां बना लेने की बाध्यता भी रखी गई।

राष्ट्र धर्म के दायित्वों को निभाया : कोरोना संकट की फिक्र से पहले भी देश के मुश्किल में घिरने पर संघ के स्वयंसेवकों ने आगे बढ़कर राष्ट्र धर्म के दायित्वों को निभाया है। देश विभाजन के वक्त शरणार्थियों के लिए तो 1962 और 65 के युद्ध में संघ सेना के लिए संबल बना। 50 साल पहले ओडिशा के भयंकर चक्रवात, भोपाल गैस त्रासदी, गुजरात भूकंप, सुनामी, उत्तराखंड त्रासदी के वक्त भी संघ राहत और बचाव के काम में आगे था।

टीकाकरण पर रहेगा जोर : कोर ग्रुप के द्वारा अपेक्षा की गई कि समाज में वैक्सीन की अहमियत बताते हुए लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जाए।

जगद्गुरु बोले-हिंदू आस्था के केंद्र राम मंदिर को जल्द बनवाएं

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने शनिवार को जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य से मुलाकात की। जगद्गुरु ने कहा कि हिंदू आस्था के केंद्र राम मंदिर को जल्द निर्मित कराएं। निर्बाध निर्माण की कोशिश होनी चाहिए।

चित्रकूट प्रवास में चंपतराय ने साधु-संतों के साथ बैठक के बाद शनिवार को जगद्गुरु से भी मुलाकात की। जगद्गुरु के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्रदास ने बताया कि करीब एक घंटे की मुलाकात में राम मंदिर निर्माण को लेकर चर्चा हुई है। गुरु जी ने कहा है कि मंदिर को लेकर अनर्गल चर्चा नहीं होनी चाहिए। मंदिर के विरोध में अनावश्यक चर्चा करने वाले तथाकथित हिंदू हैं, वह जयचंद्र की तरह हैं, जो हिंदू होने के बाद भी विरोध कर रहे हैं। इन सबका खंडन होना चाहिए। मंदिर दुनिया में सबसे बड़ा आस्था का केंद्र बनने जा रहा है। चंपतराय ने जगद्गुरु से कहा कि अयोध्या आकर मंदिर निर्माण को देखें। इस पर गुरु जी ने जुलाई के आखिरी सप्ताह में अयोध्या जाने की हामी भरी है।

खराब इलेक्ट्रानिक डिवाइस कबाड़ी को बेचते हुए रहे सावधान, हो सकता है नुकसान

आशुतोष गुप्ता, गाजियाबाद

यदि आप अपना मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटाप या टैबलेट या अन्य खराब डिवाइस कबाड़ी को बेच रहे हैं तो सावधान रहें। कबाड़ी को बेचा हुआ सामान आपका नुकसान करा सकता है। इलेक्ट्रानिक स्क्रैप को कबाड़ी अवैध रूप से चीन भेज रहे हैं। ऐसे में आपकी इलेक्ट्रानिक डिवाइस के डाटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। गाजियाबाद की लोनी पुलिस व क्राइम ब्रांच को मोबाइल टावरों से माडम व नेटवर्क कार्ड चोरी कर चीन को भेजने वाले गिरोह के सदस्यों से इस संबंध में अहम जानकारियां मिली हैं। नेटवर्क कार्ड व माडम के साथ अन्य स्क्रैप भी चीन को भेजा जा रहा है। हालांकि माडम व नेटवर्क कार्ड में किसी प्रकार का डाटा सुरक्षित नहीं होता लेकिन हार्ड डिस्क का डाटा इस्तेमाल कर नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

अमूमन लोग लैपटाप, मोबाइल, कंप्यूटर व टैबलेट समेत अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस खराब होने के बाद या तो कूड़े में फेंक देते हैं या कबाड़ी को बेच देते हैं।

इलेक्ट्रानिक डिवाइस बेचते समय बरतें ये सावधानी

- मोबाइल फोन, लैपटाप, कंप्यूटर व टैबलेट खराब होने के बाद प्रयास करें कि इसे अपने पास ही सुरक्षित रखें और इन्हें बेचने से बचें।
- मोबाइल फोन तो किसी भी सूरत में कबाड़ी या अन्य किसी व्यक्ति को न बेचें, यदि बेचना भी पड़ रहा है तो इसे फारमेट कर दें।
- सीपीयू बेचते समय इसकी हार्ड डिस्क को या तो तोड़ दें या इसमें कई जगह सुराख कर दें, इससे इसका डाटा नष्ट हो जाता है।
- हो सके तो लैपटाप या कंप्यूटर की हार्ड डिस्क, रैम व मदर बोर्ड निकाल कर अपने पास ही रख लें।
- यदि बेच रहे हैं तो मदर बोर्ड को तोड़कर इसके कई टुकड़े कर दें।

मोबाइल टावरों से माडम व नेटवर्क कार्ड चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों से जानकारी मिली थी कि वह इलेक्ट्रानिक डिवाइस का स्क्रैप भी चीन भेजते हैं। इस विषय में आमजन को जागरूक होने की जरूरत है। इलेक्ट्रानिक स्क्रैप बेचते समय सावधानी बरतनी जानी चाहिए।
अमित पाठक, एसएसपी, गाजियाबाद

विशेषज्ञों के मुताबिक इन डिवाइस में डाटा सेव रहता है। इसमें फोन नंबर, बैंक खातों की जानकारी, पासवर्ड, फोटो, वीडियो, तमाम प्रकार के लिंक, फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप आइडी समेत अन्य सोशल साइट्स की आइडी और विभिन्न एप भी सेव होती हैं। यदि कोई व्यक्ति इनका इस्तेमाल करना चाहे तो कर सकता है।

सरकारी विभागों में सुरक्षित रखी जाती हैं इलेक्ट्रानिक डिवाइस : सरकारी विभागों के पास स्क्रैप हुई इलेक्ट्रानिक डिवाइस को सुरक्षित रखने के लिए नीति है। डिवाइस के खराब होने के बाद सरकारी विभाग इसे अपने पास सुरक्षित रखते हैं। वे कबाड़ियों को नहीं बेचते हैं, लेकिन इस संबंध में जागरूक होने की जरूरत है।

प्रशिक्षण

कार्डियक अरेस्ट से होने वाली मौतों व जान का खतरा टालने के लिए केजीएमयू में प्रशिक्षण शुरू, कार्डियक अरेस्ट होते ही मरीज को सीपीआर देना जरूरी

आप भी बचा सकते हैं कार्डियक अरेस्ट पीड़ितों की जान

धर्मेंद्र मिश्रा, लखनऊ

देश में कार्डियक अरेस्ट से होने वाली मौतों का खतरा टालने के लिए किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) ने कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रशिक्षण का बड़ा अभियान शुरू किया है। इसके तहत डाक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस, व्यापारी, फ्रंटलाइन वर्कर, स्कूल-कालेज के छात्र-छात्राओं इत्यादि को प्रशिक्षित किया जाएगा। आप भी सीपीआर सीख कर कार्डियक अरेस्ट से लोगों की जान बचा सकते हैं।

राष्ट्रीय पुनर्जीवन परिषद ने केजीएमयू के एनेस्थीसिया विभाग को सीपीआर का प्रशिक्षण का केंद्र बनाया है। विशेषज्ञों के मुताबिक कार्डियक अरेस्ट में तत्काल सीपीआर देने से मरीज की जान बचने के साथ ही साथ उसके ब्रेन डेड होने का खतरा भी टल जाता है।

केजीएमयू में एनेस्थीसिया विभाग के प्रोफेसर डा. ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि सीपीआर के बारे में जानने से पहले लोगों को हार्ट अटैक व कार्डियक अरेस्ट में फर्क समझना जरूरी है। हार्ट अटैक पूर्व दिक्कतों की वजह से होता है। जैसे कोई लंबे समय से बीपी का मरीज है और उसकी दवा ले रहा है अथवा पहले से वह हृदय रोग या दूसरी जटिल बीमारी से ग्रस्त है, जबकि कार्डियक अरेस्ट अचानक होता है। यह खाते समय गले में कोई चीज फंस जाने व दूसरे कई अज्ञात कारणों से हो सकता है।

सीखने के इच्छुक लोग क्या करें

डा. ज्ञान प्रकाश ने बताया कि फिलहाल डाक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ को हम सीपीआर सिखा रहे हैं। इसमें लाइव डेमो कराया जाता है। आमजन को सीपीआर सिखाने के लिए हम लोग खुद जगह-जगह जाएंगे। उसकी प्लानिंग की जा रही है। कोई व्यक्ति एक बार सीखकर इसके बारे में जान जरूर सकता है, मगर उसे आगे भी कई बार प्रशिक्षित किया जाएगा। क्योंकि एक दिन के प्रशिक्षण से हर किसी को परफेक्ट नहीं किया जा सकता। यह पूरी तरह निःशुल्क है। कम पढ़े-लिखे लोग भी इसे सीख सकते हैं।

क्यों दिया जाता है सीपीआर : डा. ज्ञान प्रकाश के अनुसार कार्डियक अरेस्ट होने पर मरीज की सांस रुक जाती है। इससे हृदय, ब्रेन, किडनी, लिवर इत्यादि अंगों में आक्सीजन व रक्त की सप्लाई बाधित होने लगती है। यदि लगातार तीन से पांच मिनट तक खासकर ब्रेन को आक्सीजन नहीं पहुंची तो ब्रेन डेड हो सकता है। मरीज बाद में बच भी जाए, मगर वह ब्रेन डेड की स्थिति में पहुंच जाता है। सीपीआर देने से अंगों को आक्सीजन की सप्लाई शुरू हो जाती है।

ऐसे दी जाती है सीपीआर : जब व्यक्ति खाते, चलते, बोलते व अन्य कोई काम करते-करते अचानक अपनी जगह पर गिर जाता है। उसकी धड़कनें खामोश होने लगती हैं तो इसका मतलब है कि व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट हो चुका है। शरीर को चलाने वाले महत्वपूर्ण अंगों में आक्सीजन सप्लाई बाधित होने से मल्टी आर्गन फेल्योर का खतरा बढ़ जाता है। मरीज की धड़कन रुक जाती है। ऐसे में मरीज को लेटा कर 100 से 120 बार उसके सीने पर दोनों हाथों से दबाव डाला जाता है। बिल्कुल हवा भरने की तरह। हर तीस कंप्रेस पर मरीज के मुंह में अपने मुंह से सांस देना होता है। इस प्रकार 100 से 120 कंप्रेस में तीन से चार बार मरीज को मुंह से फूंक मारकर सांस देना पड़ता है। इससे खामोश हुई धड़कनें फिर चल पड़ती हैं। सभी आर्गन को आक्सीजन पहुंचने लगती है। ब्रेन डेड का खतरा भी टल जाता है। प्रक्रिया शुरू होने के साथ-साथ अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस बुला लेनी चाहिए।

उप्र के मुख्यमंत्री के बोर्ड पर युवती की गांधीगीरी

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर

बुलंदशहर में थाना रामघाट परिसर में एक शौचालय के सामने रखे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बोर्ड को युवती ने अपने दुपट्टे से साफ किया। इसके बाद बोर्ड उठाकर थाना प्रभारी के कक्ष में रखा। इस मामले का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। एसएसपी ने मामले की जांच सीओ डिबाई को सौंपी है।

थाना रामघाट क्षेत्र के गांव विजय नंगलिया निवासी 27 वर्षीय डिंपल लोधी पैसे के विवाद को लेकर शुक्रवार को थाने पहुंचीं। जहां सीएम योगी आदित्यनाथ का बोर्ड (जिस पर लिखा था कि थाने में आपकी सुनवाई नहीं हो रही है तो टोल फ्री नंबर 1092 पर शिकायत दर्ज कराएं) थाना परिसर में शौचालय के बाहर नाली के पास रखा था। डिंपल का कहना है कि बोर्ड पर तंबाकू की पीक भी लगी थी। इस बोर्ड को डिंपल ने अपने दुपट्टे से साफ किया और उसे उठाकर थाना प्रभारी विरेंद्र यादव के कार्यालय में रख दिया। युवती ने थाना प्रभारी पर जनता के साथ इंसाफ न करने और सीएम के बोर्ड का अपमान करने का आरोप लगाया।

यह था विवाद : डिंपल के छोटे भाई राजू लोधी ने एक युवक को जनरेटर 500 रुपये प्रतिदिन किराये पर दिया है। उसके 26 हजार रुपये बकाया हैं।

प्रदेश के मुखिया के बोर्ड का निरादर नहीं किया गया है। दो दिन से थाना परिसर में सफाई कार्य चल रहा था, बोर्ड दीवार के सहारे रखा गया था। जिसे अब थाना परिसर में ससम्मान लगवा दिया गया है। जांच सीओ डिबाई को सौंपी गई है।
-संतोष कुमार सिंह, एसएसपी।

राष्ट्रीय संस्करण
रविवार 11 जुलाई, 2021
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

बहरीन को बंगाल से फाजिल आम का निर्यात

नई दिल्ली : भारत ने बंगाल के मालदा जिले के जीआइ प्रमाणित फाजिल आम बहरीन को निर्यात किए हैं। जून में एक सप्ताह तक चले भारतीय आम संवर्धन कार्यक्रम के तहत यह सौदा हुआ। जीआइ टैग आधारित उत्पादों की अच्छी कीमत मिलती है, क्योंकि कोई अन्य उत्पादक इससे मिलता-जुलता नाम नहीं रख सकता है। दार्जिलिंग चाय, कांगड़ा पेंटिंग तथा कश्मीरी पश्मीना जैसे उत्पादों को जीआइ टैग हासिल है। (प्रेट्र)



वर्ष 2024 तक 60,000 किमी विश्वस्तरीय राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का लक्ष्य है। इसके तहत रोजाना 40 किमी लंबाई की सड़कें बनाई जाएंगी।
- नितिन गडकरी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

तेज वैक्सीनेशन से ही पटरी पर आएगी इकोनॉमी

साक्षात्कार



देश की प्रमुख रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एमडी व सीईओ **अशु सुयश** मानती हैं कि कोरोना महामारी ने जीडीपी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। फिलहाल सरकार को दो मुद्दों पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए। पहला, टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाई जानी चाहिए। दूसरा, जिन सेक्टर पर सबसे ज्यादा कोरोना महामारी का असर हुआ है उन्हें मदद देने की विशेष कोशिश होनी चाहिए। दैनिक जागरण के **जयप्रकाश रंजन** से बातचीत के प्रमुख अंश :

• कोरोना की दूसरी लहर के देश की इकोनॉमी पर असर का आकलन क्रिसिल किस तरह से कर रहा है?

- हमारा मानना है कि दूसरी लहर ने भारत में निजी खपत व निवेश पर काफी असर डाला है। इन दोनों को आर्थिक विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। कोरोना की पहली लहर से इकोनॉमी में देश की आजादी के बाद की सबसे बड़ी गिरावट आई। उससे उबरने की कोशिशों के बीच ही कोरोना ने दोबारा असर दिखाना शुरू किया और इससे स्थिति काफी बदल गई। लॉकडाउन का उपभोक्ताओं और कारोबारियों के मनोबल पर काफी असर दिखा है। दूसरी लहर अब काफी कमजोर हो चुकी है लेकिन रोजाना नए संक्रमण की संख्या बहुत कम नहीं कही जा सकती। तीसरी लहर की भी बात हो रही है और टीकाकरण की रफ्तार भी पर्याप्त नहीं है। कई सेक्टरों के लिए अभी भी लॉकडाउन है। इन सभी हालातों को देखते हुए हमने चालू वित्त वर्ष के लिए देश का आर्थिक विकास अनुमान 11 फीसद से घटाकर 9.5 फीसद किया है। वैसे, बेहद निराशा भरे माहौल में भी हम इस वर्ष आर्थिक विकास दर कम से कम आठ फीसद पर रहने की उम्मीद कर रहे हैं।

• विकास दर की स्थिति कब सामान्य होने की उम्मीद आप कर रही हैं और अगले तीन-चार वर्षों की स्थित कैसी दिखाई दे रही है?

- पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में काफी तेज गिरावट के बाद चौथी तिमाही में जाकर ही भारत की आर्थिक विकास दर महामारी से पूर्व की स्थिति में लौट पाई थी। हालांकि हमने जो प्रगति की थी, उस पर इस वर्ष की पहली तिमाही ने कुछ हद तक पानी फेर दिया है। ऐसा लगता है कि एक तिमाही से ज्यादा का समय लगेगा जब हालात महामारी से पहले वाली में पहुंच सके। हमने 9.5 फीसद ग्रोथ रेट का अनुमान इस आधार पर लगाया है कि दूसरी तिमाही के बाद हालात में ज्यादा तेजी से सुधार होगा। अगर मध्यावधि यानी 2021 से वर्ष 2025 के बीच का अनुमान लगाया जाए तो महामारी की वजह से रीयल जीडीपी का आकार 10.9 फीसद घटता दिख रहा है। महामारी की वजह से इकोनॉमी में इसे स्थायी हानि के तौर पर देखा जा सकता है। इकोनॉमी में तेजी से सुधार या तेज वृद्धि का दौर हमें वित्त वर्ष 2022-23 में ही लौटता दिखाई देता है। तब तक अधिकांश आबादी को वैक्सीन लग चुकी होगी। सरकार का दावा है कि इस वर्ष अंत तक 88 फीसद वयस्कों को वैक्सीन लग चुकी होगी। लेकिन हमारा अनुमान है कि 70 फीसद वयस्कों को ही वैक्सीन लग सकेगी।

• इस हालात में आप किस तरह के राजकोषीय कदम उठाने का सुझाव देना चाहेंगी?

- महामारी ने जिन सेक्टरों पर सबसे ज्यादा असर डाला है, उन्हें आसानी से कम दर पर कर्ज की व्यवस्था करनी होगी। हेल्थकेयर, छोटे कारोबारियों और उपभोक्ताओं को तरलता की परेशानी का समाधान निकालना होगा। आरबीआइ की मौद्रिक नीति के साथ ही सरकार की वित्तीय नीति भी मौजूदा हालात में काफी जरूरी है जो आम जनता तक राहत पहुंचाने में ज्यादा कारगर साबित हो सकती है। दो क्षेत्रों में सरकार अपने फंड का इस्तेमाल बेहतर तरीके से कर सकती है। पहला, टीकाकरण की तेजी पर, क्योंकि जब तक सभी को टीका लगाकर सुरक्षित नहीं किया जाएगा तब तक महामारी के आगामी प्रकोप को रोकना मुश्किल है। दूसरा, छोटे उद्यमियों, ग्रामीण आय, सेवा सेक्टर और शहरी गरीबों की दशा सुधारने पर पर्याप्त खर्च करना, क्योंकि लॉकडाउन से इन चारों सेक्टरों की स्थिति काफी खराब हुई है। ग्रामीण इकोनॉमी के लिए मनरेगा और पीएम आवास योजना पर फोकस देने व आवंटन बढ़ाने से काफी फर्क दिखेगा। शहरी इकोनॉमी की बात करें तो वहां असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को मदद देना अभी जरूरी है। सर्विस सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित है और लॉकडाउन खुलने के बावजूद इसकी स्थिति में कोई खास सुधार नही दिख रहा है। शहरों की 70 फीसद इकोनॉमी सर्विस सेक्टर से ही चलती है। इस सेक्टर में कोई जॉब गारंटी नहीं है। छोटी कंपनियो को तो तीन तरफ से झटका लगा है। मांग भी नहीं है, आपूर्ति में समस्या है और लागत भी बढ़ रही है। इन्हें सरकार से और ज्यादा मदद की जरूरत है।

मदर डेयरी का दूध दो रुपये महंगा हुआ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दुग्ध आपूर्तिकर्ता कंपनी मदर डेयरी ने 11 जुलाई से दिल्ली-एनसीआर में दूध का दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया है। नई कीमतें सभी प्रकार के दूध पर लागू होंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि लागत मूल्य बढ़ोतरी के चलते वह दाम बढ़ाने को मजबूर है। एक वर्ष में दूध की कुल लागत कई गुना बढ़ गई है।

वैश्विक कोरोना महामारी के कारण दूध उत्पादन पर भी संकट है। एक साल में प्रसंस्करण, पैकेजिंग और परिचालन के साथ कृषि लागत में भी आठ से 10 फीसद की वृद्धि हुई है।

मदर डेयरी की नई दरों के मुताबिक टोकन मिल्क अब 44 रुपये, फुल क्रीम मिल्क 57 रुपये, टोंड 47 रुपये, डबल टोंड 41 रुपये तथा गाय का दूध 49 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हर तरह के आधा लीटर पैक में एक रुपये की बढ़ोतरी की गई है। मदर डेयरी ने इससे पहले दिसंबर, 2019 में बढ़ोतरी की थी। इससे पहले अमूल ने पहली जुलाई से दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए थे।

स्टॉक कीमतों की तुलना सिर्फ दाम के आधार पर करना ठीक नहीं

म्यूचुअल फंड के निवेशक समान एनएवी वाले फंड्स को एक जैसा समझने की बड़ी भूल अक्सर करते हैं। अगर ऐसी गलती स्टॉक्स के निवेशकों से होती है तो उन्हें लेने के देने पड़ सकते हैं। कम और ज्यादा मूल्य के दो स्टॉक्स अकेले इस बुनियाद पर सस्ते और महंगे नहीं हो सकते हैं क्योंकि उनके मूल्य में अंतर है।



धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च ऑनलाइन डॉट कॉम

बोनस

म्यूचुअल फंड की कीमत को लेकर भ्रम से भरे विचार ने निवेशकों के लिए बड़ी समस्याएं पैदा की हैं। इसका सबसे खराब पहलू एनएवी के आधार पर दो फंड की तुलना करना है और सोचना है कि समान एनएवी वाले फंड एक जैसे ही होंगे। क्या इक्विटी निवेशक इस समस्या से बचे हुए हैं? म्यूचुअल फंड में कीमत जैसा कुछ नहीं होता है, स्टॉक में कीमत होती है। स्टॉक की कीमत निवेश में बहुत अहम भूमिका निभाती है। ऐसे में इक्विटी निवेशक से उम्मीद की जाती है कि वह कीमत को लेकर कोई गलत धारणा न रखे।

दुर्भाग्य से ऐसा हो नहीं पाता है। स्टॉक निवेशक स्टॉक कीमतों को लेकर गलत सोच का शिकार हो सकते हैं। बहुत से निवेशक मानते हैं कि कम कीमत वाला स्टॉक सस्ता है इसलिए ऊंची कीमत वाले स्टॉक की तुलना में यह स्टॉक खरीदना बेहतर है। यह सही है कि स्टॉक की कम कीमत इसे खरीदने का और ऊंची कीमत स्टॉक न खरीदने या बेचने का वैध कारण है। सभी इक्विटी निवेश में यह विचार अहम है।

हालांकि कीमतों का चढ़ना या गिरना स्टॉक खरीदने या नहीं खरीदने के बारे में पूरी बात नहीं बताता है। हो सकता है कि 15 रुपये कीमत वाला स्टॉक अपने उस दाम पर भी महंगा हो। और 500 रुपये की कीमत वाला स्टॉक उस समय खरीदने के लिए सस्ता व बेहतर स्टॉक हो सकता है। स्टॉक की महंगाई का महज उसके दाम के आधार पर आकलन नहीं किया जा सकता है।

म्यूचुअल फंड के मामले में मेरा मानना है कि इस गलत सोच को फंड बेचने वालों ने बढ़ावा दिया है। वर्षों से निवेशकों को नए फंड सिर्फ यह कहकर बेचे जाते रहे हैं कि अमुक फंड महज 10 रुपये में उपलब्ध है इसलिए यह सस्ता है। यह एक तरह की धोखाधड़ी है। इसी तरह की बात सस्ते स्टॉक्स के लिए कही जाती है। यह निवेश की एक उप-संस्कृति है जो सस्ते स्टॉक खरीदने पर आधारित है और यह पूरी दुनिया में है। भारत में इसे रुपी (एक रुपया) स्टॉक्स कहा जाता है और अमेरिका में पेनी (एक डॉलर का सौवां हिस्सा) स्टॉक्स। एक समय था जब अमेरिका में इसे सिगार बट स्टॉक्स कहा जाता था। सोच यह थी कि आपने कहीं से सिगार बट उठाई और मुफ्त में कुछ कश लिए। यहां तक कि इक्विटी रिसर्च टूल्स और वेबसाइट हैं जो रुपी स्टॉक्स को चुनने में मदद करते हैं।

स्टॉक्स में कीमतों का विचार इस तथ्य के द्वारा स्थापित किया गया है कि स्टॉक्स से तुलना के लिए निकाले गए अनुपात एक मानक की तरह हैं। ये मानक स्टॉक्स में खरीद-फरोख्त के बहुत फायदेमंद तकनीक हैं। हालांकि सभी निवेशक जानते हैं कि ऐसी तुलना फंडामेंटल इक्विटी रिसर्च का अहम बिंदु है। लेकिन अनुपात के विचार को कीमतों तक ले जाना एक बुनियादी गलती है। कॉपी-पेस्ट और ट्रिक्स अपनाकर ऐसा निवेश पोर्टफोलियो नहीं बनाया जा सकता है, जो लंबे समय तक मुनाफा दे।

सुस्त मानसून से थमी खरीफ बोआई

पश्चिमोत्तर क्षेत्रों में सूखे जैसे हालात, पूर्वी क्षेत्र में अत्यधिक बारिश

सुरेंद्र प्रसाद सिंह • नई दिल्ली



धान की रोपाई के लिए उत्तर प्रदेश के तिउरी गांव स्थित खेत में पौध उखाड़ता एक किसान • एपी

मानसून के बिगड़े मिजाज से खरीफ सीजन की फसलों की बोआई थम सी गई है। देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्रों में सूखे जैसी हालत से खेती प्रभावित होने लगी है। पूर्वी राज्यों के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्रों में सामान्य से अधिक हुई बारिश ने दलहन व तिलहन की बोआई रोक दी है। इसी वजह से खरीफ सीजन की बोआई पिछले साल के मुकाबले लगभग 11 फीसद पीछे चल रही है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की बरसात इस वर्ष पहली जून से सात जुलाई के बीच सामान्य से कम हुई है, जिसका सीधा असर खरीफ सीजन की खेती पर पड़ने लगा है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि चालू सीजन में अगले सप्ताह तक मानसून रफ्तार पकड़ सकता है, जिससे थमी हुई फसलों की बोआई तेज हो सकती है। लेकिन कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में मानसून की बरसात अब तक नहीं के बराबर रही है। इन राज्यों में सूखे जैसे हालात बनने लगे हैं। इससे यहां होने वाली मोटे अनाज वाली फसलों की खेती के साथ दलहनी व तिलहनी फसलों की बोआई सबसे कम हो सकी है। इन फसलों की खेती आमतौर पर मानसून की बारिश पर निर्भर होती है। कमोबेश, यही हाल दक्षिणी भूभाग का भी रहा है। चालू मानसून सीजन 2021-22 में पूर्वी राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और बंगाल में सामान्य से अधिक बारिश होने की वजह से मिट्टी में नमी की मात्रा काफी बढ़ गई है। इससे फसलों की बोआई संभव नहीं हो पा रही है।

चालू खरीफ सीजन में कुल 4.99 करोड़ हेक्टेयर रकबा में बोआई हो चुकी है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि तक के 5.58 करोड़ हेक्टेयर के मुकाबले लगभग 11 फीसद कम है। बारिश पर निर्भर मोटे अनाज वाली फसलों की बोआई 15 फीसद तक कम हुई है। जबकि धान की रोपाई 11.26 फीसद तक पीछे है। जिन पूर्वी राज्यों में बरसात ज्यादा हुई है, उन्हीं राज्यों में धान की खेती हो सकी है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले सप्ताह से मानसून के बादल देशभर में समान रूप से छाएंगे, जिससे अच्छी बारिश हो सकती है। इसके बाद खरीफ की खेती रफ्तार पकड़ लेगी। देश की 60 फीसद खेती दक्षिण-पश्चिम मानसून आधारित बरसात पर निर्भर होती है, क्योंकि उन इलाकों में सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है।

कृषि मंत्रालय का दावा है कि मानसून की इस बेरुखी से खरीफ सीजन की खेती पर बहुत असर नहीं पड़ेगा। आगामी सप्ताहों में अच्छी बारिश से कृषि गतिविधियों में तेजी आएगी। इस बार धान के साथ तिलहन और दलहन की रकबा और बढ़ सकता है।

बंदरगाहों पर चंद घंटों में क्लियर होंगे गैर-जोखिम वाले आइटम

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने फेसलेस असेसमेंट तंत्र को विस्तार दिया है। इसके तहत आयातित गैर-जोखिम वाली 90 फीसद तक खेप को बिना किसी भौतिक दखल के चंद घंटों में क्लियरेंस दे देने की व्यवस्था होगी। यह नई व्यवस्था 15 जुलाई से लागू हो जाएगी।

सीबीआइसी ने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद आयातित सामानों को क्लियरेंस मिलने की गति बहुत तेज हो जाएगी। इसकी वजह यह है कि बिना जोखिम वाले उत्पादों को क्लियरेंस के लिए किसी भौतिक दखल यानी किसी अधिकारी की मौजूदगी की कोई जरूरत नहीं रह जाएगी। वर्तमान में गैर-जोखिम उत्पादों के मामले में बेरोकटोक कस्टम क्लियरेंस का स्तर एयर कार्गो कंप्लेक्स पर 80 फीसद, बंदरगाहों पर 70 फीसद और इनलैंड कंटेनर डिपो (आइसीडी) यानी बंदरगाहों से इतर सूखे क्षेत्र में स्थित कंटेनर डिपो पर 60 फीसद तक है। हालांकि टेक्नोलॉजी के बढ़ते उपयोग के चलते इस वर्ष मई में ऐसी क्लियरेंस का औसत 77 फीसद पर पहुंच चुका है। सीबीआइसी ने कहा कि मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों की मदद से अब रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम (आरएमएस) का और अधिक प्रभावी उपयोग हो रहा है। इससे जोखिम वाली खेप का पता लगाने में सहूलियत हो रही है और उन खेपों की संख्या काफी घटी है जिनमें गहराई से छानबीन की जरूरत है। सीबीआइसी के अनुसार वह कस्टम क्लियरेंस की प्रक्रिया बेहद आसान बनाने के लिए तकनीकों का उपयोग बढ़ा रहा है। इसी के तहत पिछले दिनों यह फैसला किया गया कि किसी भी खेप को क्लियरेंस देने के बारे में पहला निर्णय तीन घंटे के भीतर ले लिया जाएगा।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री व केंद्रीय मंत्री की तस्वीर से की छेड़छाड़

उज्जैन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की तस्वीर से छेड़छाड़ कर इंटरनेट मीडिया पर डालने वाले आरोपित खाचरौद निवासी गोवर्धन पुत्र कन्हैया नागर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। बाद में न्यायालय से उसे एक लाख रुपये के मुचलके पर छोड़ दिया गया। (नईदुनिया)

राजस्थान से अफीम बेचने आया युवक पकड़ाया

अबोहर : सदर थाने की पुलिस ने दो किलो 600 ग्राम अफीम सहित राजस्थान के एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी गुरविंद्र सिंह ने बताया कि आरोपित की पहचान जोधपुर निवासी जगदीश कुमार वासी के रूप में हुई है। (संस)

फर्जी प्रमाणपत्र पर सेना में पाई नौकरी, गिरफ्तार

गड़वार (बलिया) : राजपूताना राइफल्स में फर्जी पता, आधार कार्ड व ग्राम प्रधान का हस्ताक्षर युक्त निवास प्रमाणपत्र बनवाकर नियुक्ति पाने वाले आगरा के युवक राम कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवक ने बलिया के हजौली गांव से प्रमाणपत्र आदि कैसे बनवाए, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। (जासं)

दुष्कर्म मामले में आरोपित अनूप ने मांगी अग्रिम जमानत

चंडीगढ़ : टीकरी बार्डर पर कोरोना से मरने वाली पश्चिम बंगाल की युवती से दुष्कर्म के मामले में आरोपित अनूप ने अग्रिम जमानत की मांग को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। हाई कोर्ट इसपर मंगलवार को सुनवाई कर सकता है। (राब्यू)

गैस रिसाव को लेकर एनजीटी के आदेश पर रोक

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने राउरकेला स्टील प्लांट में जहरीली गैस के रिसाव में मारे गए लोगों के स्वजन को मुआवजे के भुगतान का निर्देश देने वाले राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और एमआर शाह की पीठ ने इस मामले में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, कारखाना और बायलर विभाग व अन्य को नोटिस जारी किया। (प्रेट्र)

डाक्टर बन दिल्ली की दो युवतियों से की शादी, दवा कंपनी को लगाया चूना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने धोखाधड़ी व ठगी के आरोप में मनीष कौल नाम के शातिर को गिरफ्तार किया है। उसने खुद को डाक्टर बताकर वैवाहिक विज्ञापनों के माध्यम से दिल्ली की रहने वाली दो युवतियों से शादी की थी। कई दवा कंपनियों को लाखों का चूना लगा चुका है। उसके खिलाफ दिल्ली, मुंबई, पंचकुला, गोवा, बेंगलुरु, चंडीगढ़, फरीदाबाद, जयपुर, केरल, अंबाला, काशीपुर, उत्तराखंड में 27 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर शिबेश सिंह ने बताया कि 2019 में मनीष को दिल्ली पुलिस मुंबई में पेशी पर ले गई थी, तब वह हिरासत से भाग गया था। तभी से क्राइम ब्रांच की टीम लगातार उसे तलाश रही थी। कुछ समय पहले पता चला कि उसने मेरठ के शास्त्री नगर में अपना नया ठिकाना बनाया है। नौ जुलाई को मनीष ने जब स्विगी से कुछ खाना आर्डर किया, तब उसे ट्रैक कर दबोच लिया गया।

पूछताछ में बताया कि वह अंबाला कैंट का रहने वाला है। उसके पिता बृजभूषण कौल अंबाला कैंट क्षेत्र में दवा की फैक्ट्री चलाते थे। वहीं से उसने 12वीं की। 2006 में उसने यूनानी और होम्योपैथिक में स्नातक के लिए जालंधर के एक कालेज में दाखिला लिया, लेकिन पढ़ाई पूरी नहीं की और 2002 में पिता के साथ काम करना शुरू कर दिया। उस दौरान सहारनपुर पुलिस ने उसके खिलाफ एक डीलर से 50 हजार की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। 2002 से 2008 तक दवा की फैक्ट्री चलाते समय उसके खिलाफ धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हुए। वर्ष 2007 में एक अखबार में वैवाहिक विज्ञापन देकर मनीष ने खुद को डाक्टर बनकर पटेल नगर की एक शिक्षिका से शादी कर ली। उससे एक पुत्री भी हुई। नवंबर, 2014 में उसने पंजाब के संगरूर के एक अस्पताल में चिकित्सक के रूप में कार्यरत एमडी, एमबीबीएस डाक्टर (अविवाहित) होने का दावा करते हुए जीवनसाथी डाट काम पर एक प्रोफाइल बनाई, जिसके बाद उसने अशोक विहार की रहने वाली एक महिला डाक्टर से 20 जुलाई, 2015 को छतरपुर में शादी कर ली। उससे एक पुत्र हुआ। हालांकि, उसकी डाक्टर पत्नी को जल्द ही उसकी गतिविधियों पर शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने मनीष के खिलाफ 22 मार्च, 2018 को मोती नगर थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी, धमकी देने, एमसीआइ अधिनियम, डीएमसी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करा दिया था। मुकदमा वापस लेने की धमकी देने के लिए वह पिस्टल लेकर पत्नी के क्लीनिक पर आया था, लेकिन सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे दबोच लिया था।

डीजे पर रोक लगाने वाले आदेश पर पुनर्विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट 15 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें डीजे सर्विस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। आदेश में कहा गया है कि डीजे के लाउडस्पीकरों से ध्वनि प्रदूषण होता है। उसकी आवाज अप्रिय और मन खिन्न करने वाली होती है।

शीर्ष न्यायालय ने अक्टूबर 2019 में हाईकोर्ट के आदेश का क्रियान्वयन स्थगित कर दिया था। साथ ही कहा था कि डीजे ऑपरेटरों की अर्जियों पर विचार होगा और अगर वे कानून के अनुसार काम करते पाए गए तो उन्हें कार्य जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। याचिकाकर्ताओं के वकील को निर्देशित किया गया है कि वह अपनी याचिका की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश सरकार को भी उपलब्ध कराएं। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता दुष्यंत पाराशर ने कहा कि डीजे ऑपरेटर विवाह समारोह, जन्मदिन पार्टी और अन्य मौकों पर रोजी-रोटी चलाते हैं।

दोस्त की हत्या के आरोप में बक्सर डीएसपी समेत तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कोडरमा

बिहार के बक्सर जिले में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर तैनात आशुतोष कुमार समेत तीन को कोडरमा पुलिस ने दोस्त निखिल रंजन की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर शनिवार की शाम जेल भेज दिया। बता दें, शुक्रवार को कोडरमा जिले के चंदवारा थाना अंतर्गत तिलैया डैम क्षेत्र में निखिल रंजन की मौत गोली लगने से हो गई थी।

इस मामले में निखिल रंजन के पिता ऋषिदेव प्रसाद सिंह ने डीएसपी आशुतोष समेत अन्य तीन युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने डीएसपी आशुतोष द्वारा सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर निखिल की हत्या करने की बात कही है। ऋषिदेव सिंह बिहार के गया जिला के चेरखी थाना में पुलिस अवर निरीक्षक हैं। उन्होंने कहा है कि आशुतोष कुमार उनके पुत्र के साथ पुरानी रंजिश रखता था। एक बार इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में सट्टेबाजी के पैसे से संबंधित लेनदेन को लेकर इनके बीच विवाद हुआ था। तब निखिल के घरवालों ने आशुतोष को पैसे चुकाए थे। फिर आशुतोष नए तरीके से निखिल से पैसे की मांग कर रहा था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को आशुतोष उनके पुत्र को बिहारशरीफ से इंगेजमेंट में जाने की बात कहकर ले गया था। उन्होंने डीएसपी आशुतोष के अलावा पटना निवासी सौरभ कुमार और कोडरमा निवासी सूरज कुमार को घटना में संलिप्तता का आरोपित बनाया है।

मृतक के पिता के आवेदन पर चंदवारा थाना में भादवि की धारा 302, 120 बी एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीएसपी समेत तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।
-डा. एहतेशाम वकारीब, एसपी, कोडरमा

कुपोषित बच्ची को सुना रहे थे ट्रेन का हार्न, पोती-दादा की मौत

काल बना अंधविश्वास

जासं, फर्रुखाबाद

अंधविश्वास के चलते लोग अतार्किक बात पर भी लोग आंख मूंदकर भरोसा करके अपना अहित कर लेते हैं। शनिवार को उप्र के फर्रुखाबाद के कमालगंज रेलवे स्टेशन के पास एक ऐसा ही मामला सामने आया, जिसमें अंधविश्वास में फंसकर पोती सहित बाबा की ट्रेन से कटकर मौत हो गई।

दरअसल, फतेहउल्लाहपुर गांव निवासी जितेंद्र जाटव की दो माह की पुत्री दुर्गा जन्म से ही कुपोषण का शिकार थी। लगातार इलाज के बाद जब वह सही नहीं हुई तो स्वजन झाड़-फूंक करने वाले ढोंगी के चक्कर में पड़ गए। उसने कहा कि बीमार बच्ची को ट्रेन का हार्न सुनाओ तो वह ठीक हो जाएगी। इस पर शनिवार सुबह करीब तीन बजे जितेंद्र जाटव अपने 45 वर्षीय चाचा प्रताप जाटव के साथ बाइक से कमालगंज स्टेशन आए, उस दौरान रेलवे क्रासिंग बंद थी। इस पर प्रताप दुर्गा को गोद में लेकर रेलवे फाटक के पास खड़े हो गए। ट्रेन आती देख दुर्गा को पटरी पर लिटा दिया। ट्रेन ने हार्न दिया तो वह पोती को उठाने का प्रयास करने लगे। जैसे ही वह पोती को उठाने के लिए झुके, उसी दौरान गोरखपुर-बांद्रा ट्रेन की चपेट में आ गए। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

चाचा और बेटी की मौत को आंखों के सामने देख भतीजे ने अपने घर जाकर सूचना दी तो सभी रोते-बिलखते पहुंचे। जान गंवाने वाले प्रताप की पत्नी सुमन, भाई दयाराम व दुर्गा की मां नीलम का रो-रोकर बुरा हाल था। घटना की सूचना किसी ने यूपी-112 को दी। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

ग्रामीणों ने बताया कि प्रताप के चार बच्चे हैं। मामला जीआरपी का होने के कारण पुलिस ने जीआरपी को सूचना दी। इस पर जीआरपी के उपनिरीक्षक विकास यादव भी पहुंचे और घटना के बारे में स्वजन व आसपास के लोगों से पूछताछ की। अब आगे कार्रवाई के लिए तहरीर का इंतजार किया जा रहा है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 11 जुलाई, 2021 से शनिवार 17 जुलाई, 2021 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
वाणी पर संयम, कार्य करने वालों से सावधान, दिनचर्या व्यस्ततम्, धन के आवागमन में सावधानी, सामाजिक कार्य योग, निजी मतभेद, शिक्षा-लेखन कार्य में प्रगति, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, खानपान पर ध्यान दें, मित्रों से सहयोग, ससुराल से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो)
कार्य में सफलता, अर्थसाधन में सुधार, निर्णय सलाह से करें, पूंजी निवेश में सावधानी, माता-पिता का ध्यान रखें, मन अशांत, निजी मतभेद, शैक्षिक कार्य में अवरोध, वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप कार्य करें, रक्त विकार, जीवनसाथी का मिलन, आय में सुधार, शुभ अंक 6

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा)
व्यापार कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में प्रयास, विदेश कार्य में सफलता, आशा एवं निराशा के विचार, महिला से सहयोग, स्वार्थीजनों से सावधान, साधनों की पूर्ति, चयन में अवरोध, प्रणय में अनबन, नौकरी में स्थान-पद परिवर्तन योग, आय में सुधार, शुभ अंक 7

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
कार्य क्षेत्र में प्रयास से सफलता, साझेदारी में सावधानी, चिंता का समाधान, सामाजिक और रचनात्मक कार्य का योग, संपत्ति में वृद्धि, स्वजन के प्रति सचेत रहें, संतान से सहयोग, चयन में देरी, भविष्य योजना में अवरोध, महामारी से बचाव, राजनीतिक अपयश, शुभ अंक 8

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
मन अशांत, कार्य में सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, विदेश कार्य में सफलता, विशेष व्यक्ति से सहयोग, सामाजिक कार्य में यश, विदेश कार्य में सफलता, भूमि-भवन कार्य में अवरोध, वाहन में सावधानी, राज्यपक्ष से लाभ, राजनीतिक अपयश, आय में सुधार, शुभ अंक 9

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,उ,पे,पो)
कार्य में सावधानी रखें, धनागम में प्रयास, अतिविश्वास से बचें, यथार्थ पर रहें, सामाजिक कार्य योग, दिनचर्या व्यस्ततम्, संतान से सहयोग, शिक्षा में सफलता, खानपान का ध्यान रखें, समय का सद्‌पयोग करें, जीवनसाथी का मिलन, आय में सुधार, शुभ अंक 1

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
आत्मविश्वास से कार्य करें, भावनाओं पर नियंत्रण रखें, पारिवारिक समस्या का सुधार, निजी मतभेद, धन के आवागमन में सावधानी, अध्ययन में रुचि, शत्रुपक्ष से सावधान, नेत्र विकार, रक्त विकार योग,खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, स्थान-पद परिवर्तन प्रभावी, शुभ अंक 2

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
धनागम में प्रयास, व्यापारिक कार्य योजना में देरी, स्थिरता के प्रति चिंता, आशा-निराशा के विचार, भवन-साज सज्जा योग, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, मित्रों से सहयोग, वाद-विवाद से बचें, रक्षा साधन कार्य में प्रगति, वाहन में सावधानी, नौकरी में पद-स्थान परिवर्तन, शुभ अंक 4

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
समय एवं परिस्थिति के अनुसार कार्यरत रहें, ऊर्जा एवं साहस से रहें, मन में असुरक्षा की भावना रहेगी, स्वजन का ध्यान रखें, अध्ययन में रुचि, चयन में सफलता, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
स्वजन का सहयोग, धनागम में प्रयास, पूंजी निवेश में सावधानी, महिला से सहयोग, विचारों में अनबन, वाहन-आभूषण योग, संतान से सहयोग, लेखन में प्रगति, शत्रुपक्ष प्रभावी, जीवनसाथी का मिलन, रक्षा साधन कार्य में सफलता, स्थान-पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा)
व्यापार में प्रगति, अर्थसाधन में सुधार, भौतिक लाभ प्राप्त होगा, विदेश कार्य योजना में प्रगति, संकोच से बचें, जनकल्याण में सहयोग, भूमि-भवन कार्य में देरी, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष प्रभावी, जीवनसाथी का मिलन, वाहन में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
व्यापार कार्य में सफलता, अर्थसाधनों में प्रयास करें, पूंजी निवेश में सावधानी, चिंता का समाधान, वाहन-भवन साज सज्जा योग, मन को एकाग्र करें, संतान के लिए कार्य योजना, मित्रों से सहयोग, वाद-विवाद से बचें, दांपत्य में सुख, आय में सुधार, शुभ अंक 8

दैनिक जागरण

हम आत्मबल से प्रतिकूल परिस्थिति को अनुकूल बना सकते हैं

चीन को जवाब

वियतनाम के नए प्रधानमंत्री को जीत की और वहां की कम्युनिस्ट पार्टी को सालगिरह की बधाई देकर भारतीय प्रधानमंत्री ने एक तीर से कई निशाने साधने वाला ही काम किया। भारतीय प्रधानमंत्री ने अपने वियतनामी समकक्ष से वार्ता के दौरान एक खुले, समावेशी, शांतिपूर्ण और नियम-आधारित हिंद महासागर क्षेत्र को लेकर जो प्रतिबद्धता व्यक्त की, वह एक तरह से चीन को दिया जाना वाला यह संकेत है कि वह इस क्षेत्र की स्थिरता में बाधक बन रहा है। चीन को ऐसे साफ संकेत देने का सिलसिला तेज होना चाहिए, क्योंकि इसके आसार नहीं दिख रहे कि वह सीमा विवाद के मामले में अपने अड़ियल रवैये का आसानी से परित्याग करेगा। यह अच्छा है कि पिछले कुछ समय से चीन के प्रति भारतीय नेतृत्व के तेवर बदले हुए दिखाई दे रहे हैं। अभी हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को उनके 86वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और फिर इस बारे में ट्वीट कर जानकारी भी सार्वजनिक की। यह इसलिए उल्लेखनीय रहा कि अभी हाल तक भारत की ओर से ऐसे प्रसंगों को रेखांकित नहीं किया जाता था। यदि भारत इस नतीजे पर पहुंच रहा है कि चीन को सही रास्ते पर लाने के लिए उसकी दुखती रगों को दबाना होगा तो यह शुभ संकेत है।

इसका कोई मतलब नहीं कि भारत तो चीन की संवेदनशीलता की चिंता करे, लेकिन वह भारतीय हितों की अनदेखी ही करता रहे। चीन को यह बताया ही जाना चाहिए कि ताली एक हाथ से नहीं, दोनों हाथों से बजती है। निःसंदेह तिब्बत और वहां के धर्मगुरु दलाई लामा चीन के लिए एक नाजुक मसला हैं, लेकिन यदि चीन यह चाहता है कि भारत उसके नाजुक मसलों पर संयम बरते तो फिर ऐसा ही उसे भारत के संवेदनशील मसलों पर करना होगा। उचित यह होगा कि भारत सरकार दलाई लामा के जरिये तिब्बत के सवालों को उभारने तक ही सीमित न रहे। उसे तिब्बत के मसले को सतह पर लाने के लिए भी सक्रियता दिखानी चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि भारत की यह घोषित नीति रही है कि तिब्बत चीन का स्वायत्तशासी क्षेत्र है। अब जब चीन ने तिब्बत की स्वायत्तता हड़प ली है तो फिर भारत के लिए यह ठीक नहीं कि वह इस क्षेत्र के साथ हो रहे अन्याय को लेकर मौन धारण किए रहे। भारतीय नेतृत्व को चीन से अपनी नाखुशी प्रकट करने का कोई भी अवसर छोड़ना नहीं चाहिए-ठीक वैसे ही जैसे उसने इस माह के प्रारंभ में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के स्थापना दिवस पर उसे शुभकामनाएं देना जरूरी नहीं समझा। यह सिलसिला कायम रहे और ताइवान एवं हांगकांग पर भी भारत अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करे तो बेहतर।

अपवित्र हो रहा मुरथल

दिल्ली से महज 45 किलोमीटर दूर अंबाला जाने वाले मार्ग पर स्थित मुरथल के पराठे पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ये ढाबे हरियाणा के लिए गौरव का विषय हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से इनमें से कुछ ढाबों पर अनैतिक कार्य हो रहे हैं और इससे पवित्र माने जाने वाले इन ढाबों की गरिमा को ठेस पहुंच रही है। निश्चित रूप से अनैतिक कार्यों में जो ढाबे संलिप्त हैं, उनकी संख्या अल्प ही है, लेकिन वे मुरथल पर कलंक लगाने के लिए पर्याप्त हैं। इन दिनों यहां के कुछ ढाबों पर मादक पदार्थ उपलब्ध कराए जाने लगे हैं। देह व्यापार भी चलने लगा है। सोनीपत पुलिस ने कुछ के विरुद्ध कार्रवाई भी की है। वैसे स्थानीय लोगों का कहना है कि ये सब पुलिस की जानकारी में होता है और वह मुद्राओं के लिए आंखें बंद किए रहने की मुद्रा में रहती है। तब तक जब तक कि शीर्ष अधिकारियों की तरफ से उसे आंखें खोलने के लिए विवश न किया जाए, अन्यथा जो अनैतिक गतिविधियां चल रही हैं, वह आरंभ ही न हो पातीं। विचारणीय है कि मुरथल के ढाबों पर सामिष भोजन नहीं मिलता और यह भी कि सोनीपत जिले में पड़ने वाले मुरथल के ढाबों की प्रसिद्धि भले ही पराठों से है, लेकिन वहां के ढाबों पर परोसे जाने वाले स्वादिष्ट निरामिष भोजन का आनंद लेने के लिए लोग अगल-बगल के नगरों से भी आते हैं। दिल्ली से चंडीगढ़-पंजाब-हिमाचल-जम्मू जाने वाले जो लोग अपने वाहन से जाते हैं, उनमें अपवाद स्वरूप ही कोई होगा जो मुरथल के ढाबों पर भोजन ग्रहण करने के अवसर को चूकता हो। इसका कारण मुरथल के ढाबों पर आधुनिक सुविधाओं के साथ भोजन की शुद्धता और वहां का पवित्र वातावरण है। इसलिए लोग सपरिवार वहां भोजन करने को वरीयता देते हैं, लेकिन जब उन्हें यहां चलने वाली अनैतिक गतिविधियों की जानकारी होगी तो वे यहां आने से स्वतः मुंह मोड़ने लगेंगे। इससे उन ढाबों की भी हानि होगी, जो अपनी पवित्रता बनाए रखे हुए हैं। इसलिए यह उनका भी दायित्व है कि ऐसे अपवित्र आचरण करने वाले ढाबों के संचालकों और अनैतिक गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगवाने के लिए सचेत हों। प्रयास करें।

अनैतिक गतिविधियां भले ही कुछ ढाबों पर हो रही हैं, लेकिन इससे हानि तो सबकी हो रही है

मंत्रिपरिषद का असरदार विस्तार



संजय गुप्त

चुनौती भरी परिस्थिति में नए चेहरों को आगे करके प्रधानमंत्री मोदी ने यह संदेश भी दिया कि भाजपा भविष्य की सोचती है

कोविड महामारी के कारण न केवल विश्व की अर्थव्यवस्था पटरी से उतरी हुई है, बल्कि बेरोजगारी भी चरम पर है। भारत भी इस समस्या से अछूता नहीं। मोदी सरकार के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना और निम्न एवं और मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। इस चुनौती के बीच उन्होंने अपने दो साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार किया। वैसे तो केंद्रीय मंत्रिपरिषद में विस्तार एक अर्से से प्रस्तावित था, लेकिन बीते कुछ दिनों से यह स्पष्ट था कि अब इसमें देर नहीं होने वाली। जैसे ही कोविड महामारी का कहर थमा, मोदी ने मंत्रिपरिषद का प्रतीक्षित काम पूरा किया। यह विस्तार ऐसे समय पर किया गया जब कुछ ही महीनों बाद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण है। यहां से 80 सांसद चुने जाते हैं। चूंकि केंद्रीय सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है, इसलिए इस राज्य में सत्ता बनाए रखना भाजपा की पहली प्राथमिकता होगी। मंत्रिपरिषद के विस्तार के साथ उत्तर प्रदेश के मंत्रियों की संख्या 15 हो गई है। इनमें दलित, ओबीसी के साथ-साथ अगड़े वर्गों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देकर प्रधानमंत्री ने राज्य की जनता और साथ ही विपक्षी नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया। इस संदेश के चलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा को चुनाव के समय सामाजिक समीकरण साधने में आसानी होगी।

चूंकि अगले वर्ष के अंत में हिमाचल प्रदेश में भी चुनाव हैं, इसलिए वहां के युवा नेता अनुराग ठाकुर को पदोन्नत करके कैबिनेट मंत्री बनाया गया। अनुराग ठाकुर को कैबिनेट मंत्री बनाकर मोदी ने देश के युवाओं को भी संदेश दिया है। मंत्रिपरिषद विस्तार में अन्य राज्यों का भी ध्यान रखा गया है। मंत्रिपरिषद के विस्तार के साथ कुल मंत्रियों की संख्या 77 हो गई है। इनमें सबसे अधिक संख्या आदिवासी, दलितों और ओबीसी नेताओं की है। एक समय यह कहा जाता था कि भाजपा अगड़ों की पार्टी है। अब कोई भी ऐसा नहीं कह सकता। यह भी उल्लेखनीय है कि मंत्रिपरिषद में महिलाओं की संख्या बढ़कर 11 हो गई है।

चूंकि महाराष्ट्र भाजपा के लिए एक चुनौती बन गया है इसलिए मंत्रिपरिषद विस्तार में राज्यसभा सदस्य नारायण राणे को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया। राणे पूर्व शिवसैनिक हैं और कोंकण क्षेत्र में खासा असर रखते हैं। वह यह जानते हैं कि शिवसेना से कैसे निपटा जा सकता है। महाराष्ट्र में भले ही शिवसेना सहयोगी दलों कांग्रेस और एनसीपी के साथ सहज दिखने का दिखावा कर रही हो, लेकिन ऐसा है नहीं। मंत्रिपरिषद विस्तार में ज्योतिरादित्य सिंधिया का शामिल होना तय था और ऐसा ही हुआ। उन्हें मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनवाने का पुरस्कार दिया गया। वह भाजपा में इसीलिए शामिल हुए, क्योंकि कांग्रेस ने उन्हें तरजीह नहीं दी। यह ध्यान रहे कि उनकी दादी विजयाराजे सिंधिया भाजपा की संस्थापक सदस्य थीं। उन्हें नागरिक उड्डयन मंत्रालय मिला है। एक समय यह मंत्रालय उनके पिता माधवराव सिंधिया ने भी संभाला था।

मोदी ने राज्यसभा सदस्य अश्विनी वैष्णव को जिस तरह सीधे कैबिनेट मंत्री बनाया, वह उल्लेखनीय है। अश्विनी वैष्णव पूर्व आइएएस अधिकारी हैं और तकनीक के साथ प्रबंधन के भी विशेषज्ञ माने जाते हैं। उनके मंत्री बनने से एस जयशंकर और हरदीप सिंह पुरी का स्मरण स्वाभाविक है, जो इसी तरह सीधे मंत्री बने थे। ऊर्जा मंत्री आरके सिंह भी पूर्व आइएएस अधिकारी हैं, लेकिन वह चुनाव लड़कर लोकसभा पहुंचे।



अवधेश राजपूत

मंत्रिपरिषद के विस्तार के साथ उसमें फेरबदल भी हुआ और सबसे चौंकाने वाली बात रही चार दिग्गज मंत्रियों- रविशंकर प्रसाद, प्रकाश जावडेकर, रमेश पोखरियाल निशंक और डॉ. हर्षवर्धन की छुट्टी। वैसे तो इसके स्पष्ट कारण शायद ही कभी सामने आएं कि इतने दिग्गज मंत्रियों के इस्तीफे क्यों लिए गए, लेकिन ऐसा करके प्रधानमंत्री ने यह संकेत दिया कि किसी के काम में कहीं कोई ढिलाई स्वीकार नहीं। रविशंकर प्रसाद कानून और आइटी मंत्रालय के साथ संचार मंत्रालय भी संभाल रहे थे। चूंकि वह दिग्गज इंटरनेट मीडिया कंपनियों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे थे इसलिए उनका जाना चौंकाने वाला रहा। जाहिर है कि उनके काम में कहीं कोई कमी रही होगी, अन्यथा तीन मंत्रालय संभालने के बाद भी छुट्टी क्यों होती? हर्षवर्धन के बारे में अवश्य यह कहा जा सकता है कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कोविड रोगियों के उपचार की समुचित व्यवस्था न कर पाना उनके लिए भारी सिद्ध हुआ। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि दूसरी लहर में सरकार भी कठघरे में खड़ी नजर आई। ऐसा लगता है कि दूसरी लहर में सामने आईं समस्याओं की जवाबदेही के कारण हर्षवर्धन को जाना पड़ा। यही बात श्रम मंत्री संतोष गंगवार पर भी लागू होती है। उनका मंत्रालय प्रवासी मजदूरों की समस्याओं का सामना सही तरह नहीं कर सका। शायद कुछ इसी तरह की कमी प्रकाश जावडेकर और निशंक के कामकाज में भी रही। निशंक के बारे में यह कहा जाता है कि एक तो वह कोरोना की चपेट में आने के बाद बीमार रहने लगे थे और दूसरे, उनसे कुछ गलतियां भी हुईं।

चूंकि मंत्रिपरिषद के विस्तार में कई वरिष्ठ मंत्रियों को दरकिनार किया गया इसलिए प्रधानमंत्री अब अपेक्षाकृत एक युवा टीम का नेतृत्व करते दिख रहे हैं। हो सकता है कि हटाए गए मंत्रियों को संगठन में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाए, लेकिन उन्हें हटाने को नए लोगों को मौका देने की दृष्टि से भी देखा जाना चाहिए। जो नए चेहरे लाए गए उनमें से अधिकतर पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं। चुनौती भरी परिस्थिति में नए चेहरों को आगे करके प्रधानमंत्री मोदी ने यह संदेश भी दिया कि भाजपा भविष्य की सोचती है। मंत्रिपरिषद में शामिल लोगों के लिए इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता कि उन्हें मोदी के नेतृत्व में सीखने और काम करने का मौका मिले, जो आज के दिन सबसे बेहतर राजनीतिक सूझ-बूझ वाली शख्सीयत हैं। सटीक राजनीतिक समझ के मामले में उनका कोई सानी नहीं। हैरत नहीं कि उन्होंने मंत्रिपरिषद विस्तार के जरिये नई पीढ़ी के नेताओं को इसीलिए आगे किया हो ताकि भविष्य की भाजपा की नींव रखी जा सके।

response@jagran.com

कहीं दीप जले, कहीं दिल

हास्य-व्यंग्य



लोकतंत्र और संविधान बचाने की कसम खाकर वह जैसे ही बाहर निकले, हम उनकी ओर लपके। वह भारी भीड़ से घिरे थे। हमें देखते ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को किनारे कर दिया। उन्हें शुभकामना देते हुए हमने समय मांगा तो बोले, 'मुझे खुशी है कि आप मेरी आवाज जनता तक पहुंचा रहे हैं। कहिए कहां चलकर बात करें?' उनकी इस उदारता पर निछावर होते हुए मैंने तुरंत प्रस्ताव फेंका, 'कोने में ठीक रहेगा?' वह हंसते हुए बोले, 'क्यों नहीं! बस हमें अखबार के कोने में मत धकेल दीजिएगा। मेरी संघर्ष-कथा को यदि मुख्य पन्ने पर स्थान मिले तो जनता का बड़ा हित होगा।'

उनकी यह बात सुनकर मैं दंग रह गया। ऐसे समय में जब जनहित का भयंकर 'टोटा' पड़ा हो, उसकी बात भी करना किसी दुस्साहस से कम नहीं, तब उनका जनता और उसके हित के बारे में सोचना सोने पर सुहागा है। तसल्ली हुई कि सही आदमी से सवाल कर रहा हूं। बिना देरी किए मैंने बात जारी रखी, 'आपको मंत्रिमंडल में शामिल होने पर कैसा लग रहा है?' 'जी, मंत्री पद मिलना कोई लॉटरी लगने जैसा नहीं है। हमने इसके लिए बकायदा होमवर्क किया है। पुरानी विचारधारा त्यागी। नई निष्ठा पकड़ी। पुरानी पार्टी एवं पुराने समीकरण तोड़े। जातीय, क्षेत्रीय और चुनावी-एंगल वाले कई टेस्ट पास किए। तब यहां तक आए हैं। इतनी मेहनत का फल तो मिलना ही था। अब मैं सुख और दुख जैसे सांसारिक चोंचलों से परे हो गया हूं। पहले मुझे जो विकराल समस्याएं लगती थीं, अब जरूरतें लगने लगी हैं। हमारे सोच का दायरा पेट्रोल-पंप के मीटर से भी ज्यादा बढ़ रहा है। हमें साफ और सिर्फ बेहतर दिखे इसलिए चश्मा भी बदल लिया है। इससे भ्रष्टाचार और महंगाई जैसी सारहीन चीजें दिखती ही नहीं। निवेदन है कि सवाल भी आप जरा सलीके वाले करें। ट्विटर जैसा व्यवहार न करें।'



संतोष त्रिवेदी

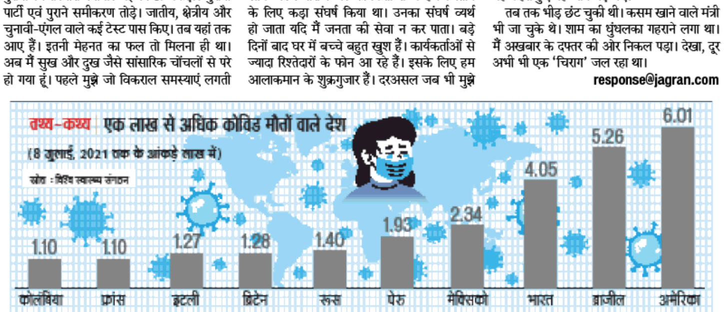
मंत्री पद मिलना कोई लॉटरी लगने जैसा नहीं है। इसके लिए बहुत सारे 'वर्क-होमवर्क' करने पड़ते हैं

'आप बिल्कुल निसाखातिर रहें। हम बहुत जिम्मेदार हैं। यह सुनने में आया है कि नाराजगी के चलते आपको मौका दिया गया। आखिर किस बात से नाराज थे आप?' 'देखिए, हमें किसी पद की लालसा कभी नहीं रही। हमारा पूरा जीवन संघर्ष में बीता है। संघर्ष करते गए, पद अपने आप मिलते गए। हां, मेरे लोग जरूर नाराज थे। कार्यकर्ताओं ने हमें जिताने के लिए कड़ा संघर्ष किया था। उनका संघर्ष व्यर्थ हो जाता यदि मैं जनता की सेवा न कर पाता। बड़े दिनों बाद घर में बच्चे बहुत खुश हैं। कार्यकर्ताओं से ज्यादा रिश्तेदारों के फोन आ रहे हैं। इसके लिए हम आलाकमान के शुक्रगुजार हैं। दरअसल जब भी मुझे जनसेवा करने से वंचित किया जाता है, विद्रोही हो उठता हूं। इसके लिए मैं किसी बात का लिहाज नहीं करता। मेरे लिए जनसेवा सर्वोपरि है। वह हम हर हाल में करके रहेंगे। मेरे इस संकल्प के पीछे खास वजह है। बचपन में ही एक बड़े ज्योतिषी ने बताया था कि मेरी कुंडली में राजयोग है। फिर इसे नकारने वाले हम और आप कौन होते हैं!' वह अपने मंत्रालय की नई बनी इमारत की ओर निहारते हुए बोले।

तभी सामने से दूसरे सज्जन तेजी से निकलते दिखाई दिए। हमने उनको टोक दिया। 'भई, मैं 39 मिनट पहले तक मंत्री था, अब नहीं। अब मुझसे क्या पूछोगे?' हमने पूछा, मंत्रिमंडल से आपकी निकासी के पीछे क्या कारण रहे?' 'ज्यादा कुछ तो मुझे भी नहीं मालूम, पर सुनने में आ रहा है कि आलाकमान कहता है कि उसे चकमक पत्थर नहीं, पारस चाहिए। ऐसा बंदा हो जो एक साथ कई काम निपटा सके। विपक्षी इतने भर से ही लहालोट हैं कि कुछ पक्षियों के पर कतरे गए हैं। कुछ यह भी कह रहे हैं कि बहुत दिनों बाद आखिरकार सरकार के हाथ मास्टर-स्ट्रोक लगा है। बाकी असल स्ट्रोक किसे लगा है, यह आप लोग ही बताएंगे। मैं तो बस इतना जानता हूं कि मेरे प्रदेश में फिलहाल चुनाव नहीं हैं। मेरी किस्मत ही खराब है।' यह कहते हुए वह आगे बढ़ गए।

तब तक भीड़ छंट चुकी थी। कसम खाने वाले मंत्री भी जा चुके थे। शाम का धुंधलका गहराने लगा था। मैं अखबार के दफ्तर की ओर निकल पड़ा। देखा, दूर अभी भी एक 'चिराग' जल रहा था।

response@jagran.com



ऊर्जा

पुरुषार्थ सिद्धि

मानव जीवन के प्रयोजन की सिद्धि जिनके द्वारा होती है, पुरुषार्थ कहलाते हैं। पुरुषार्थ चार हैं-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह मानव शरीर सभी योनियों में इसीलिए श्रेष्ठ है, क्योंकि इनकी सिद्धि इसी शरीर से संभव है। प्रथम तीन पुरुषार्थ तो प्रायः सभी दर्शन स्वीकार करते हैं, क्योंकि वे चतुर्थ की सिद्धि प्रथम तीन से ही मानते हैं। भोगवादी दर्शन दो ही पुरुषार्थ स्वीकार करता है अर्थ और काम। उसके अनुसार मानव जीवन का परम उद्देश्य भोगों की पूर्ति है, जिसके लिए न धर्म की जरूरत है, न मोक्ष की।

धर्म वह है, जो अभ्युदय और निःश्रेयस की प्राप्ति कराए। अभ्युदय इह लोक में उन्नति की बात करता है तो निःश्रेयस पारलौकिक उन्नति की। अतः धर्म दोनों लोकों में कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। अर्थ से तात्पर्य धनादि द्रव्य से है, जिसके बिना न धर्म की प्राप्ति संभव है, न कामनाओं की पूर्ति। विविध कामनाओं एवं इच्छाओं को काम की संज्ञा दी जाती है, जिसके बिना भी यह जीवन पूर्ण नहीं होता। मोक्ष का तात्पर्य मुक्ति से है। अधिकांश लोगों की अवधारणा है कि यह मृत्यु के बाद की स्थिति है, पर ऐसा है नहीं। वस्तुतः जागतिक प्रपंचों से मुक्ति ही मोक्ष है। यदि मनुष्य चाहे तो इनसे मुक्त रहकर इस जीवन में ही मोक्ष प्राप्त कर सकता है।

इन पुरुषार्थों का क्रम अत्यंत वैज्ञानिक है। प्रथम स्थान पर धर्म को रखने का प्रयोजन इसके प्रतिपादक ऋषि की दूरदर्शिता को प्रकट करता है। भ्रष्टाचार मुक्त सामाजिक संरचना के लिए यह क्रम महत्वपूर्ण है। यदि धर्म पालन करते हुए अर्थ और काम की प्राप्ति की जाए तो मानव जीवन का प्रयोजन और लोकतंत्र की सिद्धि, दोनों स्वतः हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश जब लोग धर्म छोड़कर अर्थ और काम की प्राप्ति में लग जाते हैं तभी अनीति और भ्रष्टाचार पनपते हैं। अतः लोकहित में धर्म का पालन करते हुए अर्थ और काम की पूर्ति के लिए यत्न करना चाहिए। तभी लोकतंत्र का निहितार्थ सफल हो सकेगा और पुरुषार्थ की सिद्धि भी।

डॉ. सत्य प्रकाश मिश्र

बाहरी चंद्रमाओं पर जीवन संभव

मुकुल व्यास

हमारे ब्रह्मांड में ऐसे ग्रहों की संख्या अनगिनत है जिनका कोई मेजबान तारा नहीं है, लेकिन ऐसे ग्रहों के आसपास कई चंद्रमा हैं। विज्ञानियों का ख्याल है कि इन चंद्रमाओं पर वायुमंडल हो सकता है। जर्मनी में म्यूनिख के लुडविग मैक्सिमिलन विश्वविद्यालय (एलएमयू) के खगोल भौतिकविदों ने हिसाब लगाया है कि ऐसे चंद्रमाओं पर समुचित मात्रा में पानी की मौजूदगी हो सकती है। इतना पानी जीवन के निर्माण और जीवन के पनपने के लिए पर्याप्त होगा। पानी का तरल रूप जीवन के लिए अमृत है। इसी वजह से पृथ्वी पर जीवन संभव हुआ। हमारे ग्रह पर समस्त जैविक प्रणालियों के निरंतर अस्तित्व के लिए इसकी मौजूदगी अनिवार्य है। यही वजह है कि विज्ञानी ब्रह्मांड के दूसरे ठोस खगोलीय पिंडों में पानी की मौजूदगी के प्रमाण खोजते रहते हैं। अभी तक पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों पर तरल जल की उपस्थिति का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला है। बहरहाल हमारे अपने सौरमंडल के बाहरी हिस्सों में कई चंद्रमाओं पर सतह के नीचे समुद्र होने के संकेत जरूर मिले हैं। इनमें शनि के एंसेलेडस चंद्रमा और बृहस्पति के तीन चंद्रमाओं-गैनिमीड, कैलिस्टो और यूरोपा का उल्लेख कई बार किया जा चुका है। यदि हमारे सौरमंडल के चंद्रमाओं पर पानी होने की संभावना है तो सौरमंडल के बाहर दूसरे ग्रहों के चंद्रमाओं पर भी पानी की मौजूदगी संभव है।

पानी का तरल रूप जीवन के लिए अमृत है। इसी वजह से पृथ्वी पर जीवन संभव हुआ

एलएमयू के खगोल भौतिकविदों प्रो. बारबरा एर्कोलानो और डॉ. टोम्मासो ग्रासी ने एक बाहरी चंद्रमा के वायुमंडल और उसकी दूसरी रासायनिक विशेषताओं के अध्ययन के लिए एक मॉडल तैयार किया है। उन्होंने एक ऐसा चंद्रमा चुना जो स्वतंत्र रूप से विचरने वाले ग्रह का चक्कर लगाता है। खगोल विज्ञानी ऐसे ग्रह को फ्री-फ्लोटिंग प्लेनेट (एफएफपी) भी कहते हैं। स्वतंत्र रूप से विचरने वाले ग्रहों में खगोल विज्ञानियों की बढ़ती दिलचस्पी की वजह यह है कि ऐसे ग्रहों की भरमार होने के प्रमाण मिल चुके हैं। मिल्की-वे आकाशगंगा में करीब 100 अरब तारों की उपस्थिति का अनुमान लगाया गया है और घुमक्कड़ ग्रहों की संख्या भी 100 अरब से ज्यादा है। एक एफएफपी के इर्दगिर्द चक्कर लगाने वाले एक चंद्रमा के वायुमंडल के अध्ययन से पता चला है कि उसकी सतह पर मौजूद पानी की मात्रा पृथ्वी के वायुमंडल में विद्यमान पानी से 100 गुणा अधिक होगी। इतना पानी जीवन के विकसित होने और पनपने के लिए पर्याप्त है। ऐसी ग्रह प्रणाली में मेजबान तारा नहीं होता। तारे के बिना ऐसी ग्रह प्रणालियां बेहद ठंडी होती हैं। शोधकर्ताओं के मॉडल के मुताबिक ब्रह्मांडीय किरणें एफएफपी के चंद्रमा पर हाइड्रोजन और कार्बन डाईऑक्साइड को पानी और अन्य उत्पादों में बदल सकती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार चंद्रमा पर पड़ने वाला ग्रह का ज्वारीय बल भी ऊष्मा का स्रोत हो सकता है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

एक थे मंत्री

अभी हाल में ही केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बड़ा फेरबदल हुआ है। एक दर्जन मंत्री बाहर हो गए। कुछ के लिए तो इसे छोटा-सा ब्रेक माना जा रहा है, लेकिन कई ऐसे भी हैं जिनपर अब सदा के लिए-एक थे मंत्री का तमगा भी लग सकता है। कुछ को तो भरोसा मिल गया है कि उन्हें संगठन में इस्तेमाल किया जाएगा। यानी उनकी आगे की राह खुली है, लेकिन कइयों को इसका अहसास होने लगा है कि आगे सक्रिय राजनीति का रास्ता बंद है। बताते हैं कि ऐसे पूर्व मंत्री अब यह भी पता लगाने लगे हैं कि किसी राजभवन की सड़क खुली है या नहीं। वैसे इसी माह के अंत में कुछ राज्यों में राजभवन खाली होने वाले हैं। किसी छोटे राज्य में भी जगह मिल गई तो एक थे मंत्री के बजाय महामहिम तो कहलाएंगे।



सर नहीं, बॉस

राज्यसभा के रास्ते पहली बार केंद्रीय कैबिनेट का हिस्सा बनकर अश्विनी वैष्णव ने सबको चौंका दिया, लेकिन रेल मंत्रालय में पदभार संभालने के साथ ही फुल स्विंग में काम शुरू करके कोरोना की सुस्ती में घिरे रेलवे के बाबुओं की नींद उड़ा दी है। सुना है, रात दिन काम करेंगे। सिर्फ सोने के समय आवास पर जाएंगे, लेकिन रेलवे के लोग तब चौंक गए जब नए रेल मंत्री वैष्णव अफसरों और स्टाफ से मिलने उनके ही ऑफिस में पहुंचने लगे। हर किसी से उसका हालचाल पूछा और प्रोत्साहित किया। इसी दौरान एक अफसर ने मंत्री को बताया कि सर, आपने जिस स्कूल से पढ़ाई की है हमारे एक सहयोगी भी उसी स्कूल से पढ़कर रेलवे में पहुंचे हैं। उन्होंने उस स्टाफ से मिलना चाहा तो अभिभूत कर्मचारी हाथ जोड़कर नमस्कार के अंदाज में कहा, सर...। लेकिन अश्विनी ने कहा ऐसे नहीं, गले मिलो। गले मिलकर कहा, सर, नहीं मैं तुम्हारा सीनियर हूं। सीनियर को सर नहीं, बॉस कहते हैं। याद रखना।

राजरंग

नई उलझन

शिक्षा से जुड़े अहम सुधारों को देख मंत्रिपरिषद के बदलाव में शिक्षा मंत्रालय पर खूब मेहरबानी बरसी। महकमे को इस बार कैबिनेट मंत्री के साथ तीन-तीन राज्य मंत्री दिए गए हैं। महकमे को संभालने के लिए चार लोगों की भारी भरकम टीम मिली है। शिक्षा मंत्रालय के गठन के बाद से अब तक इस महकमे में कभी भी एक साथ इतने मंत्री नहीं रहे। अधिकतम दो राज्य मंत्री ही रहे हैं। फिलहाल जब से एक साथ कैबिनेट मंत्री के साथ तीन-तीन राज्यमंत्रियों की तैनाती हुई है, पूरा महकमा परेशान है। सबसे बड़ी चिंता तो इस बात की है, इन्हें बैठाए कहां, क्योंकि मंत्रालय के पास एक ही राज्यमंत्री के बैठने भर की व्यवस्था है। इससे पहले जब दो राज्य मंत्री आए थे, तब किसी तरह से जुगाड़ करके बैठाया गया था, लेकिन इस बार तो तीन-तीन राज्यमंत्री धमक गए हैं। बहरहाल रास्ता खोजा जा रहा है। किसी बड़े अफसर को कहीं और शिफ्ट कर नई जगह बनाई जा सकती है।

गजब का भरोसा

मंत्रिपरिषद में फेरबदल को लेकर इस महीने की शुरुआत से ही चर्चा गरम थी। कई मंत्रियों ने दिल्ली से बाहर जाना बंद कर दिया था तो कुछ ने मीडिया से बात करनी बंद कर दी थी, लेकिन एक मंत्री ऐसे थे, जो इस सबसे बेपरवाह थे। हद तो यह थी कि जिस दिन कैबिनेट से कुछ बड़े दिग्गजों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा था, तब वह विदेश में थे। कहने की जरूरत नहीं कि वह विदेश मंत्री एस जयशंकर थे। हर दूसरे मंत्रालय में जहां अजीब-सा सन्नाटा फैला था वहीं विदेश मंत्रालय में सब कुछ सामान्य तौर पर चल रहा था, क्योंकि सभी को यह पता था कि पूरे बदलाव में जयशंकर जैसा सुरक्षा कवच और किसी के पास नहीं है। राजनीति की अजीब विडंबना यही होती है। वैसे विदेश सेवा से आए जयशंकर जिस तरह से बतौर विदेश मंत्री अपने कर्तव्य को निभा रहे हैं उससे आलाकमान भी काफी संतुष्ट है।



संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

470 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया था 2017 से लेकर 2020 तक के लिए, संस्कृति मंत्रालय के माध्यम से संचालित एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'नेशनल मिशन ऑन कल्चरल मैपिंग एंड रोडमैप' के तहत।

आजकल



अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

यथास्थितिवाद से उबारने की चुनौती

किसी देश या समाज को समग्रता में समझने के लिए सबसे पहले वहां की संस्कृति को समझना चाहिए। लेकिन हमारी सरकारों ने संस्कृति के पर्याप्त विकास की दिशा में बहुत सार्थक प्रयास नहीं किया है। वैसे हालिया मंत्रिपरिषद विस्तार से कुछ ऐसे संकेत मिले हैं जो ये दर्शाते हैं कि केंद्र सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। अब देखना यह होगा कि सांस्कृतिक विकास से संबंधित मंत्रालयों के मंत्री इस दिशा में किस प्रकार कदम आगे बढ़ाते हैं



संस्कृति को समृद्ध बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी : जी. किशन रेड्डी। फाइल



सभी तक गुणवत्तायुक्त शिक्षा पहुंचाने की जवाबदेही : धर्मेंद्र प्रधान। फाइल



समस्याओं और विवादों को सुलझाने की चुनौती : अनुराग ठाकुर। फाइल

संस्कृति एक ऐसा विषय है जिसको लेकर वर्तमान सरकार से पूरे देश को बहुत उम्मीदें हैं, अपेक्षाएं भी। संस्कृति का फलक इतना व्यापक है कि कई मंत्रालय इसके अंतर्गत काम करते हैं। मुख्यतया तीन मंत्रालय ही देश की संस्कृति को मजबूत और समृद्ध करने का काम करते हैं। संस्कृति मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय व सूचना और प्रसारण मंत्रालय। मंत्रिपरिषद के हालिया विस्तार में इन तीनों मंत्रालयों के मंत्री बदले गए हैं। नरेंद्र मोदी जब 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने थे तब से ही संस्कृति मंत्रालय का जिम्मा स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री के पास था। अब संस्कृति मंत्रालय का जिम्मा प्रधानमंत्री ने कैबिनेट मंत्री जी. किशन रेड्डी को सौंपा है। उनके साथ दो राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी और अर्जुन राम मेघवाल भी संस्कृति मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालेंगे। लंबे अरसे के बाद संस्कृति मंत्रालय को इतनी अहमियत मिली है। संस्कृति मंत्रालय के जिम्मे कई सारे ऐसे कार्यक्रम हैं जो पिछले कई वर्षों से बहुत धीमी गति से चल रहे हैं। इसमें एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है- नेशनल मिशन ऑन कल्चरल मैपिंग एंड रोडमैप। करीब चार-पांच साल पहले इसकी शुरुआत हुई थी और तब इसको कला-संस्कृति विकास योजना के अंतर्गत रखा गया था। वर्ष 2017 से लेकर 2020 तक इस काम के लिए करीब 470 करोड़ रुपये का बजट भी स्वीकृत किया गया था। कुछ दिनों बाद मंत्रालय के संयुक्त सचिव, जो इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र का काम भी देखते थे, उनको इस मिशन का जिम्मा सौंपा गया था। इस मिशन के उद्देश्य को मोटे तौर पर तीन हिस्सों में बांटा गया था। पहला था, हमारी संस्कृति हमारी पहचान अभियान, दूसरा था सांस्कृतिक प्रतिभा खोज अभियान और तीसरा सबसे महत्वपूर्ण था कि पूरे देश की सांस्कृतिक संपत्ति और साधन की खोज करना तथा उसका एक डाटाबेस तैयार करके एक पोर्टल पर डालना। इस पोर्टल को इतना संपन्न बनाना था कि इसमें एक ही जगह पर देश के सभी हिस्सों के कला रूपों और कलाकारों की जानकारी हो। कलाकारों से लेकर कला के विभिन्न रूपों की जानकारी वाला यह पोर्टल अगर पूरी तरह तैयार हो पाता तो कोरोनाकाल में जरूरतमंद कलाकारों की पहचान हो पाती और उनको सरकारी मदद समय पर मिल पाती। पता नहीं किन वजहों से सांस्कृतिक मैपिंग का यह कार्य या तो फाइलों में ही अटका हुआ है या बहुत धीमी गति से चल रहा है। नए मंत्री के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती है कि वह इस काम में तेजी लाएं।

अगले साल हम देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं और हमें अब तक अपने देश की सांस्कृतिक संपत्ति और संसाधन का ही पता नहीं है। जब तक कला संपदा और संसाधन का आकलन नहीं हो पाएगा, तब तक संस्कृति को लेकर ठोस योजनाएं बनाना और उनका क्रियान्वयन कैसे संभव हो पाएगा।

संस्कृति मंत्रालय का एक और बेहद महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है प्रधानमंत्रियों का संग्रहालय। यह दिल्ली में बनना है। इमारतें तो बन जाएंगी, उसकी साज-सज्जा भी हो जाएगी, लेकिन उस संग्रहालय में जो फिल्में दिखाई जाएंगी या जो ऑडियो प्रेजेंटेशन होगा उसका स्तर कैसा होगा, इस पर ध्यान देने की जरूरत पड़ेगी। इनके अलावा उनके सामने नियमित कामकाज की चुनौती है। कई सारे काम अटके हुए हैं जिसकी वजह से साहित्य और कला जगत क्षुब्ध है। साहित्य अकादमी को छोड़कर अन्य अकादमियों का बुरा हाल है। संगीत नाटक अकादमी में साल भर से अधिक समय से चेयरमैन नहीं हैं, कलाकारों को पुरस्कार नहीं दिए जा सके हैं। ललित कला अकादमी लगातार विवादों में है। वहां लगभग अराजकता की स्थिति है। चेयरमैन रिटायर हो जाते हैं, फिर उनको ही चंद दिनों बाद प्रभार दे दिया जाता है। ललित कला अकादमी के कई मामले अदालत में हैं और उसके पूर्व अधिकारियों के खिलाफ सीबीआइ जांच भी चल रही है। यहां की कलाकृतियों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक की नियुक्ति का मामला अदालत में है। प्रशासनिक स्तर पर इन सबकी चूलें कसने की जरूरत है।

शिक्षा मंत्रालय का जिम्मा धर्मेंद्र प्रधान को दिया गया है। उनकी छवि अपने कार्य को कुशलतापूर्वक संपन्न करने की रही है। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की है। इसके साथ ही राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद को क्रियाशील बनाते हुए उसके पुस्तकों की समीक्षा का काम भी बहुत बड़ा है। वर्ष 2005 में पाठ्यपुस्तकों को तैयार किया गया था। उसके बाद मामूली बदलावों के साथ पुस्तकें रीप्रिंट होती आ रही हैं। पिछले साल से खाली पड़े निदेशक के पद को भरना होगा। स्कूली पाठ्यक्रमों के पुस्तकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बनाने के अलावा कॉलेजों के पाठ्यक्रमों को भी नई शिक्षा नीति के हिसाब के करवाने का श्रमसाध्य कार्य करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारत केंद्रित शिक्षा की बात की गई है। पाठ्यक्रम बनाने से लेकर पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने में विद्वानों को चिन्हित करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कला संगीत को बढ़ावा देने की बात की गई है और उसको शिक्षा की मुख्यधारा में लाने पर जोर है। इसके लिए कितने और किस तरह के संसाधनों की आवश्यकता होगी, इसका आकलन कर क्रियान्वयन करवाने की चुनौती भी बड़ी होगी। एक महत्वपूर्ण कार्य कॉलेजों और स्कूलों की क्लस्टरिंग का है। यह कार्य विधायी संशोधन की मांग करता है। इसमें राज्य और केंद्र के अधिकारों का प्रश्न भी उठेगा, जिसका हल तलाशना होगा। इनसे इतर एक प्रशासनिक दायित्व है केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति का। दर्जन भर से ज्यादा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति का पद खाली है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में युवा मंत्री अनुराग ठाकुर लाए गए हैं। यहां चर्चा सिर्फ संस्कृति से जुड़े विभागों की होगी। अनुराग ठाकुर को विरासत में कुछ समस्याएं मिली हैं, विवाद भी। उसको सुलझाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। ताजा मामला सिनेमेटोग्राफी एक्ट में संशोधन का है। ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के नियमन के क्रियान्वयन का मामला है। कुछ महीनों पहले मंत्रालय के कई विभागों को मिलाकर एक कर दिया गया था। इनमें फिल्म निदेशालय, प्रकाशन विभाग आदि थे। लेकिन इन विभागों के विलय को मूर्तरूप देना अभी बाकी है। इनमें से एक प्रकाशन विभाग की कार्यशैली का एक उदाहरण काफी होगा। महीनों पहले प्रकाशन विभाग ने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के उद्बोधनों का संकलन प्रकाशित किया था। यह संकलन किसी पुस्तकालय तक पहुंच नहीं पाया है, जबकि इसको देशभर के पुस्तकालयों में पहुंचाने की योजना थी। प्रधानमंत्री से जुड़े संकलन को लेकर अगर यह कार्यशैली है तो बाकी का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। इसी विभाग से एक साहित्यिक पत्रिका निकलती है जो वामपंथियों को अपने कवर पर तो छापती रहती है, लेकिन राष्ट्रीय विचारों को कम जगह देती है। इस मंत्रालय के कई विभागों में नियुक्तियां लंबित हैं। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्यों को लेकर भ्रम की स्थिति है कि उनका कार्यकाल खत्म हो गया है या नहीं। क्षेत्रीय स्तर पर भी सदस्यों को नामित करने का काम होना है।

अभी इन मंत्रियों को पद संभाले तीन-चार दिन ही हुए हैं, लेकिन उनके सामने अपेक्षाओं का अंबार है। तीनों मंत्रालयों के मंत्री युवा हैं, ऊर्जावान हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि वो अपने अपने मंत्रालयों में यथास्थितिवाद को खत्म करेंगे और लंबित पड़े कामों को पूरा करने के अलावा कला और संस्कृति को समृद्ध करने की दिशा में प्रयास करते दिखेंगे।

विश्व जनसंख्या दिवस

आबादी नियंत्रण के लिए सख्ती

लालजी जायसवाल

भारत एक तेजी से उभरता हुआ देश है, जो विकास के साथ तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या की राह पर आगे बढ़ रहा है। लेकिन चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में देश की आबादी बहुत अधिक बढ़ जाएगी। संयुक्त राष्ट्र ने कुछ दिनों पहले दावा किया था कि भारत की आबादी 2024 तक चीन से ज्यादा हो जाएगी। वर्ष 2030 तक भारत की आबादी 1.5 अरब होने की संभावना है। फिलहाल चीन की आबादी 1.41 अरब है और भारत की 1.34 अरब। विश्व की कुल आबादी में चीन की 19 प्रतिशत और भारत की 18 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। यदि ऐसा ही रहा तो भारत 2024 तक चीन की आबादी को पार कर लेगा और 2050 तक 1.66 अरब की आबादी तक होने की संभावना है। अगर चीन से तुलना करें, तो उसकी आबादी 2030 तक स्थिर हो जाने का अनुमान है, जिसके बाद इसमें धीमी गिरावट आ सकती है। वहीं भारत की आबादी में गिरावट 2050 के बाद होने की संभावना है।

आज जब हम विश्व जनसंख्या दिवस मना रहे हैं, तो हमारे देश की आबादी 1.4 अरब के पार जा चुकी है। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण पर जनसमुदाय में विमर्श शुरू होना चाहिए। अगर हमने जनसंख्या बढ़ोतरी की रफ्तार को कम नहीं किया तो 2025 तक हम अर्थव्यवस्था में सुपर पावर बनेंगे या नहीं, विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला देश अवश्य बन जाएंगे।

हालिया आंकड़े पर नजर डालें तो आज के दिन जहां विश्व की कुल जनसंख्या आठ अरब है, वहीं भारत में विश्व की कुल आबादी का छठवां हिस्सा निवास करता है। देश में बढ़ती हुई जनसंख्या विकास की गति को अवरुद्ध कर रही है। हम अपने सीमित संसाधनों से असीमित जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने में समर्थ नहीं दिख रहे हैं। वैसे तो भारत में 'हम दो, हमारे दो' का नारा बरसों से चला आ रहा है, लेकिन इसका खास असर अभी तक नजर नहीं आ रहा है।

वैसे मानव आबादी को यदि सकारात्मक अर्थों में लिया जाए तो कोई व्यक्ति स्वयं में ही बहुत बड़ा संसाधन है। जरूरत है तो उसको निखारने की। उसमें अपार कौशल विद्यमान है, जरूरत है उसे मांजने की। वही व्यक्ति देश के लिए संसाधन बन कर देश की प्रगति कर सकता है। मानव पूंजी निर्माण से ही देश की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डालर के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगी।

बढ़ती जनसंख्या के साथ हमें आगामी कुछ वर्षों की विकास नीतियों को जनसंख्या के बढ़ते अनुपात के हिसाब से भी निर्धारित करना होगा। चाहे हमारी प्रतिव्यक्ति जरूरतें उतनी न बढ़ें, परंतु हमारी दूरदर्शिता इसी में है कि हमारी नीतियां दूरगामी हों। तेजी से बढ़ती देश की आबादी को देखते हुए संबंधित कानून बनाने और उसे सख्ती से लागू करने पर भी विचार होना चाहिए। इस बात को भी समझना होगा कि देश की अधिकांश समस्याओं के मूल में हमारी व्यापक आबादी है। यहां तक कि अब जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पहुंच गई है। वैसे तो जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए कुछ कानून पहले से ही हमारे यहां हैं, लेकिन कमजोर व्यवस्था के कारण उनका पालन नहीं हो पाता है। अतः नियामकीय ढांचे में सुधार के साथ जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना होगा, क्योंकि जनसंख्या नियंत्रण के लिए केवल कानून ही पर्याप्त नहीं हो सकते, कानून से पहले जागरूकता जरूरी होती है। जनता में जनसंख्या नियंत्रण के फायदे का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। जनसंख्या नियंत्रण में महिलाओं की भूमिका अहम हो सकती है। तमाम परिस्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि समय आ गया है कि जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में सरकार और समाज को सख्त कदम उठाने चाहिए।

(सामाजिक मामलों के जानकार)

ट्वीट-ट्वीट

दुनिया में संभवतः भारत ही एक ऐसा देश है जहां समान नागरिक संहिता लाने के किसी भी प्रयास को सांप्रदायिक कह दिया जाता है। वास्तव में यह लोकतंत्र का प्रतीकचिन्ह है। इसका इस्तेमाल सामाजिक विभाजन को कम करने के लिए किया जाता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को अब इससे दूर नहीं रहना चाहिए।
डॉ. डेविड फ्राउले@davidfrawleyved



यह सिर्फ भारत में ही संभव है कि जो लोग शरिया अदालतों-कानूनों का समर्थन करते हैं वे खुद को तो सेक्युलर बताते हैं, लेकिन जो लोग समान नागरिक संहिता की मांग करते हैं उन्हें वे सांप्रदायिक कहते हैं।
मकरंद आर परांजपे@MakrandParanspe

भारत विश्व स्तर पर उत्पादन से लेकर उपभोग तक की सारी प्रक्रियाओं का गढ़ बन सके, इसके लिए युवाओं को कौशल और उच्च तकनीकी शिक्षा से लैस करना बहुत जरूरी है। आगामी वर्षों में भारत की इस क्षेत्र में सफलता बहुत हद तक नए शिक्षा मंत्री की सफलता पर निर्भर करेगा। अरविंद विरमानी@dravirmani

नफरत करने वाले भी, कमाल का हुनर रखते हैं। देखना भी नहीं चाहते, और नजर भी हर वक्त रखते हैं।
अनुपम खेर@AnupamPKher

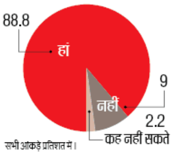
सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को 1985 में ही समान नागरिक संहिता तैयार करने का निर्देश दिया था। उसके बाद से स्वयं सुप्रीम कोर्ट और अब दिल्ली हाई कोर्ट भी इसकी जरूरत को कई बार रेखांकित कर चुके हैं। आशा है 2021 में समान नागरिक संहिता का सपना साकार होगा।
डॉ. मोनिका@TrulyMonica

जिंदगी सभी के लिए रंगीन किताब है। फर्क है तो बस इतना कि कोई हर पन्ने को दिल से पढ़ रहा है और कोई बस पन्ने पलट रहा है।
अरुण गोविल@arungovil12

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या समान नागरिक संहिता के निर्माण का समय आ गया है?



सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या दो से अधिक बच्चे वालों को नौकरी और सब्सिडी से वंचित किए जाने की पहल सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

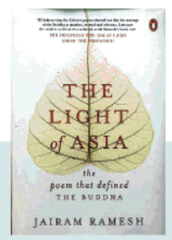
कहता तो है कोर्ट भी हो संहिता समान,
किंतु करे सरकार तो हो जाए हलकान।
हो जाए हलकान करेंगे सब हंगामा,
पुनः बाग शाहीन शुरू कर देगा ड्रामा।
कब मौका मिल जाय ताक में है जो रहता,
पूछो तो वह वर्ग भला इस पर क्या कहता?
– ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

गौतम बुद्ध के प्रभाव को दर्शाती कृति

विजय सिंह

यह पुस्तक एडविन अर्नाल्ड और उनकी किताब की चर्चा के बहाने भारत में गौतम बुद्ध के प्रभाव को रेखांकित करती है। एडविन से जुड़े तमाम तथ्यों पर भी इसमें विस्तार से लिखा गया है...



पुस्तक : द लाइट आफ एशिया, द पोयम दैट डिफाइंड द बुद्धा
लेखक : जयराम रमेश
प्रकाशन : पेंग्विन रैंडम हाउस
मूल्य : 799 रुपये

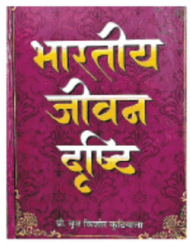
कोई पुस्तक आज से 142 साल पहले प्रकाशित हो और उसके बारे में लगातार चर्चा होती रहे, यह कम ही सुनने को मिलता है। भारतीय साहित्य परंपरा में तो कई ऐसी पुस्तकें हैं, जो शताब्दियों पहले लिखी गईं और आज भी उनके प्रभावों की चर्चा होती है। लेकिन एक विदेशी लेखक की किसी भारतीय पर लिखी गई पुस्तक इतने दिनों तक चर्चा में रहे, इसके उदाहरण बहुत कम हैं। सर एडविन अर्नाल्ड ने गौतम बुद्ध के जीवन और संदेशों को केंद्र में रखकर एक पुस्तक लिखी थी 'द लाइट आफ एशिया' जो 1879 में लंदन से प्रकाशित हुई थी। प्रकाशित होते ही इस पुस्तक ने ब्रिटेन में धूम मचा दी थी। बाद में दुनिया की कई भाषाओं में इस पुस्तक का अनुवाद हुआ और इस पर आधारित फिल्में भी बनीं। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने एडविन की पुस्तक के भारतीय समाज पर प्रभाव पर एक बेहद दिलचस्प पुस्तक लिखी है, 'द लाइट ऑफ एशिया, द पोयम दैट डिफाइंड द बुद्धा'। इस पुस्तक की प्रस्तावना दलाई लामा ने लिखी है। जयराम रमेश ने लिखा है कि एडविन अर्नाल्ड की पुस्तक ने विश्व के कम से कम 11 साहित्यिक व्यक्तित्वों को प्रभावित किया, जिनमें से पांच को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। इनमें रुडयार्ड किपलिंग, रवींद्रनाथ ठाकुर, टीएस इलियट, डब्ल्यूबी येट्स जैसे लेखकों के अलावा लियो टालस्टाय और डीएच लारेंस जैसे विश्वप्रसिद्ध लेखक शामिल हैं।

जयराम रमेश ने अपनी इस पुस्तक में बेहद श्रमपूर्वक एडविन अर्नाल्ड से जुड़े तथ्यों को लिखा है। खासतौर पर भारत से उनके जुड़ाव को लेकर भी वह पुस्तक में उल्लेख करते हैं। वे यह बताते हैं कि एडविन 1886 में बोधगया आए थे और बाद के दिनों में पुणे के प्रसिद्ध डेक्कन कालेज के प्राचार्य रहे। एडविन के भारत प्रवास की घटनाओं को बताने के क्रम में लेखक अपनी राजनीतिक विचारधारा के हिसाब से टिप्पणियां करते चलते हैं। वे विवेकानंद और एडविन अर्नाल्ड के बीच हुई मुलाकात का जिक्र तो करते हैं, लेकिन सावधानी के साथ। वे लिखते हैं, 'वर्ष 1896 में विवेकानंद लंदन में थे, जहां उनका स्वागत हुआ था। मैक्समूलर के साथ उनकी मुलाकात का अभिलेख तो मिलता है, लेकिन एडविन के साथ उनकी मुलाकात का कहीं उल्लेख नहीं मिलता।'

इस किताब में एक पूरा अध्याय है, 'द लाइट ऑफ एशिया इन हिंदी, फिल्म एंड मोर।' इस अध्याय में जयराम रमेश हिंदी के प्रसिद्ध आलोचक रामचंद्र शुक्ल का उल्लेख करते हैं। वर्ष 1922 में आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'द लाइट आफ एशिया' का हिंदी अनुवाद किया था, जिसका नाम था 'बुद्धचरित' और इसको बनारस की नागरी प्रचारिणी सभा ने प्रकाशित किया था। 'बुद्धचरित' के अनुवाद की भूमिका भी शुक्ल जी ने लिखी थी, जिसमें उन्होंने ब्रजभाषा, अवधी और खड़ी बोली को लेकर विस्तृत टिप्पणी भी की थी। 'बुद्धचरित' का वर्ष 1985 में नागरी प्रचारिणी सभा ने पुनर्प्रकाशन किया था। जयराम रमेश ने उस दौर के लेखकों के हवाले से यह प्रमाणित किया है कि 'द लाइट ऑफ एशिया' के हिंदी अनुवाद ने हिंदी के उन कवियों को प्रभावित किया, जो बुद्ध पर लिखना चाहते थे। इसके अलावा, जयराम रमेश ने एडविन अर्नाल्ड की कृति के फिल्मों के प्रभाव को भी रेखांकित किया है। उनके मुताबिक, दादा साहब फाल्के ने 1923 में एक मूक फिल्म 'बुद्धदेव' बनाई थी। उसके बाद हिंदी में 'प्रेम संन्यास' के नाम से फिल्म बनी। यह फिल्म हिमांशु राय के दिमाग की उपज थी और इसे लिखा था निरंजन पाल ने। इस फिल्म के निर्माण के बारे में भी जयराम रमेश ने विस्तार से लिखा है। कुल मिलाकर, जयराम रमेश ने भारतीय संदर्भों को नए सिरे से उठाकर इस तरह से पिरोया है कि उनकी पुस्तक दिलचस्प और पठनीय बन गई है।

भारतीय जीवन दर्शन पर नई दृष्टि

अमित तिवारी



पुस्तक : भारतीय जीवन दृष्टि
लेखक : प्रो. बृज किशोर कुठियाला
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 400 रुपये

भारतीय संस्कृति एवं जीवन दर्शन का विस्तार अनंत है। यह जीवन जीने की कला सिखाता है। 'भारतीय जीवन दृष्टि' के शीर्षक से प्रो. बृज किशोर कुठियाला के लेखों का संग्रह इसी जीवन दर्शन को समझने का मौका देता है। लेखक ने अलग-अलग समय में इन लेखों को लिखा था। इनमें संवाद की खत्म होती परंपरा, संवाद से समस्याओं के निराकरण और जनजातीय समाज के जीवन से लेकर कन्या पूजन के समाजशास्त्र जैसे विषयों को उठाया गया है। अलग-अलग समय में लिखे होने के बाद भी इन्हें पढ़ते समय एकरूपता और एक तार से बंधे होने का बोध होता है। यही तार किताब पढ़ते समय पाठक को बांधे रखता है। तमोगुण से तपोगुण की यात्रा व धर्म शब्द पर संवाद की सार्थकता जैसे विषयों पर लिखे आलेख मौजूदा परिदृश्य में सामयिक हैं। इसके आलेख विचारणीय प्रश्न उठाते हैं।

भारतीय दर्शन 'वादे वादे जायते तत्व बोध' के सिद्धांत पर चलता है। बात चाहे श्रीकृष्ण और अर्जुन की हो या नारद और ब्रह्माजी की, समय-समय पर हुए ऐसे संवाद महज उस क्षण और उस काल के लिए ही नहीं, बल्कि अनंतकाल तक सृष्टि के हित में होते हैं। प्रो. कुठियाला के आलेख ऐसे ही कई पहलुओं पर सोचने के लिए प्रेरित करते हैं। इनमें भारतीय मनीषा के जागरण के लिए लेखक के मन की व्याकुलता भी परिलक्षित होती है, जो उदीयमान भारत की वैश्विक भूमिका को रेखांकित भी करते हैं और उस दिशा में बढ़ने के लिए मार्ग दिखाने का भी प्रयास करते हैं। देवर्षि नारद पर लिखे तीन आलेख कई ऐसी बातों को पाठक के समक्ष रखते हैं, जिन्हें सामान्य तौर पर उस तरह से सोचने का प्रयास नहीं किया जाता है।

पुस्तक संस्कृति ही नहीं, स्वयं को भी समझने की दृष्टि देती है। परंपराओं की सार्थकता सिद्ध करती है। यह पुस्तक संस्कृति एवं मूल्यों को स्वीकारने वाले और उन पर प्रश्न उठाने वाले दोनों ही प्रवृत्ति के लोगों के लिए पठनीय है।



यतीन्द्र मिश्र

हिंदी आलोचना के पितृ-पुरुष की व्याप्ति

डॉ. नामवर सिंह के प्रभामंडल को समझने के लिहाज से यह पुस्तक आपकी मदद कर सकती है। संस्मरणों के आधार पर चयनित यह संकलन उनकी बौद्धिक उपस्थिति का आलोचनात्मक दस्तावेज है



पुस्तक : संस्मरणों में डॉ. नामवर सिंह
संपादन : भारत भारद्वाज, साधना अग्रवाल
प्रकाशक : नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली
मूल्य : 700 रुपये

वरिष्ठ आलोचक भारत भारद्वाज और साधना अग्रवाल के संपादन में हिंदी आलोचना के शलाका पुरुष डॉ. नामवर सिंह पर एकाग्र 'संस्मरणों में डॉ. नामवर सिंह' प्रकाशित हुई है। मूलतः संस्मरणों के आधार पर चयनित यह संकलन एक हद तक नामवर सिंह की बौद्धिक उपस्थिति का आलोचनात्मक दस्तावेज है। इसकी प्रामाणिकता इस अर्थ में भी खिलती है कि यहां हिंदी समाज के कुछ बेहद महत्वपूर्ण रचनाकारों ने उन्हें आत्मीयता से याद किया है। केवल सूची पर निगाह डालने से इस किताब की सामग्री का अंदाजा लग जाता है, जिसमें शमशेर बहादुर सिंह, हरिशंकर परसाई, कुंवर नारायण, कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी, अमरकांत, केदारनाथ सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, मैनेजर पाण्डेय, नंदकिशोर नवल, कमला प्रसाद और पुरुषोत्तम अग्रवाल जैसे मूर्धन्य शामिल हैं। हर एक संस्मरण, जो नामवर सिंह के होने की महत्ता को स्वीकारता है, उनसे आत्मीय संवाद की शैली में खुलता जाता है। पहला ही लेख सुरेश शर्मा ने इतनी तसल्ली और बड़े वितान पर रचा है कि उसे पढ़ते हुए पिछली शताब्दी के हिंदी साहित्य मूल्यांकन के सारगर्भित पन्ने उजागर होते हैं। सुरेश शर्मा ने अपने संस्मरण के बहाने नामवर सिंह की जैसे जीवनी ही लिख दी है। इसमें उनके मिडिल स्कूल के हेडमास्टर पंडित रामआधार मिश्र, शिक्षक मतउल्ला खां, स्वाधीनता सेनानी कामता प्रसाद विद्यार्थी, मित्रों जयचंद सिंह, श्याम नारायण गुप्त, ठाकुर रामगति सिंह की उपस्थिति से समृद्ध यह लेख हर उस नए रचनाकार को पढ़ना चाहिए, जो नामवर सिंह के प्रभामंडल को समझना चाहता है। हालांकि अधिकांश लेख नामवर जी के जीवनकाल में और फिर उनके न रहने के बाद पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित संस्मरणों को संकलित करके प्रस्तुत किए गए हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि आलोचना के लिए साक्ष्य, तथ्य और सामग्री जुटाने में भारत भारद्वाज अथक परिश्रम करते हैं। उनका 'हंस' जैसी साहित्यिक पत्रिका में दशकों तक चलने वाला सांस्कृतिक परिक्रमा का कालम भी बहुत हद तक डायरीनुमा साहित्यिक दस्तावेज ही होता था, जिससे हम जैसे रचनाकारों की पीढ़ी ने पढ़कर बहुत कुछ सीखा है। यह संचयन भी परिश्रम के स्तर पर खरा उतरता है, जिसमें यह देखना महत्वपूर्ण है कि नामवर जी जैसे बड़े आलोचक की व्याप्ति को समझने और समझाने की दृष्टि से लेखों, संस्मरणों का चयन अभूतपूर्व बन पड़ा है। आप हरिशंकर परसाई का संस्मरण पढ़ें या भीष्म साहनी का, सभी की नामवर सिंह से मैत्री और प्रतिभा पर पकड़ चकित करती है। हरिशंकर परसाई लिखते हैं, 'बेतकल्लुफी की हद तक मेरे उनके संबंध हैं। मैंने 'राजकमल' से बाहर आकर कहा, चलिए ठाकुर साहब, पान सेवन कर लिया जावे (बनारसी विद्वान खाते, पीते, चबाते नहीं, सेवन करते हैं।' नामवर जी ने कहा, 'अगर आप मुझे ठाकुर कहेंगे, तो मैं आपको पंडित जी कहने लगूंगा।' कुंवर नारायण अपनी प्रचलित शालीन छवि के अनुरूप, उनको एक वाक्य में बेहद खूबसूरती से परिभाषित कर देते हैं, 'एक पढ़े-लिखे, संवेदनशील, तार्किक, रुचि संपन्न और परिष्कृत बुद्धिजीवी से बातचीत करने का जो संतोष होता है, उसके लिए नामवर जी का सान्निध्य हमेशा रुचिकर रहा है।'

इसी तरह केदारनाथ सिंह का अपने मित्र को देखना आश्वस्त करता है कि वरिष्ठ पीढ़ी में एक-दूसरे के प्रति सौजन्य और उदारता का सहमेल कितने स्वस्थ परिवेश में संभव होता रहा। वे लिखते हैं, 'नामवर इस विलक्षण लगाव के बावजूद, बनारस में खप नहीं सके और उनका दोष सिर्फ इतना था कि उनके पास एक प्रखर प्रतिभा थी और एक बौद्धिक साहस भी, जिसके बिना प्रतिभा जीवित नहीं रहती।'

संस्मरणों के इन कुछ उदाहरणों से एक बात स्पष्ट होती है कि नामवर जी की बौद्धिक उपस्थिति को गरिमा देने के साथ हिंदी रचना संसार ने आत्मीयता से भरकर वह मान भी दिया है, जो किसी अन्य रचनाकार के बारे में जल्दी दिखाई नहीं देती... और यह भी कि नामवर पिछली सदी में दशकों तक हिंदी में स्तरीय लेखन को प्रमाणित करने की ऐसी मुहर बने रहे, जिसे हर कोई अपने रचनाकर्म पर लगवाने की तमन्ना रखता था।

यह संचयन नामवर सिंह के बारे में विचारोत्तेजक और शानदार स्थापनाओं के एक जगह एकत्र किए जाने की पोथी बन गई है, जिससे गुजरकर उनकी एक बड़ी जीवनी बनाई जा सकती है, जीवंत और रोचकता से भरपूर। उदाहरण के तौर पर, विभिन्न संस्मरणों से निकालकर यह सूक्तियां पढ़नी चाहिए, स्तरीय मतभेद विचारोत्तेजक होते हैं, मात्र संयोग नहीं कि नामवर न भड़क से बोलते हैं, न फड़क से। वे गहरे तक छने हुए हैं, साहित्य समाज में उनके प्रशंसकों-निंदकों की विपुल टोलियां हैं, इनका निर्माण वे खुद करते हैं। नामवर सिंह के रचना-कर्म के परिसर में इतनी परतें हैं कि उन सब पर सर्चलाइट डालने का काम मुश्किल है। इन संस्मरणों के संयोजन में भारत भारद्वाज और साधना अग्रवाल ने जिस तरह लेखों का चुनाव किया है और उन्हें एक सार्थक अनुक्रम देते हुए नामवर सिंह की उपस्थिति को सार्वकालिक बनाया है, वह महत्वपूर्ण है। यह किताब एक संदर्भ ग्रंथ की तरह पढ़ी जाएगी और अपनी सामग्री के कारण प्रासंगिक बनी रहेगी।

7 आइपीएस लाने की तैयारी है रेलवे में। राज्यों से डेपुटेशन पर आइपीएस अधिकारियों की होगी तैनाती। रेल मंत्रालय ने दी हरी झंडी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 11 जुलाई, 2021

बंगाल

दलबदलू बढ़ा रहे भाजपा का सिरदर्द

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल छोड़कर आए कुछ नेता भारतीय जनता पार्टी के लिए अब सिरदर्द बन चुके हैं। ऐसे नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने की जरूरत अब महसूस होने लगी है। दरअसल राजीब बनर्जी और सब्यसाची दत्ता जैसे नेता विधानसभा चुनाव तक तो काफी सक्रिय थे, लेकिन चुनाव परिणाण आने के बाद से पूरी तरह निष्क्रिय दिख रहे हैं। यही नहीं राजीब तो अपने ही दल यानी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के खिलाफ इंटरनेट मीडिया मंचों पर लगातार लिखते आ रहे हैं। वहीं सब्यसाची दत्ता ने तो सार्वजनिक रूप से चुनाव प्रचार में केंद्रीय नेतृत्व के हिंदी में भाषण को लेकर सवाल उठा दिए थे। मुकुल रॉय पहले ही पुरानी पार्टी तृणमूल में लौट चुके हैं। सोनाली गुहा, दीपेंदु विश्वास जैसे दलबदलू नेता चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद ही तृणमूल में लौटने को लेकर गुहार लगा चुके हैं। इसके अलावा भी कई और नेता हैं जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संकेत के इंतजार में हैं, ताकि वे तृणमूल में लौट सकें।

जिस तरह से राजीब व सब्यसाची अपना मुंह खोल रहे हैं उससे भारतीय जनता पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा हो रही है और पार्टी के भीतर ही इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी है। ऐसे में खबर है कि इन लोगों को भारतीय जनता पार्टी बाहर का रास्ता दिखा सकती है। राजीब बनर्जी और सब्यसाची दत्त को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पहले ही उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उन्होंने अभी तक उस नोटिस का जवाब नहीं दिया है। संकेत मिल रहे हैं कि ऐसे में इन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। अभी एक दिन पहले ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने राजीब का नाम लिए बिना कहा था कि कुछ लोग ऐसे हैं जो तय नहीं कर पा रहे हैं कि वे कहां जाएं और क्या करें? वह पार्टी के पदाधिकारी नहीं हैं। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल से पहले राजीब बनर्जी ने सुवेंदु अधिकारी का नाम लिए बगैर उन पर हमला बोला था।

राजीब और सब्यसाची द्वारा मुंह खोलने से भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा हो रही है और पार्टी के भीतर इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग हो रही है

ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ऐसे नेताओं को क्यों बर्दाश्त किया जा रहा है। राजीब जैसे नेताओं ने अपने निजी स्वार्थ के लिए दलबदल किया है, अब तो ऐसा साफ प्रमाणित हो रहा है। जब वह तृणमूल कांग्रेस में थे तो वहां उनकी अपेक्षा और आकांक्षा पूरी नहीं हो पा रही थी, तो वहां अपने ही दल के नेताओं के खिलाफ मुखर थे और अब जब भारतीय जनता पार्टी में हैं तो यहां भी वही कर रहे हैं। इसीलिए जरूरी है कि ऐसे नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

बिहार

मौसम अनुकूल खेती जरूरी

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहे किसानों को राहत देने के प्रति राज्य सरकार सजग है, लेकिन समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए मौसम अनुकूल खेती जरूरी है। इस बार अधिक बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे प्रदेश में धान की रोपनी लक्ष्य से काफी पीछे चल रही है। पिछले वर्ष इस समय तक लगभग साढ़े पांच लाख हेक्टेयर में धान की रोपनी हो गई थी। इस साल मात्र डेढ़ लाख हेक्टेयर में ही रोपनी हुई है। मक्के की खेती भी पिछले साल से लगभग सवा लाख हेक्टेयर पीछे है। उत्तर बिहार में धान के बिचड़े सड़ गए हैं। उन्हें दोबारा लगाना पड़ रहा है। वर्षा का यही हाल रहा तो इस साल धान की पैदावार पर संकट के बादल मंडरा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने माना है कि बाढ़-बारिश से किसानों को काफी क्षति हुई है। उन्होंने अधिकारियों से अविलंब स्थिति का आकलन करने को कहा है, ताकि उन्हें सहायता दी जा सके। 31 जुलाई तक किसान फसल सहायता योजना में आवेदन कर सकेंगे। इस योजना में सभी प्रमुख खरीफ फसलें शामिल हैं। इस त्रासदी के बीच पूर्णिया के किसानों की पहल अनुकरणीय है। इस बार


खास प्रजाति के धान के पौधे 15 दिनों तक पानी में डूबे रहने पर भी नहीं गलते हैं। फाइल

जलवायु परिवर्तन के दौर में फसलों की ऐसी किस्मों को विकसित किए जाने की आवश्यकता है, ताकि विषम परिस्थिति में भी अनाज की कमी न हो

उनलोगों ने धान की संपन्न किस्म को आजमाया है। भागलपुर के सबौर स्थित बिहार कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित संपन्न धान की फसल 15 दिनों तक पानी में डूबे रहने के बाद भी नहीं गलती है। वहीं मानसून के बाद खेतों में कम पानी हो जाने या सूखा पड़ने पर भी यह अच्छी पैदावार देने में सक्षम है। सरकार भागलपुर क्षेत्र में कतरनी, चंपारण में मिर्चा और रोहतास जिले में सोनाचूर्ण धान की खेती के प्रति किसानों को विशेष रूप से जागरूक कर रही है। अगर इसकी खेती को बढ़ावा देने के साथ क्षेत्र विस्तार करना है तो इनके बीज को भी बाढ़ और सुखाड़ से लड़ने लायक तैयार कराना होगा। खेती के वर्तमान स्वरूप में बदलाव करने की जरूरत है। कृषि विज्ञानियों को प्रोत्साहन देकर शोध को बढ़ावा देना चाहिए। जब उत्पादन बढ़ेगा तो किसानों की आय में अच्छी वृद्धि होगी। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसी किस्मों को विकसित करने की जरूरत है, जिससे विषम परिस्थिति में भी अनाज की कमी न हो।

झारखंड

समृद्ध होंगे किसान

झारखंड सरकार किसानों की खुशहाली के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है। इसमें उन्हें खेती के लिए खाद, बीज से लेकर कृषि ऋण समय पर उपलब्ध कराने से लेकर कई अन्य मदद शामिल हैं। चुनाव पूर्व की गई घोषणा के मुताबिक झारखंड सरकार ने किसानों का 50 हजार रुपये तक का ऋण भी माफ करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। समय पर खाद, बीज की उपलब्धता समेत सभी किसानों को स्वायल हेल्थ कार्ड दिए जाने की योजना है। इन सभी प्रयासों में सबसे अहम सभी किसानों को स्वायल हेल्थ कार्ड देने की योजना को माना जा सकता है। इसके माध्यम से किसानों को यह पता हो सकेगा कि उनकी जमीन किस तरह की है और उसमें कौन-कौन से पोषक तत्व हैं। इसके आधार पर किसान खेत की मिट्टी का उपचार कर अच्छी उपज प्राप्त कर सकते हैं। अभी भी झारखंड के ज्यादातर इलाकों में पारंपरिक तरीके से ही खेती की जाती है। अंधाधुंध रासायनिक खाद व कीटनाशक के प्रयोग की वजह से मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी प्रभावित हो रही है। रसायनों के


भरपूर फसल पैदावार की गारंटी है उपजाऊ मिट्टी। फाइल

इस्तेमाल से जो अनाज और सब्जियां पैदा हो रही हैं, उन्हें खाकर लोग कई बीमारियों की भी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में यदि मिट्टी की सेहत दुरुस्त होगी तो किसान की खेती की लागत भी कम होगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। हाल के दिनों में किसानों का जैविक खाद के इस्तेमाल के प्रति झुकाव बढ़ा है,

स्वायल हेल्थ कार्ड योजना किसानों को खुशहाल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है

लेकिन इसे शत-प्रतिशत तक ले जाने की जरूरत है।

स्वायल हेल्थ कार्ड योजना सही मायने में तब सफल होगी, जब प्रत्येक किसान तक इसकी पहुंच हो। हर प्रखंड और गांव स्तर पर मिट्टी की जांच के केंद्र खोले जाएं। साथ ही अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं को मिट्टी की जांच का प्रशिक्षण दिया जाए। लोग खुद मिट्टी की जांच कर सकेंगे तो यह उनके ज्यादा काम आएगा। इसके लिए जरूरी है कि उन्हें मिट्टी जांच किट उपलब्ध कराई जाए। फसलों का उत्पादन बढ़ने से किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी। जरूरत इस बात की है कि इस तरह की महत्वपूर्ण योजनाओं को मिशन मोड में चलाया जाए और योजनाओं का क्रियान्वयन धरातल पर भी बेहतर ढंग से हो।

उत्तराखंड

एक्शन प्लान के साथ आगे बढ़ती सरकार

उत्तराखंड की नई सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट के सभी सदस्य शिद्दत से काम में जुट गए हैं। होना भी यही चाहिए। क्योंकि सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है और इनसे पार पाने के लिए समय बेहद कम है। अगले साल फरवरी में मौजूदा सरकार का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। इससे पहले दिसंबर आखिर तक राज्य में चुनाव अधिसूचना जारी होने का अनुमान है। यानी सरकार के पास अपनी परफॉरमेंस दिखाने के लिए छह महीने का ही वक्त बचा है। युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार के मंत्री शायद इस बात को अच्छी तरह समझ भी रहे हैं।

मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के बाद विभागों के बंटवारे की मशक्कत में दो दिन जरूर बीते, लेकिन उसके एकदम बाद मंत्री सक्रिय हो गए। अच्छी बात यह कि इस सरकार में मंत्री के रूप में कोई नया चेहरा नहीं है। पिछली सरकार के तीनों राज्यमंत्रियों को भी प्रोन्नत करके कैबिनेट रैंक दे दिया गया है। यानी सभी की बराबर जिम्मेदारी। यही समझते हुए मंत्रियों ने अपने विभागों की योजनाओं को गति देना शुरू कर दिया है। कुछ तो खासे सक्रिय दिख रहे हैं। इनके स्तर से लोक लुभावन घोषणाएं भी होने लगी हैं। इसका अर्थ यह है कि मंत्रीगण आसन्न चुनाव की आहट को करीब से महसूस करने लगे हैं। इसीलिए वह ऐसी योजनाओं पर ज्यादा फोकस करते दिख रहे हैं, जिनका जनता से सीधा वास्ता है।

नई सरकार में अनुभवी मंत्रियों की संख्या अधिक है। राज्य की जरूरतों से भी वे वाकिफ हैं। उम्मीद है कि उनके इस अनुभव का लाभ राज्यवासियों को मिलेगा

वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नौकरशाही के पेच कसने में जुट गए हैं। मुख्य सचिव को हटाने के बाद अब निचले स्तर पर फेरबदल की कवायद चल रही है। उत्तराखंड में नौकरशाही की मनमानी के किस्से किसी से छिपे नहीं हैं। सरकार किसी की भी रही हो, नौकरशाही हमेशा चर्चाओं में रही। आलम यह कि कई मर्तबा मंत्रियों को ही मुख्यमंत्री से अफसरों की चुगली करनी पड़ी। अच्छी बात यह है कि नए मुख्यमंत्री इस मामले में अभी तक सख्त नजर आ रहे हैं।

कुल मिलाकर सरकार की सक्रियता से यह साफ जाहिर हो रहा है उसने अपने कार्यकाल के लिए एक रोडमैप तैयार कर लिया है। इसी एक्शन प्लान को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी केंद्रीय मदद की आस में दिल्ली गए हैं। वह प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर रहे हैं। यह सब ठीक है, लेकिन मुख्यमंत्री को इस बात का खास ख्याल रखना होगा कि मंत्रालयों के स्तर पर काम की आपाधापी के बीच पारदर्शिता और गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं हो।

यूजीसी के पाठ्यक्रम में दार्शनिकों की सूची में दयानंद का नाम नहीं

आशीष सिंह, धनबाद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दर्शनशास्त्र का नेट का नया पाठ्यक्रम अपनी वेबसाइट पर कुछ समय पूर्व अपलोड किया। इस पाठ्यक्रम की इकाई-5 (ट) में 19 वीं एवं 20 वीं शताब्दी के दार्शनिकों के जो नाम अपलोड हुए उनमें उनमें स्वामी विवेकानंद, श्री अरविंद, महात्मा गांधी, इकबाल सहित 15 लोगों के नाम हैं। मगर स्वामी दयानंद सरस्वती का नाम नहीं है।

स्वामी दयानंद समकालीन भारतीय दर्शन के शिखर पुरुष थे। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश एवं वेद भाष्य जैसी रचनाओं के जरिए अपनी विद्वता का परिचय दिया। बावजूद समकालीन दार्शनिकों की सूची में उनका नाम सम्मिलित नहीं किया गया। इसको लेकर विरोध के स्वर उठने लगे हैं। बिनोद बिहारी कोयलांचल विवि के दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष एनके अंबष्ठ के अनुसार सूची दयानंद सरस्वती का नाम शामिल न करना समझ से परे है। दयानंद सरस्वती ने उपनिषद की स्थापना थी, इसमें अद्वैत एवं द्वैत दोनों दर्शन शामिल हैं। जब हिंदू धर्म का पराभव हो रहा था, तब दयानंद सरस्वती ने पुनरुत्थान किया। यूजीसी को सूची में इनका नाम जरूर शामिल करना चाहिए था।

आर्य समाज निरसा धनबाद के प्रधान सह राजार्य सभा के प्रदेश अध्यक्ष हरहर आर्या ने भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर महर्षि दयानंद सरस्वती का नाम यूजीसी की सूची में शामिल करने की मांग की है।

उठ रहे सवाल

- शिक्षा मंत्री और यूजीसी चेयरमैन को आर्य समाज ने लिखा पत्र
- स्वामी जी को समकालीन भारतीय दर्शन का शिखर पुरुष माना जाता है

स्वामी दयानंद समकालीन भारतीय दर्शन के शिखर पुरुष थे, इसमें कोई शक नहीं है। ऐसे में समकालीन दार्शनिकों की सूची में उनका नाम शामिल न किया जाना गलत है। इसके संशोधन के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री और यूजीसी को 30 जून को ही पत्र दिया गया है।
– स्वामी आर्यवेश, प्रधान सार्वदेशिक आर्यप्रतिनिधि सभा।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से इस संबंध में पत्र मिला है। नेट के पाठ्यक्रम में ऐसा हुआ है। देखते हैं ऐसा कैसे हुआ। पूरी जांच करने के बाद ही किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। गड़बड़ी हुई है तो उसे सुधारा जाएगा।
– दीक्षा राजपूत, डिप्टी डायरेक्टर यूजीसी।

दार्शनिकों की सूची में इनके नाम : स्वामी विवेकानंद, श्री अरविंद, महात्मा गांधी, भीमराव आंबेडकर, इकबाल, केसी भट्टाचार्य, राधाकृष्णन, के कृष्णमूर्ति, डीडी उपाध्याय, नारायण गुरु, तिरुवल्लूर, ज्योतिबा फूले, एमएन राव और मौलाना आजाद।

भारतेंदु की अंगनाई में 200 साल पुरानी रथयात्रा की पहुनाई

कुमार अजय, वाराणसी

मान्यताओं-परंपराओं, नीतियों व रीतियों की पृष्ठ पोषक रही सप्तपुरियों में एक अनूठी नगरी काशी। लघु भारत के नाम से ख्यात इस नगर में ख्याति के अनुरूप ही समूचे देश की अलग-अलग संस्कृतियां विविध आयोजनों के माध्यम से एकाकार होती हैं। ओडिशा को सांस्कृतिक पहचान देने वाले जगन्नाथपुरी के महाउत्सव रथयात्रा की तर्ज पर काशी भी रविवार से तीन दिन तक चलने वाले अपने पर्वोत्सवों की सूची के इस पहले उत्सव को खांटी जगन्नाथी शैली में मनाएगी। काशीवासी आषाढ़ के घुमड़ते बदलों की छांव में सैर को निकले स्वामी जगन्नाथ, भइया बलभद्र व देवी सुभद्रा का रथ खींचते हुए पुण्य का भागी बनेंगे। हालांकि कोरोना की पाबंदियों के चलते इस साल उत्सव प्रतीकात्मक है।

अब तक का जिक्र रथयात्रा के सार्वजनिक मेले का। अब चर्चा चौखम्बे की संकरी गली में स्थित भारतेंदु भवन के उस अनूठे रथयात्रा उत्सव की जो आयोजन की दृष्टि से 200 वर्षों से अधिक आयु का है। समूचे भारत में जहां कहीं भी रथयात्रा उत्सव मनाया जाता है, वहां पारंपरिक रूप से स्वामी जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा के काष्ठ विग्रहों की स्थापना कराई जाती है। वहीं, भारतेंदु भवन के रथयात्रा उत्सव में बड़े लल्ला जी अर्थात भगवान श्रीकृष्ण, स्वामिनी जी देवी राधिका रानी तथा छोटे लल्ला यानी अपने लड्डू गोपाल जी के अष्ठ धातु से गढ़े गए विग्रहों को चार फीट ऊंचे रथपर बैठाकर मानसूनी सैर कराई जाती है। रथयात्रा की सीमा भी भारतेंदु कोठी की अंगनाई तक ही सीमित है।


भारतेंदु भवन में निकाली जाने वाली रथयात्रा (फाइल फोटो)। सौजन्य : दीपेश चौधरी

प्लासी के युद्ध के बाद काशी आकर बसा चौधरी खानदान : भारतेंदु कुल की पांचवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे चौधरी दीपेशचन्द्र बताते हैं कि प्लासी युद्ध की उथल-पुथल के बाद ख्यातनामा सेठ अमीचंद के परिवार के मुखिया बाबू फतेहचंद (भारतेंदु के परदादा) 1830 में मुर्शिदाबाद से काशी अपनी ससुराल में आकर बसे। उनके ससुर बाबू रामचंद्र साहू नौ प्रमुख महाजनों में एक थे। आगे चलकर उनके पुत्र चौधरी हरक चंद्र (भारतेंदु के दादा) पुष्टिमार्गी षष्ठ वैष्णव पीठ गोपाल मंदिर में ब्रह्म दीक्षित हुए। तत्कालीन षष्ठ पीठाधीश्वर गोस्वामी गिरिधर दास जी की आज्ञा से अपने भवन में ही लल्ला जी, स्वामिनी जी तथा छोटे लल्ला जी के विग्रह स्थापित कर ब्रह्म संबंध दीक्षा के साथ विग्रहों की राजसेवा प्रारंभ की। आषाढ़ में अंगनाई की रथयात्रा की रस्म भी गोस्वामी जी की आज्ञा के बाद ही प्रारंभ हुई।

रथ यात्रा की तैयारी पूरी, आज रात से पुरी में कर्फ्यू

जागरण टीम, पुरी

पुरी जगन्नाथ धाम में 12 जुलाई को प्रस्तावित विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा की सारी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। सोमवार को भाई-बहन के साथ रथ पर विराजमान होकर महाप्रभु जगन्नाथ गुंडिचा (मौसी के घर) की यात्रा करेंगे। कोरोना संक्रमण की वजह से बिना भक्तों की निकलने वाली इस यात्रा को केंद्र में रखकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता प्रबंध किया गया है। एहतियातन रविवार की रात आठ बजे से अगले 48 घंटे (मंगलवार की रात आठ बजे तक) के लिए शहर में कर्फ्यू लगाने का निर्णय स्थानीय प्रशासन ने लिया है।

रथयात्रा में किसी तरह की बाधा न पहुंचे, इसके लिए पुरी शहर के होटल, लाज, धर्मशाला, गेस्ट हाउस आदि को खाली करा दिया गया है। बड़दांड (श्रीमंदिर के सामने चौड़ा रास्ता) में मौजूद तमाम दुकानों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। कर्फ्यू के दौरान पूरे शहर में दवा की दुकान के अलावा अन्य किसी भी तरह की दुकान को खोलने की अनुमति नहीं दी गई है। शहर के सभी प्रवेश मार्ग को सील कर दिया गया है।


ओडिशा के पुरी जगन्नाथ धाम में विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा की तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। सोमवार को भाई-बहन के साथ रथ पर विराजमान होकर महाप्रभु जगन्नाथ गुंडिचा (मौसी के घर) की यात्रा करेंगे। प्रेट्र

कोलकाता में कार से निकलेगी भगवान जगन्नाथ की यात्रा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की रथ यात्रा में इस बार कोरोना पाबंदियों के कारण हाथ से खींचे जाने वाले रथ नहीं होंगे। इसके बजाय इंटरनेशनल सोसाइटी फार कृष्णा कान्शियसनेस (इस्कान) कोलकाता के 50वें रथ यात्रा समारोह में तीन किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए 15 कारों का काफिला होगा। संगठन के वैश्विक मुख्यालय मायापुर में भी वार्षिक उत्सव का आयोजन साधारण ढंग से होगा। परिसर में सिर्फ एक झांकी निकाली जाएगी, जिसमें लगभग 50 लोग इसे बारी-बारी से खींचेंगे।

कोरोना के कारण रद करना पड़ा स्वर्ण जयंती उत्सव: इस्कान की शहर इकाई के प्रवक्ता राधारमण दास ने शनिवार को कहा कि कोरोना प्रतिबंधों के कारण योजनाओं को रद करना पड़ा। फिर भी, संगठन ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की है कि त्योहार उत्साह के साथ मनाया जाए। दास ने कहा कि रथ यात्रा (12 जुलाई) के दिन दोपहर लगभग 12 बजे देवता श्री जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा देवी को हमारे अल्बर्ट रोड कार्यालय से गुरुसदर रोड पर दूसरे केंद्र ले जाया जाएगा, जहां वह 20 जुलाई की शाम तक रहेंगे। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि पिछले सात वर्षों से स्वर्ण जयंती मनाने की तैयारी चल रही थी, और केंद्र की योजना रथों को अलंकृत करने और एक विशाल जुलूस निकालने की थी लेकिन महामारी के कारण सब रद करना पड़ा।

आइआइटी-बीएचयू की शिवाय 1.0 दुनिया की सबसे बेहतर कार

जासं, वाराणसी : आइआइटी-बीएचयू की आटोमोबाइल रिसर्च टीम एवरेरा ने शैल इको-मैराथन ग्लोबल लीग-2021 सीजन में पहला स्थान हासिल किया है। प्रतियोगिता में एवरेरा की बनाई प्रोटोटाइप कार 'शिवाय 1.0' को सुरक्षा मानकों, डिजाइन और संचालन के मामले में सबसे बेहतर पाया गया। 50 देशों की 235 टीमों ने इस आनलाइन प्रतियोगिता में भाग लिया।

आइआइटी-बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने देश को गौरवान्वित करने वाली इस सफलता के लिए एवरेरा टीम को बधाई दी है। टीम एवरेरा के मैंटर और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अमितेश कुमार ने बताया कि शेल इको मैराथन आटोमोबाइल के क्षेत्र की बड़ी प्रतियोगिता है और इसमें दुनिया भर के इंजीयिनरिंग के छात्र हिस्सा लेते हैं। इसके माध्यम से अनुसंधान, विकास, रचनात्मकता में टेक्नोक्रेट (तकनीकी कौशल का महारथी) का चयन किया जाता है।

रविवार विशेष

रोमांच को चरम पर ले जाएगा गर्तांगली

पुनरुद्धार : 10,500 फीट की ऊंचाई पर है दुनिया के खतरनाक रास्तों में शुमार गर्तांगली, चहलकदमी कर सकेंगे पर्यटक

शैलेंद्र गोदियाल • उत्तरकाशी

भारत-चीन सीमा पर उत्तरकाशी जिले की जाड़ गंगा घाटी में स्थित गर्तांगली की गिनती दुनिया के सबसे खतरनाक रास्तों में होती है। समुद्र तल से 10,500 फीट की ऊंचाई पर एक खड़ी चट्टान को काटकर बनाए गए इस सीढ़ीनुमा मार्ग से गुजरना रोमांचकारी अनुभव है। यहां से गुजरते हुए 150 से 200 मीटर गहरी खाई में झांकने पर तन में सिहरन दौड़ जाती है। 1962 से पहले भारत-तिब्बत के बीच व्यापार का प्रमुख मार्ग रहा यह गलियारा अब जल्द ही पर्यटकों की सैरगाह बनने जा रहा है। उम्मीद है कि इस विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) से पहले रोमांच के शौकीन गर्तांगली में चहलकदमी कर सकेंगे।

1975 के बाद सेना ने बंद कर दिया इस्तेमाल: 140 मीटर लंबा यह सीढ़ीनुमा मार्ग 17वीं सदी में पेशावर से आए पठानों ने चट्टान को काटकर बनाया था। 1962 से पहले भारत-तिब्बत के बीच व्यापारिक गतिविधियां संचालित होने के कारण नेलांग घाटी दोनों तरफ के व्यापारियों से गुलजार रहती थी। दोरजी (तिब्बती व्यापारी) ऊन, चमड़े से बने वस्त्र व नमक लेकर सुमला, मंडी व नेलांग से गर्तांगली होते हुए उत्तरकाशी पहुंचते थे। तब बड़ी हाट लगने के कारण उत्तरकाशी को बाड़ाहाट (बड़ा बाजार) भी कहा जाता है। सामान बेचने के बाद दोरजी यहां से तेल, मसाले, दालें, गुड़, तंबाकू आदि वस्तुएं लेकर लौटते थे। लेकिन, भारत-चीन युद्ध के बाद गर्तांगली से व्यापारिक आवाजाही बंद हो गई। भैरव घाटी से नेलांग तक सड़क बनने के बाद 1975 से सेना ने भी इस रास्ते का इस्तेमाल बंद कर दिया। इसकी सीढ़ियां व किनारे लगाई गई लकड़ी की सुरक्षा बाड़ जर्जर होती चली गई।

2017 में मिली अनुमति: 2017 में विश्व पर्यटन दिवस पर उत्तराखंड सरकार ने पर्यटकों को गर्तांगली जाने की अनुमति दी थी। लेकिन, जर्जर सीढ़ियों पर जाने का खतरा उठाने को कोई तैयार नहीं था। तब सरकार इसकी मरम्मत को सक्रिय हुई।

गर्तांगली से ही बगोरी आए थे: तिब्बत को जोड़ने वाला यह एकमात्र मार्ग था। हर्षिल की पूर्व प्रधान 80 वर्षीय बसंती नेगी कहती हैं कि नेलांग-जादूंग के ग्रामीण भी सर्दियों से पूर्व गर्तांगली से ही हर्षिल और बगोरी आते थे। चीन के साथ 1962 के युद्ध में जब नेलांग व जादूंग गांव खाली कराए गए तो ग्रामीण गर्तांगली से ही मवेशियों साथ बगोरी पहुंचे थे।



श्रमिक रस्सी बांधकर कर रहे काम

सरकार ने गर्तांगली के पुनरुद्धार का जिम्मा लोक निर्माण विभाग की भटवाड़ी डिविजन को सौंपा है। लोनिवि के अधिशासी अभियंता आरएस खत्री की निगरानी में कार्य शुरू हुआ। मार्च-अप्रैल में बर्फबारी अधिक होने के कारण कार्य प्रभावित रहा। लेकिन, मई से कार्य ने रफ्तार पकड़ ली। खड़ी पहाड़ी और विकटता के कारण श्रमिक रस्सी बांधकर काम कर रहे हैं। खत्री बताते हैं कि 140 मीटर लंबे इस मार्ग का पुनरुद्धार हो रहा है। मार्ग पर मुख्य रूप से लकड़ी का प्रयोग हो रहा है, लेकिन कुछ स्थान पर सपोर्ट के लिए लोहे के गार्डर भी लगाए जा रहे हैं। 50 फीसद कार्य पूरा हो चुका है। इसे अगस्त माह के अंत तक पूरा करना है।
• फोटो साभार आरएस खत्री

'दैनिक जागरण' ने उठाई थी मरम्मत की मांग

जून, 2016 में 'दैनिक जागरण' ने सबसे पहले गर्तांगली की ओर सरकार और पर्यटकों का ध्यान खींचा था। साथ ही भारत-तिब्बत व्यापार के एकमात्र ऐतिहासिक प्रमाण की वर्तमान जर्जर स्थिति से भी रूबरू कराया था। इसके बाद सरकार और पर्यटन विभाग का ध्यान गर्तांगली के पुनरुद्धार की ओर गया।

दो किमी की पैदल दूरी पर है गर्तांगली

गर्तांगली जाने के लिए गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगोत्री धाम से 12 किलोमीटर पहले लंका पहुंचना पड़ता है। लंका से आधा किलोमीटर दूर भैरवघाटी का प्रसिद्ध मोटर पुल है। इस पुल से पहले बायीं ओर भैरवघाटी से नेलांग को जोड़ने वाला पारंपरिक पैदल ट्रैक है। भैरवघाटी पुल से दो किमी दूर जाड़ गंगा घाटी में गर्तांगली मौजूद है।


खड़ी पहाड़ी पर गर्तांगली का यह मार्ग भारत-तिब्बत के बीच व्यापारिक गतिविधियों का गलियारा रहा है। देखरेख के अभाव में गर्तांगली जर्जर हो चुका था, लेकिन अब इसका पुनरुद्धार कार्य चल रहा है • जागरण आर्काइव

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

1500 कंपनियों के नेटवर्क रूसी साइबर अपराधियों के अमेरिका की कासिया कंपनी पर रैंसमवेयर हमले में प्रभावित हो गए थे। यह हमला पिछले सप्ताह हुआ था।

ब्रिटेन में गहराता जा रहा है कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का कहर

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का कहर गहराता जा रहा है। देशभर में एक हफ्ते में इस वैरिएंट के 54 हजार 268 नए मामले बढ़ गए। यह बढ़ोतरी इससे पहले वाले हफ्ते के मुकाबले 32 फीसद ज्यादा है। इस बीच, दैनिक मामलों में भी रिकार्ड वृद्धि दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में 35 हजार 707 नए संक्रमित पाए गए। गत 22 जनवरी के बाद पहली बार एक दिन में इतने संक्रमित पाए गए।

स्वास्थ्य एजेंसी पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड के अनुसार, साप्ताहिक विश्लेषण से पता चलता है कि डेल्टा के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन अस्पताल में मरीजों के भर्ती होने और मौत में इस तरह की वृद्धि दर्ज नहीं की जा रही है। इससे जाहिर होता है कि वैक्सीन की दोनों डोज उच्च स्तर पर सुरक्षा मुहैया करा रही है।

रूस में एक दिन में सर्वाधिक मौत: समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार, रूस में शनिवार को कोरोना से 752 पीड़ितों की मौत हो गई। यह इस देश में दैनिक मौत का सर्वाधिक आंकड़ा है। इस दौरान 25 हजार 82 नए संक्रमित पाए गए। यहां भी डेल्टा वैरिएंट का कहर बढ़ रहा है।

देशभर में एक हफ्ते में बढ़ गए संक्रमितों के 54 हजार नए मामले

मेक्सिको : कोरोना महामारी की तीसरी लहर की चपेट में आए इस देश में गत सप्ताह के मुकाबले इस हफ्ते नए मामले 29 फीसद बढ़ गए हैं।

श्रीलंका : दो माह बाद पूजा स्थलों, रेस्तरां और सिनेमा को कुछ पाबंदियों के साथ खोल दिया गया है। नए केस में कमी पर यह कदम उठाया गया है।

इंडोनेशिया : यहां कोरोना से हालात बिगड़ गए हैं। मरीजों से अस्पताल भर गए हैं। आक्सीजन की कमी सामने आई है। कई देश मदद कर रहे हैं।



इंडोनेशिया में आक्सीजन का संकट

इंडोनेशिया में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद अचानक आक्सीजन की डिमांड बहुत बढ़ गई है। आक्सीजन सिलेंडर भरवाने के लिए लोगों को कतारें लगानी पड़ रही हैं। राजधानी जकार्ता में शनिवार को रिचार्जिंग स्टेशन के बाहर आक्सीजन सिलेंडर लेने के लिए लोगों की कतारें लगी रहीं। यहां कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए अस्पतालों में बेड तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। सरकार ने आक्सीजन की आपूर्ति के लिए चीन और सिंगापुर से मदद मांगी है। एपी

नेपाल और भूटान के लिए अमेरिका भेज रहा वैक्सीन

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस ने बताया कि नेपाल और भूटान के लिए वैक्सीन भेजी जा रही है। अमेरिका कोरोना महामारी से वैश्विक लड़ाई में यह मदद कर रहा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'आज हम इंडोनेशिया के लिए वैक्सीन की 30 लाख डोज भेज रहे हैं। जबकि नेपाल के लिए 15 लाख और भूटान के लिए पांच लाख डोज भेज रहे हैं। हम दुनियाभर में जिंदगियों को बचाने और महामारी से वैश्विक लड़ाई के प्रयास में अपना योगदान दे रहे हैं।' उन्होंने बताया कि अमेरिका पहले ही ग्वाटेमाला, उरुग्वे, पैराग्वे, बोलीविया, अफगानिस्तान और वियतनाम के लिए करीब डेढ़ करोड़ डोज भेज चुका है। साकी ने कहा, 'कोरोना संक्रमण बढ़ने से इंडोनेशिया में इस समय हालात गंभीर हो गए हैं। ऐसे में अमेरिका इस देश के लिए मदद बढ़ाने की योजना तैयार कर रहा है।'

पाकिस्तान में टीके के बिना नहीं कर सकेंगे हवाई यात्रा



कराची, आइएएनएस : पाकिस्तान में कोरोना टीका के बिना कोई व्यक्ति एक अगस्त से हवाई यात्रा नहीं कर सकेगा। यह कदम कोरोना के फिर पांव पसारने से रोकने के प्रयास में उठाया गया है। डॉन अखबार में शनिवार को छपी खबर के अनुसार, नेशनल कमांड आपरेशन सेंटर (एनसीओसी) ने शुक्रवार को एलान किया कि यह नया नियम एक अगस्त से प्रभावी होगा। यह उपाय ऐसे समय सामने आया, जब देशभर में नए मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। साथ ही कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का खतरा भी बढ़ रहा है। एनसीओसी ने वैक्सीन नहीं लगवाने लोगों की हवाई यात्रा पर रोक लगाने के साथ सभी वयस्क छात्रों के लिए 31 अगस्त तक टीका लगवाना अनिवार्य किया है। इस आदेश से एक दिन पहले प्रधानमंत्री इमरान खान ने डेल्टा वैरिएंट को लेकर चेतावनी दी थी। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में 1,828 नए संक्रमित मिलने से कुल मामले नौ लाख 71 हजार हो गए। इस अवधि में 35 पीड़ितों के दम तोड़ने से मरने वालों की संख्या 22 हजार 555 हो गई है।

न्यूज गैलरी

चोकसी की जमानत पर जल्द होगी डोमिनिका कोर्ट में सुनवाई

रोसो (डोमिनिका) : डोमिनिका हाई कोर्ट ने भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग स्वीकार कर ली। उसने चिकित्सकीय आधार पर जमानत दिए जाने की मांग को लेकर अदालत में अर्जी दाखिल की। अब कोर्ट ने चोकसी की याचिका पर 12 जुलाई को सुनवाई करने का फैसला किया है, पहले इस पर 23 जुलाई को सुनवाई होनी थी। चोकसी ने जल्द सुनवाई के अपने आवेदन में न्यूरोलाजिकल परेशानियों को आधार बनाया है। उसका कहना है कि इसका इलाज डोमिनिका में उपलब्ध नहीं है। याद दिला दें कि इससे पहले भी चोकसी ने डोमिनिका हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल करके न्यायिक पुनर्विचार की मांग की है। इसमें उसने अपने खिलाफ डोमिनिका में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश करने के आरोपों को गलत ठहराते हुए चुनौती दी है। (एएनआइ)

बांग्लादेश अग्निकांड में फैक्ट्री मालिक सहित आठ गिरफ्तार

ढाका : बांग्लादेश की राजधानी ढाका के औद्योगिक क्षेत्र स्थित जूस फैक्ट्री में भंयकर आग लगने की घटना में फैक्ट्री मालिक सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह फैक्ट्री हाशिम ग्रुप की सहयोगी कंपनी सजीब ग्रुप की है। पांच मंजिला इमारत में लगी इस आग में 52 लोगों की मौत हो गई थी। गिरफ्तार होने वालों में हाशिम ग्रुप के मालिक और चेयरमैन अब्दुल हाशिम और उनके पुत्र व कंपनी के सीएमडी सजीब भी हैं। सजीब के चार पुत्रों को भी गिरफ्तार किया गया है। फैक्ट्री में इतनी भीषण आग थी कि उसे 25 घंटों की मेहनत के बाद बुझाया जा सका। बांग्लादेश के गृह मंत्री असादुज्जमा खान ने कहा है कि दोषी किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। (आइएएनएस)

पर्थ में तेज तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त

कैनबरा : आस्ट्रेलिया के पर्थ और आसपास के क्षेत्रों में तूफान और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हजारों लोगों को एक दिन तक बिना बिजली के रहना पड़ा। यहां लगातार तेज बारिश होती रही। कुछ स्थानों पर तूफान आने के एक घंटे में 50 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हो गई। (एएनआइ)

ताजिकिस्तान में भूकंप से पांच लोगों की मौत

दुशांबे : ताजिकिस्तान के पूर्वी क्षेत्र में भूकंप के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। यहां भूकंप 5.9 रिक्टर स्केल का था। भूकंप से कई घरों को काफी नुकसान पहुंचा है। इसका असर दो गांवों पर सबसे ज्यादा पड़ा। यहां के राष्ट्रपति के आदेश पर राहत दल भेजा गया है, जिन घरों को नुकसान हुआ है, उनकी भी मदद की जा रही है। (एएनआइ)

मौसे की हत्या में कोलंबिया की चार कंपनी भी शामिल

बोगोटा : हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मौसे की हत्या में हिरासत में लिए 17 संदिग्धों की जांच कोलंबिया में भी की जा रही है। पुलिस को इस मामले में कोलंबिया की चार कंपनियों के शामिल होने की जानकारी मिली है। कोलंबिया पुलिस निदेशक जार्ज लुइस बर्गास ने बताया कि हैती के अधिकारियों से मिली जानकारी के बाद हम यहां संदिग्धों की जांच कर रहे हैं। इस जांच में ऐसी चार कंपनियां सामने आई हैं, जिनके द्वारा पूर्व सैनिकों को भाड़े पर लिया गया था। (आइएएनएस)

साइबर अपराधियों ने ईरान की रेल सर्विस को निशाना बनाया

तेहरान : साइबर अपराधियों ने ईरान की रेल सर्विस के नेटवर्क को निशाना बनाया और रेल सेवा को बाधित कर दिया। इन अपराधियों ने रेलवे स्टेशन के सिस्टम को अपने कब्जे में कर लिया। स्टेशनों पर मैसेज चलने लगे कि ट्रेन लेट है। कहीं स्क्रीन पर आने लगा कि साइबर हमलों के कारण ट्रेन देरी से चलेंगी। बाद में रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि इन हमलों से रेल संचालन पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा है। (एपी)

विदेशी आतंकियों को पाक में धड़ल्ले से मिल रही नागरिकता

नापाक इरादे ▸ सैकड़ों दहशतगर्दों को बनायो देश का बाशिंदा

अधिकारी और एजेंट के पकड़े जाने के बाद खुल रहे हैं मामले

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान विदेशी आतंकियों को धड़ल्ले से अपने यहां नागरिक पहचान पत्र दे रहा है। अलकायदा और तालिबान जैसे आतंकी संगठनों के सैकड़ों सदस्यों को ऐसे पहचान पत्र जारी हो चुके हैं। पहचान पत्र जारी करने वाली संस्था के अधिकारी और एजेंटों के पकड़े जाने के बाद यह मामला अब परत दर परत खुल रहा है। यही नहीं पाक एफएटीएफ की शर्तों की भी खुली धज्जियां उड़ा रहा है। वह आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय उन्हें खुला संरक्षण दे रहा है।

विदेशी आतंकवादियों को पाकिस्तानी नागरिक बनाने के इस गंभीर मामले में नेशनल डाटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथारिटी (एनएडीआरए) के सहायक निदेशक और एक एजेंट को पकड़ा गया है। इन दोनों ने अब तक अलकायदा और तहरीक-ए-तालिबान सहित कई आतंकवादी संगठनों के सैकड़ों सदस्यों को पाक का नागरिक होने के पहचान पत्र जारी कर दिए हैं। ये आतंकवादी किसी भी देश में पाक के नागरिक बनकर घुस सकते हैं और गंभीर वारदात को अंजाम दे सकते हैं। पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एफआइए), सिंध के डायरेक्टर अमीर फारुकी ने आतंकवादियों को राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की पुष्टि की है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में होने के बावजूद पाकिस्तान अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, तालिबान, हक्कानी नेटवर्क, जमात उद दावा, जैश-ए- मौहम्मद और फालेह-ए-इंसानियत जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा है, जो उसके यहां पनाह लिए हुए हैं।

पिछले चार दशकों से पाकिस्तानी सेना अफगानिस्तान से लेकर कश्मीर तक आतंकियों की फंडिंग कर रही है। पाक में यह धन ड्रग तस्करी से आ रहा है। समय- समय पर यह बात सामने आ चुकी है कि पाक सेना की मदद से पाकिस्तान के जरिये ही भारत सहित कई देशों में नशे का कारोबार चल रहा है।

एफएटीएफ से किए वादे की उड़ रही धज्जियां



पाक में आतंकियों को संरक्षण। फाइल

पाक की इस्लामिक काउंसिल ने घरेलू हिंसा बिल रोका

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान की काउंसिल आफ इस्लामिक आइडियोलाजी (सीआइआइ) ने शुक्रवार को घरेलू हिंसा बिल 2020 को रोक दिया है। काउंसिल ने कहा है कि इस विधेयक की समीक्षा करने की जरूरत है। समीक्षा के निष्कर्ष से सरकार को अवगत कराया जाएगा। यह बिल सीनेट में पास हो चुका है। इमरान सरकार ने इस बिल में कुछ प्रविधान इस्लाम की शिक्षा के खिलाफ मानने के बाद उसको काउंसिल के पास भेज दिया है। इस बिल के माध्यम से पाकिस्तान में हो रहे घरेलू हिंसा के मामलों में कुछ रोक लग सकती है। बिल का कट्टरपंथियों द्वारा विरोध किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठन ने पहले ही यह बता दिया है कि महिलाओं पर अत्याचार के मामले खतरनाक स्तर तक पहुंच गए हैं।

उत्तरी वजीरिस्तान में आदिवासी महिला की गोली मारकर हत्या: उत्तरी वजीरिस्तान के मीरमशाह के निकट एक आदिवासी बुजुर्ग महिला की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस क्षेत्र में कुछ ही दिनों में यह दूसरा मामला है।

तालिबान ने चीन को बताया दोस्त, उइगर उग्रवादियों का साथ नहीं देगा

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रेट्र के अनुसार तालिबान ने चीन को अपना दोस्त बताते हुए कहा है कि वह शिनजियांग प्रांत के उइगर मुस्लिम उग्रवादियों को बढ़ावा नहीं देगा। चीन की सबसे बड़ी चिंता शिनजियांग के उग्रवादियों को लेकर है। अफगानिस्तान में ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआइएम) सक्रिय है, जिसका संपर्क अलकायदा से है। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि हम चीन को अपना दोस्त समझते हैं, उसके यहां होने वाली वार्ता के सकारात्मक परिणाम आएंगे।

ब्लिंकन की पाक विदेश मंत्री से वार्ता: अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिकंन ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी से टेलीफोन पर वार्ता की। वार्ता तालिबान की बढ़ती हिंसा को लेकर थी।

हिंसा बढ़ने के साथ शरणार्थी संकट पैदा हुआ: अफगानिस्तान में हिंसा बढ़ने के साथ ही शरणार्थी संकट बढ़ गया है। अफगानिस्तान के भारत में दूत फरीद मामुंदजे ने बताया कि दो लाख अफगान नागरिक पहले से ही पलायन कर चुके हैं। तुर्की और ताजिकिस्तान में हिंसा से डर कर भागे लोग शरण लिए हुए हैं। अब यह संख्या बढ़ने वाली है।

अफगानिस्तान में तालिबान से लड़ने को अब महिलाओं ने भी उठाए हथियार

काबुल, आइएएनएस : ऐसे में जबकि तालिबान बंदूक के जोर पर अफगानिस्तान में नित नए इलाके हथिया रहे हैं, तब उन्हें महिलाओं से चुनौती मिलने की संभावना भी सिर उठा रही है। उत्तरी और मध्य अफगानिस्तान के कई शहरों और कस्बों में चंद रोज में हथियारबंद महिलाओं के समूह तैयार हो गए हैं। असाल्ट राइफल लिए इन महिलाओं ने गश्त शुरू कर दी है और अपनी फोटो खींचकर उन्हें इंटरनेट मीडिया में भी डाल रही हैं।

ब्रिटिश अखबार गार्जियन के संवाददाता ने ऐसी सैकड़ों महिलाओं का जत्था मध्य अफगानिस्तान के घोर प्रांत में देखा। वहां पर सैकड़ों महिलाएं अपने हथियार उठाकर तालिबान के खिलाफ नारेबाजी करती देखी गईं। ये महिलाएं तालिबान लड़ाकों से लड़ने के लिए किसी भी समय मोर्चे पर जाने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान में तालिबान के शासन में महिलाओं पर बड़े अत्याचार हुए थे। कठोर इस्लामी कानून के बीच उनका जीना दूभर हो गया था। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा बढ़ने पर फिर से वही कानून वहां पर लागू हो सकते हैं।

घोर में महिला निदेशालय की प्रमुख हलीमा परस्तिश के अनुसार ये महिलाएं हमारे सुरक्षा बलों को तालिबान के खिलाफ प्रेरित करना चाहती हैं। इनमें से ज्यादातर महिलाएं तालिबान से लड़ने के लिए युद्ध के मैदान में भी जाने को तैयार हैं। हलीमा खुद भी युद्ध के मैदान में जाने को तैयार हैं। उत्तरी बदाखशान प्रांत का बड़ा इलाका हाल के दिनों में तालिबान के कब्जे में चला गया है। इस प्रांत पर बीते 20 साल से सरकार का कब्जा था। इन हालात में तालिबान को रोकने के लिए महिलाएं अब हथियार उठाकर मुकाबले के लिए तैयार हो रही हैं।

सुरक्षा बलों को कर रहीं प्रेरित, खुद भी युद्ध के मैदान में जाने को तैयार

हालात मुश्किल लेकिन भारतीय दूतावास को खतरा नहीं

अफगानिस्तान में तालिबान की ओर से बढ़ती हिंसा के बीच वहां के भारत में राजदूत फरीद ममुंदजई ने कहा है कि उनके देश में सुरक्षा की स्थिति मुश्किल हुई है। लेकिन यह इतनी भी मुश्किल नहीं है कि काबुल में स्थित भारतीय दूतावास को बंद करना पड़े। एएनआइ से बातचीत में अफगान राजदूत ने कहा, हम बड़ी मुश्किल में नहीं हैं। सभी 34 प्रांतों की राजधानियों पर सरकार का कब्जा है। वहां पर हमारे सुरक्षा बल पूरी मजबूती के साथ डटे हुए हैं। शहरी क्षेत्रों पर भी हमारा कब्जा है लेकिन ग्रामीण इलाकों में तालिबान की पकड़ मजबूत हुई है। लेकिन हम आशंकाओं से घिरे हुए नहीं हैं।



अमेरिका में दावानल...

कैलिफोर्निया के डोयले के जंगलों में लगी भीषण आग से सैकड़ों एकड़ में पेड़ जलकर नष्ट हो गए। आग रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ रही है। आसपास रहने वाले लोगों से सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की गई है। इससे पहले उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में लगी आग से सैकड़ों मकान जल गए थे। एपी

लॉस एंजिलिस के मेयर होंगे भारत में राजदूत

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक गार्सेटी को भारत में अपने देश का नया राजदूत नामित किया है। अगर एरिक के नाम पर अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट की मुहर लग जाती है तो वह भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे। राजदूत पद के लिए नामित किए जाने पर एरिक ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को बताया कि राष्ट्रपति बाइडन ने भारत समेत कई देशों के लिए नए राजदूतों के नामों का एलान किया। उन्होंने पीटर डी हास को बांग्लादेश के लिए राजदूत नामित किया है। जबकि डेनिस कैम्पबेल बाउर को मोनाको और बर्नाडेट एम मीहान को चिली के लिए राजदूत नामांकित किया। केनेथ जस्टर के इस्तीफे के चलते गत 20 जनवरी से भारत में अमेरिकी राजदूत का पद खाली है। ट्रंप प्रशासन के दौरान जस्टर ने भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर काम किया था। पूर्णकालिक राजदूत के अभाव में अमेरिका के अंतरिम राजदूत के तौर पर डेनियल स्मिथ को भारत भेजा गया है। एरिक ने कहा, 'आज राष्ट्रपति ने भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर सेवा देने के लिए मेरे नाम की घोषणा की। नई भूमिका के लिए नामांकन प्रस्ताव को स्वीकार कर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' अमेरिकी मीडिया में भारत के लिए नए राजदूत के तौर पर एरिक के नाम की लंबे समय से चर्चा चल रही थी।



एरिक गार्सेटी (फाइल)। एएफपी

एरिक 2013 से हैं मेयर: 50 वर्षीय एरिक ने गत वर्ष नवंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बाइडन के प्रचार अभियान के सह-अध्यक्ष के तौर पर काम किया था। वह सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य होने के साथ वर्ष 2013 से लॉस एंजिलिस शहर के मेयर हैं। वह इस शहर के पहले निर्वाचित यहूदी मेयर हैं। वह बाइडन के करीबी होने के साथ ही नौसेना के खुफिया अधिकारी भी रह चुके हैं।

भारतवंशियों ने किया स्वागत: एरिक को राजदूत नामित किए जाने का अमेरिका के कई प्रभावशाली सांसदों और भारतीय मूल के लोगों ने स्वागत किया है। सीनेटर डियान फेनस्टीन ने कहा, 'भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर मेयर एरिक बेहतरीन पसंद हैं।' जबकि भारतीय मूल के कारोबारी एमआर रंगास्वामी ने कहा कि एरिक को नामित किए जाने से जाहिर होता है कि बाइडन प्रशासन भारत के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ करने का इच्छुक है।

पाकिस्तान बोला, अफगानिस्तान के हालात हमारे नियंत्रण से बाहर

इस्लामाबाद, एएनआइ : अफगानिस्तान में सिविल वार की आशंका व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) डा. मोईद यूसुफ ने कहा है कि अफगानिस्तान के हालात खराब हैं और पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हैं।

यूसुफ ने ये टिप्पणियां पाकिस्तानी सीनेट की विदेशी मामलों की समिति के समक्ष ब्रीफिंग के दौरान कीं। इस समिति की बैठक अफगानिस्तान के वर्तमान हालात पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। इसमें पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी मौजूद थे। पाकिस्तान की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब इसी हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने घोषणा की थी कि अगस्त के अंत तक अमेरिकी सेना अफगानिस्तान से लौट जाएगी। इस बीच, तालिबान ने हमले जारी रखे हैं और अफगानिस्तान के 85 फीसद भूभाग पर कब्जे का दावा किया है।

सिरीषा आज जाएंगी अंतरिक्ष में

ह्यूस्टन, प्रेट्र : आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में जन्मीं सिरीषा बांडला (34) रविवार को वर्जिन गैलेक्टिस कंपनी के अभियान के तहत अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगी। वह छह सदस्यीय उस अंतरिक्ष यात्री दल का हिस्सा हैं जो गैलेक्टिस के मालिक रिचर्ड ब्रैन्सन के नेतृत्व में न्यू मेक्सिको से रवाना होगा। यात्रा से पूर्व अपने ट्वीट में सिरीषा ने खुद के यूनिटी 22 अभियान का हिस्सा होने पर गौरवान्वित महसूस करने की बात लिखी है। सिरीषा अंतरिक्ष यात्री के तौर पर उड़ान के दौरान होने वाले अनुभवों पर शोध करेंगी। अंतरिक्ष में जाने वाली वह भारतीय मूल की तीसरी और भारत में जन्मीं दूसरी महिला होंगी। उनसे पहले कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में जा चुकी हैं।

ट्विटर पर पोस्ट किए वीडियो मैसेज में सिरीषा ने कहा है कि इस अवसर के लिए खुद के चुने जाने की सूचना से वह अवाक रह गई थीं। इस अप्रत्याशित अवसर के लिए किस तरह से प्रतिक्रिया दी जाए, वह समझ ही नहीं पाईं और निशब्द हो गईं। लेकिन बाद में एहसास हुआ कि विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के साथ अंतरिक्ष में जाकर वह इतिहास रचने वाली हैं।

परड्यू और फ्लोरिडा की यूनिवर्सिटी में पढ़ीं सिरीषा को मानवीय संवेदनाओं पर शोध करने का अनुभव हासिल है। पर्यटन के लिए अंतरिक्ष का इस्तेमाल करने के उद्देश्य से हो रही इस यात्रा में इसका मानव मन-मस्तिष्क पर होने वाले असर का शोध किया जाएगा। सिरीषा वर्जिन गैलेक्टिस से इसी साल जनवरी में जुड़ी थीं और उसी के बाद उन्हें अंतरिक्ष यात्रा का प्रस्ताव मिला।



वायुमंडल लांघने वाली भारतीय मूल की तीसरी महिला होंगी बांडला

एसजेवीएन के प्रबंध निदेशक ने नेपाल के पीएम से की भेंट

जासं, देहरादून : सतलुज जल विद्युत निगम (एसजेवीएन) के प्रबंध निदेशक नंदलाल शर्मा ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली व उप प्रधानमंत्री बिष्णु प्रसाद पौडेल से शनिवार को काठमांडू में भेंट की। वह एसजेवीएन की ओर से नेपाल में बनाई जा रही नौ सौ मेगावाट अरुण-3 जल विद्युत परियोजना के लिए आधिकारिक दौरे पर गए हैं।

शर्मा ने नेपाल के प्रधानमंत्री व उप प्रधानमंत्री को अरुण-तीन जल विद्युत परियोजना की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने एसजेवीएन को 679 मेगावाट लोअर अरुण-3 जलविद्युत परियोजना आवंटित करने के लिए नेपाल के प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे अरुण बेसिन व नेपाल में अन्य स्थानों पर जल विद्युत परियोजनाओं को एसजेवीएन को आवंटित करने पर विचार करें।

बाइडन ने चेताया, साइबर हमले नहीं रुके तो खामियाजा भुगतेगा रूस

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से हुई वार्ता में कड़ी चेतावनी दी है कि वह अपने यहां से होने वाले रैंसमवेयर हमलों पर लगाम लगाए, वरना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। रूस को कार्रवाई करने का यह अंतिम मौका हो सकता है।

शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति की एक घंटे फोन पर वार्ता हुई। अधिकारियों ने बताया कि बाइडन ने पुतिन को स्पष्ट कर दिया है कि अब रैंसमवेयर हमला आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा खतरा माना जाएगा। ऐसे हमलों की गंभीर प्रतिक्रिया हो सकती है।

पुतिन से वार्ता के बाद बाइडन ने पत्रकारों को बताया कि रूस से कह दिया गया है कि उनकी धरती से लगातार अमेरिका व अन्य देशों पर रैंसमवेयर हमले किए जा रहे हैं। बेशक ये हमले राज्य प्रायोजित न हों, लेकिन इन सभी के खिलाफ कार्रवाई करना उनकी जिम्मेदारी है। ज्ञात हो कि पिछले हफ्ते रूसी साइबर अपराधियों ने अमेरिका की कासिया कंपनी पर रैंसमवेयर हमले किए थे। इसमें करीब 1500 कंपनियों के नेटवर्क प्रभावित हो गए थे। हमले के पीछे रूस के अपराधियों का समूह 'रेविल' है।

न्यूयॉर्क टाइम्स से



अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन (फाइल)। एएफपी

इथोपिया में सत्ताधारी पार्टी को राष्ट्रीय चुनाव में जबर्दस्त जीत

अदीस अबाबा, एपी : इथोपिया में सत्तारूढ़ प्रास्पेरिटी पार्टी को गत माह हुए राष्ट्रीय चुनाव में बड़ी जीत मिली है। इससे प्रधानमंत्री अबे अहमद का दूसरा कार्यकाल सुनिश्चित हो गया है।

नेशनल इलेक्शन बोर्ड आफ इथोपिया द्वारा शनिवार रात घोषित परिणाम के अनुसार सत्तारूढ़ पार्टी ने 436 में 410 सीटें जीती हैं। कुछ सीटों पर चुनाव नहीं होने के कारण वे सीटें फिलहाल खाली रहेंगी। अबे अप्रैल 2018 में तत्कालीन प्रधानमंत्री के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन के बा सत्ता में आए थे। यह चुनाव उनके लिए स्वीकार्यता की परीक्षा मानी जा रही थी। उन्हें राजनीतिक सुधारक माना जाता है, लेकिन उनके विरोधी सुधार के वादों को पूरा नहीं कर पाने का आरोप लगाते हुए उन्हें घेर रहे थे।

खत्म होंगी इंतजार की घड़ियां

- इंग्लैंड और इटली के बीच खेला जाएगा खिताबी मुकाबला
- 55 साल से अंग्रेज ट्राफी जीतने के लिए तरस रहे

डेविड जेम्स

यूरो कप के फाइनल के तौर पर 55 साल बाद इंग्लैंड की टीम किसी बड़े फाइनल मैच में फुटबाल के मैदान में उतरेगी। ऐसे में इंग्लैंड के सामने इटली की मजबूत टीम है लेकिन, फिर भी मेरा मानना है कि अपने घर में यूरो कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेलना एक अलग ही प्रकार का एहसास है। हालांकि मैंने क्रोएशिया के खिलाफ इंग्लैंड के पहले मैच में 1996 की जर्सी पहनी और टीम ने उसी तरह का कारनामा किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। 1996 यूरो कप में इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल में हार गई थी इसलिए अब मैंने डेनमार्क के खिलाफ सेमीफाइनल में जैमी कार्गर 2004 की टी-शर्ट पहनी। हालांकि फाइनल के लिए मेरे पास एक अलग तरह की नई टी-शर्ट है, जिसे मैं पहनना चाहूंगा। क्योंकि यह इंग्लैंड की टीम एक अलग तरह के नए उत्साह के साथ खेल रही है।

इंग्लैंड की टीम में पिछले तीन-चार वर्षों से जब से गेरेथ साउथगेट ने टीम की जिम्मेदारी संभाली है तब से टीम में कई बदलाव देखने को मिले हैं जिसमें बहुत सारे एक्स फैक्टर खिलाड़ी हैं और पुराने खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन में भी सुधार किया है। अगर वे अच्छा नहीं खेलें तो टीम से बाहर भी हो सकते हैं। कई सारे युवा खिलाड़ियों ने भी अपना दमखम दिखाया है। किसने सोचा था कि जूड बेलिंगहैम एक 18 वर्षीय खिलाड़ी भी टीम में शामिल हो सकता है। वह बात अलग है कि उसे ज्यादा मैच खेलने को नहीं मिले।

वहीं, फाइनल मुकाबले के लिए इटली को इंग्लैंड के प्रशंसको से घबराना नहीं चाहिए। क्योंकि मैच में वह कितना भी अच्छा क्यों ना कर लें, उन्हें प्रशंसकों से उत्साह नहीं मिलेगा। क्योंकि मैच में इतालियन प्रशंसक इंग्लैंड के मुकाबले कम ही रहने वाले हैं। बाकी इटली की टीम के पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण हैं। इसलिए उन्हें मैच के बारे में ज्यादा चिंता नहीं होगी। इटली को बस इंग्लैंड के प्रशंसको और इंग्लैंड की टीम के सामने खुद को प्रेरित रखना होगा। यह उनके लिए काफी कठिन मैच होने वाला है।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के बारे में इस टूर्नामेंट में एक अद्भुत चीज देखने को मिली है। वह पूरे टूर्नामेंट के दौरान लोगों से बात करना, उन्हें समझना, देखना, सुनना और उसका विश्लेषण काफी अच्छे तरीके से कर रहे हैं। ग्रुप चरण के पहले कुछ मैचों में जाहिर है कि हैरी केन को शाट न लगाने, गोल न करने के लिए काफी आलोचना झेलने पड़ी थी। एक क्षण था जब हैरी केन ने बाक्स के किनारे पर से गेंद को गोल पोस्ट में नहीं पहुंचा पाए थे जबकि वह ऐसा कर सकते थे और उन्होंने कई बार किया भी है। उन्होंने खुद से ज्यादा खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाकर टीम के प्रति कर्तव्य दर्शाया है। इस तरह एक कप्तान के तौर पर आपको खुद को खिलाड़ियों पर भरोसा जताना होता है जबकि अपने स्वार्थ को भी किनारे रखना होता है। इस घटना के बाद केन को गोल करने का मौका मिला और उन्होंने उसे भुनाया भी। कोच गेरेथ साउथगेट काफी शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं।

(लेखक इंग्लैंड के पूर्व गोलकीपर हैं और कई इंग्लिश क्लबों के लिए खेल चुके हैं।)



फेडरिको चिएसा ● एएफपी

इन पर रहेगी निगाह

इटली

फेडरिको चिएसा, फारवर्ड (6 मैच, 2 गोल)

इटली के मजबूत क्लब जुवेंटस के लिए खेलने वाले चिएसा ने अभी तक टीम को निराश नहीं किया। वह स्पेन के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में निर्धारित समय के 1-1 के स्कोर में अहम गोल किया था। इसके अलावा उन्होंने आस्ट्रिया के खिलाफ भी गोल किया था। वह छह में से तीन मैच ही पूरे खेले हैं। इटली के कोच उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पूरे मैच तक मैदान पर उतारने की कोशिश करेंगे।

लोकेटेली, मिडफील्डर (4 मैच, 2 गोल)

यह मिडफील्डर इंग्लैंड को भारी पड़ सकता है। वह अटैकिंग मिल्डफील्डर के तौर पर खेलते हैं और उनकी खासियत यह है कि वह गोल करने के तो मौके बनाते हैं ही और साथ में मौका लगने पर गोल दागने से भी नहीं चूकते हैं। उन्होंने स्विट्जरलैंड के खिलाफ दो गोल करके यह साबित भी किया है।

मेटेयो पेसिना, मिडफील्डर (4 मैच, 2 गोल)

यह मिडफील्डर अभी तक टूर्नामेंट में पूरे 90 मिनट तक नहीं खेला है। पेसिना वेल्स के खिलाफ मैच के दौरान वह 86 मिनट तक मैदान पर रहे और एक गोल किया। फिर आस्ट्रिया के खिलाफ 54 मिनट तक खेले थे और तब भी एक गोल दाग दिया। अब देखना यह होगा कि इटली कोच उन्हें 90 मिनट तक मैदान पर रखते हैं या नहीं।

इंग्लैंड

हैरी केन, फारवर्ड (6 मैच, 4 गोल)

इंग्लिश कप्तान हैरी केन ने डेनमार्क के खिलाफ पेनाल्टी पर रिबाउंड पर गोल करके टीम को फाइनल का टिकट दिलाया था। इससे पहले वह ग्रुप स्तर के मैचों में गोल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन अहम मौके पर उनके फार्म में आने से टीम को इसका फायदा हो रहा है और वह भी आत्मविश्वास के साथ खेलने लगे हैं।

ल्यूक शा, डिफेंडर (6 मैच, 3 गोल)

ल्यूक शा डिफेंस में तो टीम को मजबूती देते हैं और साथ में स्ट्राइकरों को गोल करने में मदद भी करते हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ मैगुएर और केन के गोल करने में मदद की जिससे टीम का जीत का अंतर बढ़ गया था। इससे पहले जर्मनी के खिलाफ भी उन्होंने स्टर्लिंग के गोल में मदद की थी।

रहीम स्टर्लिंग, फारवर्ड (6 मैच, 2 गोल)

सेमीफाइनल मुकाबले में रहीम के कारण ही इंग्लैंड को पेनाल्टी मिली थी जिसके बाद केन के गोल से टीम फाइनल में पहुंची। रहीम सेमीफाइनल में गोल नहीं कर पाए लेकिन ग्रुप स्तर के मैचों में उन्होंने अपने प्रदर्शन से दिल जीता था। वह ज्यादातर समय विपक्षी खेमे के बाक्स में रहते हैं और इसका फायदा गोल या पेनाल्टी के रूप में मिलता है।



हैरी केन ● एएफपी

इटली: 07 फीफा रैंकिंग | 10 गोल किए | 02 गोल खाए | 1968 विजेता
कोच : राबर्टो मानसिनी

यूरो में इस बार प्रदर्शन: 6 कुल मैच — 6 जीत, 0 ड्रा

आमने-सामने (■ मैच ■ जीत ■ ड्रा): 27 कुल मैच — इंग्लैंड 08, इटली 11, ड्रा 08

इंग्लैंड: 04 फीफा रैंकिंग | 09 गोल किए | 01 गोल खाए | 1966 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : सेमीफाइनल
कोच : गेरेथ साउथगेट

यूरो में इस बार प्रदर्शन: 6 कुल मैच — 5 जीत, 1 ड्रा

ओवरआल पेनाल्टी शूट आउट में रिकार्ड

इंग्लैंड	09 शूट आउट	3 जीते	6 हारे
इटली	12 शूट आउट	5 जीते	7 हारे

10 वां इटली की टीम कोई बड़ा फाइनल मुकाबला खेल रही है जिसमें छह विश्व कप और चार यूरो कप शामिल है। इस मामले में जर्मनी (14) शीर्ष पर है

1966 विश्व कप जीतने के बाद इंग्लैंड की टीम कोई बड़े टूर्नामेंट (विश्व कप/यूरो कप) का फाइनल खेल रही है और वह पहली बार यूरो कप का फाइनल खेलने उतरेगी। इंग्लैंड 55 साल के लंबे इंतजार के बाद फाइनल खेलने उतरेगा

3 जीत और एक ड्रा के साथ इटली की टीम इंग्लैंड के खिलाफ किसी बड़े टूर्नामेंट (विश्व कप/यूरो कप) में हारी नहीं है। उन्होंने 1980 यूरो में इंग्लैंड को 1-0 से हराया फिर 1990 व 2014 विश्व कप में इंग्लिश टीम को 2-1 से मात दी। इसके अलावा 2012 यूरो में पेनाल्टी शूट आउट में 4-2 से जीते

33 मैचों से इटली की टीम को शिकस्त नहीं मिली है। इस बीच उसने 27 मुकाबले जीते हैं और छह ड्रा खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 86 गोल दागे हैं और सिर्फ 10 ही गोल खाए हैं

17 में से पिछले 15 मुकाबले इंग्लैंड ने वेंबले स्टेडियम में जीते हैं। एक में टीम को हार मिली तो एक मुकाबला ड्रा खेला। इस दौरान इंग्लिश टीम ने 46 गोल किए और पांच गोल खाए हैं

दोनों टीमों के बीच पिछले तीन मुकाबले

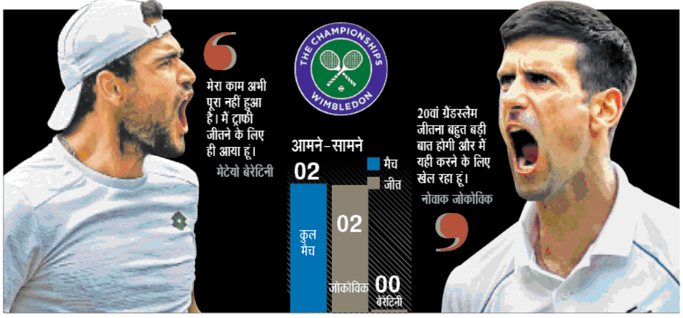
- 2018 में अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मुकाबला 1-1 ड्रा
- 2015 में भी दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मुकाबला ड्रा
- 2014 में विश्व कप में इटली ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया

आज 00 :30 बजे से
सोनी नेटवर्क

कोपा अमेरिका में कोलंबिया तीसरे स्थान पर रहा

ब्रासीलिया : कोलंबिया ने कोपा अमेरिका फुटबाल के तीसरे स्थान के मुकाबले में स्ट्राइकर लुई डियाज के दो गोल की मदद से पेरू को 3-2 से हरा दिया। टूर्नामेंट का फाइनल रविवार की सुबह ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच रियो डि जेनेरियो के माराकाना स्टेडियम पर खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए 10 प्रतिशत दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति होगी पेरू के लिए पहला गोल योशिमार योतुन ने 28वें मिनट में किया। कोलंबिया ने 49वें मिनट में जुआन गुइलेरमो के गोल के दम पर बराबरी की। दूसरे हाफ में 66वें मिनट में डियाज के गोल पर कोलंबिया ने बढ़त बनाई। पेरू के इतालवी मूल के स्ट्राइकर जियांलुका लालाडुला ने 82वें मिनट में हेडर पर गोल करके स्कोर फिर बराबर कर दिया। डियाज ने हूटर से पहले एक और गोल करके टीम को जीत दिलाई।

जोकोविक का अनुभव vs बेरेटिनी का जोश



दोनों खिलाड़ियों के बीच आज खेला जाएगा विंबलडन का फाइनल

लंदन, एपी : अपने करियर के 20 ग्रैंडस्लैम पूरे करने की दहलीज पर खड़े नोवाक जोकोविक का सामना रविवार को विंबलडन के फाइनल में टेनिस के नए सितारे मेटेयो बेरेटिनी से होगा तो उनके अपार अनुभव को इटली के इस खिलाड़ी के जोश से कड़ी चुनौती मिलेगी। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविक अगर यह खिताब जीत लेते हैं तो रोजर फेडरर और राफेल नडाल के समान उनके 20 ग्रैंडस्लैम हो जाएंगे जो पुरुष टेनिस में रिकार्ड है। अपने से 12 साल छोटे बेरेटिनी से भिड़ने से पहले जोकोविक ने सेमीफाइनल में डेनिस शापोवालोव को 7-6 (7-3), 7-5, 7-5 से हराया। दूसरी ओर बेरेटिनी ने दुनिया के 14वें नंबर के खिलाफ जाइंट किलर हुबर्ट हरकैज को 6-3, 6-0, 6-7 (3-7), 6-4 से मात दी। हरकैज ने क्वार्टर फाइनल में रोजर फेडरर को शिकस्त देकर टूर्नामेंट से बाहर किया था। सेमीफाइनल के दौरान इटली के बेरेटिनी के समर्थन में आल इंग्लैंड क्लब पर वेइ (गो), फोरजा (लेट्स गो) और अंदियामो, आमोरे मियो (लेट्स गो माइ लव) जैसे इटली भाषा में नारे भी सुनाई दिए। वह 45 साल में किसी ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। वहीं, इस मैच में क्रोएशिया की 43 साल की मारिया सिसाक महिला चेयर अंपायरिंग की भूमिका निभाएंगी। विंबलडन के इतिहास में पहली बार पुरुष सिंगल्स के फाइनल में एक महिला चेयर अंपायरिंग की भूमिका में होंगी।

समीर जूनियर फाइनल में

लंदन : भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी समीर बनर्जी ने विंबलडन जूनियर सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने के लिए फ्रांस के साशा ग्येमार्ड वेयनबर्ग को 7-6, 4-6, 6-2 से हरा दिया।

विंबलडन की नई चैंपियन बनीं बार्टी



खिताबी ट्राफी के साथ एश्ले बार्टी ● रायटर

लंदन, एपी : शीर्ष वरीय एश्ले बार्टी ने शनिवार को यहां महिला सिंगल्स फाइनल में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-7, 6-3 से हराकर विंबलडन टेनिस ट्राफी अपने नाम की। यह बार्टी का दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब है। दोनों खिलाड़ी ही पहली बार विंबलडन के फाइनल में पहुंची थीं और इस तरह बार्टी के रूप में विंबलडन को नई महिला चैंपियन मिल गई। खिताब जीतने के बाद बार्टी कोर्ट पर ही भावुक हो गईं। 25 वर्षीय बार्टी ने इससे पहले 2019 में फ्रेंच ओपन ट्राफी जीती थी। इवोने गूलागोंग के 1980 में आल इंग्लैंड क्लब में खिताब जीतने के बाद वह यहां ट्राफी हासिल करने वाली पहली आस्ट्रेलियाई महिला हैं। बार्टी ने थकान की वजह से 2014 में करीब दो साल के लिए टेनिस टूर से दूर रहने का फैसला किया था।

कुबर्तिन ने ओलंपिक को हकीकत में बदला





टोक्यो ओलंपिक
12 दिन शेष

ओलंपिक खेलों का 32वां महाकुंभ 23 जुलाई से जापान की राजधानी टोक्यो में होने जा रहा है, जिसमें 206 देशों के लगभग 11500 खिलाड़ी 33 खेलों की 339 स्पर्धाओं में अपना दमखम दिखाएंगे। इन खेलों के इतिहास पर आज से शुरू इंफोग्राफिक सीरीज की पहली कड़ी।

शुरुआत

- प्राचीन ग्रीस में ओलंपिक खेलों का शुभारंभ हुआ। माना जाता है कि ग्रीक के मिथकीय चरित्र हरक्यूलिस और उसके पिता देवता ज्यूस इस खेल के जनक हैं। मिथक के अनुसार हरक्यूलिस ने सबसे पहले इस खेल को ओलंपिक कहा। उन्होंने ही हर चार साल में इसके आयोजन की शुरुआत की और पहले ओलंपिक स्टेडियम का निर्माण कराया।
- ग्रीस में इस खेल का धार्मिक महत्व भी था प्राचीनतम साक्ष्य के अनुसार पहले ओलंपिक खेल की शुरुआत 776 ईसा पूर्व में ग्रीस के ओलंपिया में हुई।

पहला चैंपियन

पहले ओलंपिक खेल में ग्रीस के एलिस शहर के बावर्ची कोरोइबस ने 192 मीटर की दौड़ लगाकर इतिहास में पहले ओलंपिक चैंपियन होने का गौरव हासिल किया। उस ओलंपिक में सिर्फ एथलेटिक्स प्रतियोगिता ही शामिल थी

पतन

माना जाता है कि रोमन साम्राज्य ने जब ग्रीस पर सत्ता हासिल की तो रोमन शासक थियोडोसियस प्रथम ने 393 ईस्वी में इस आयोजन को बंद करा दिया। उसके बाद 19वीं सदी के अंत में ही दोबारा इन खेलों का आयोजन प्रारंभ हुआ।

आधुनिक खेल

- फ्रांस के शिक्षाविद और इतिहासकार पियरे द कुबर्तिन (1863-1937) ने ओलंपिक को दोबारा शुरू करने की बात सोची।



पियरे द कुबर्तिन

- 23 जून, 1894 को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) की स्थापना की। आइओसी की पहली ओलंपिक कांग्रेस में उन्होंने हर चार वर्ष में इस खेल आयोजन का विचार रखा। कांग्रेस के समापन सत्र में आधुनिक युग के पहले ओलंपिक खेल का आयोजन 1896 में एथेंस में करने की घोषणा की गई

शीतकालीन ओलंपिक

ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में बर्फ पर खेले जाने वाले खेल आयोजित नहीं किए जा सकते थे। लिहाजा फ्रांस के चैमोनिक्स में पहली बार शीतकालीन ओलंपिक खेल आयोजित किए गए। 1992 तक आयोजन के वर्ष में दोनों खेलों का आयोजन होता रहा। बाद में इनको हर दो वर्ष के अंतराल पर करवाया जाने लगा।



पैरालंपिक खेल : दूसरे विश्व युद्ध के बाद 1948 के लंदन ओलंपिक के दौरान जर्मन न्यूरालिस्ट सर लुडविग गुटमान ने दिव्यांग सैनिकों का पुनरुद्धार करने के लिए लंदन के कई अस्पतालों के सैनिकों में खेल प्रतियोगिता कराई। 1960 के रोम ओलंपिक के दौरान ही गुटमान ने 400 दिव्यांग एथलीटों के साथ 'पैररल ओलंपिक' का आयोजन कराया। इसको पहले पैरालंपिक खेल कहा गया। तब से हर ओलंपिक वर्ष में इन खेलों का आयोजन भी किया जाता है। 1984 में पैरालंपिक खेल शब्द का अनुमोदन आइओसी ने किया।



सर लुडविग गुटमान

यूथ ओलंपिक

14-18 वर्ष के एथलीट ही इस ओलंपिक में भाग ले सकते हैं। 2010 में पहली बार इसका आयोजन किया गया।

टीवी प्रसारण

1956 के शीतकालीन ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार इन खेलों का टीवी पर प्रसारण किया गया

आइओसी

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) मेजबानी तय करने के साथ खेल गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण रखने वाली संस्था है। इंस्पायर ए जनरेशन के सूत्र वाक्य (मोटो) वाली इस कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाख हैं।

प्रतीक



ओलंपिक के पांच छल्ले पांच महाद्वीपों (अमेरिका, अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप) की एकता को प्रदर्शित करते हैं। ओलंपिक झंडे के पांचों छल्ले सफेद रंग की पृष्ठभूमि वाले नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग से निर्मित हैं।

बत्रा बोले, टोक्यो हवाई अड्डे पर लंबे इंतजार के लिए तैयार रहें खिलाड़ी : भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र बत्रा ने ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों को ताजा चिंताओं से अवगत कराते हुए कहा कि उन्हें टोक्यो पहुंचने पर लंबे समय खाना और पानी के बिना आप्रवास में इंतजार करना होगा।

फिर बदला सीरीज का कार्यक्रम

सीरीज का नया कार्यक्रम

तारीख	मैच
18 जुलाई	पहला वनडे
20 जुलाई	दूसरा वनडे
23 जुलाई	तीसरा वनडे
25 जुलाई	पहला टी-20
27 जुलाई	दूसरा टी-20
29 जुलाई	तीसरा टी-20

नई दिल्ली, प्रेट्र : श्रीलंकाई खेमे में कोरोना संक्रमण होने के बाद भारत व श्रीलंका के बीच सीमित ओवरों की सीरीज 18 जुलाई से शुरू होगी। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। यह सीरीज 13 जुलाई से शुरू होनी थी लेकिन श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच ग्रांट फ्लावर व डाटा विश्लेषक जी टी निरोशन के कोरोना पाजिटिव पाए जाने के बाद कार्यक्रम बदला गया।

'वंडर वुमेन' हरलीन के कैच ने हार पर लगाया मरहम

इंग्लैंड की महिला टीम ने पहले टी-20 में भारत को डकवर्थ लुइस के तहत हराया

नार्थंपटन, प्रेट्र : इंग्लैंड के सामने पहले टी-20 मुकाबले में बारिश के कारण भारतीय महिला टीम को 18 रनों से हार का सामन करना पड़ा लेकिन इस मैच में हरलीन देओल ने सुपरमैन अंदाज से कैच लपक हार पर कुछ मरहम लगा दिया। इस कैच के बाद चारों तरफ हरलीन के नाम की चर्चा होने लगी और रातों-रात वह क्रिकेट दुनिया की नई स्टार बन गईं। सचिन तेंदुलकर और सुरेश रैना से लेकर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से उनकी तारीफ की। सचिन ने इसे साल का सर्वश्रेष्ठ कैच बताया।



कुछ इस तरह हरलीन ने कैच लिया ● प्रेट्र

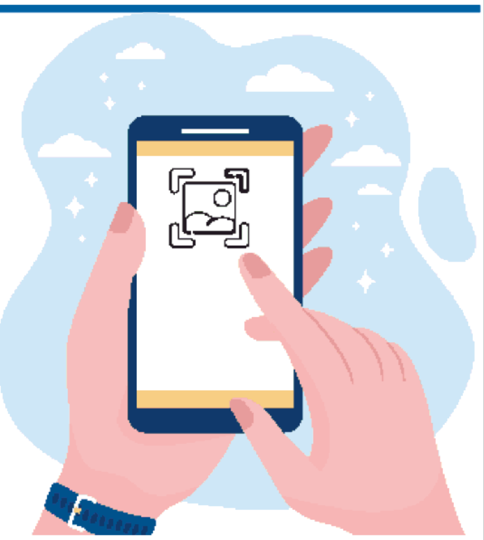
इंग्लैंड ने टास जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी चुनी। उन्होंने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बना लिए थे। 19वें ओवर में 26 गेंद पर 43 रन बनाकर बल्लेबाजी करने वाली एमी जोंस ने शिखा पांडेय की फुल लेंथ गेंद पर बड़ा शाट मारने के चक्कर में लांग आफ की तरफ हवा में गेंद को मारा। वहीं पर फील्डिंग करने वाली हरलीन ने गेंद पर निगाहें जमाए रखी व सीमा रेखा के पास ऐसा नजारा दिखाया जो कि महिला क्रिकेट में शायद ही देखने को मिलता है। चंडीगढ़ की रहने वाली और हिमाचल प्रदेश से खेलने वाली हरलीन ने पहले गेंद को कैच किया। जब वह खुद को संभाल नहीं पा रहीं थी तो गेंद को हवा में उछाल कर सीमा रेखा के पार चली गई। गेंद पर नजर बनाए रखते हुए हरलीन ने एक बार फिर सीमा रेखा के अंदर सुपरमैन अंदाज में छलांग लगाई और हवा में रहते हुए गेंद को लपक लिया। जिससे जोंस की पारी 27 गेंदों में 43 रन पर ही समाप्त हो गई और इंग्लैंड को चौथा झटका लगा। हरलीन की इस बेहतरीन कैच ने उन्हे रातों-रात स्टार बना दिया। मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 177 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 8.4 ओवर में 3 विकेट पर 54 रन जब बना चुकी थी उसके बाद बारिश ने खलल डाला। और मेजबान टीम को डकवर्थ लुइस नियम के तहत 18 रन से विजेता घोषित किया।

> यह एक शानदार कैच था हरलीन देओल। मेरे लिए यह साल का सर्वश्रेष्ठ कैच है।
> **सचिन तेंदुलकर**
>
> शानदार कैच हरलीन, आपने सचमुच एक अरब लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया, इस कैच को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।
> **अनुराग ठाकुर**, केंद्रीय खेल मंत्री

दैनिक जागरण
सप्तरंग
तकनीक की दुनिया का
रविवार, 11 जुलाई, 2021

आजकल स्क्रीनशाट लेना बेहद आम हो गया है। अक्सर कार्य से संबंधित चीजों को सहेज कर रखने के लिए स्क्रीनशाट की जरूरत पड़ जाती है। स्मार्टफोन और पीसी में स्क्रीनशाट लेने का तरीका मौजूद है, लेकिन कुछ ऐसे टूल्स भी हैं, जो इस कार्य को और आसान बना देंगे। आइए जानें पीसी और स्मार्टफोन पर कैसे आसान तरीके से स्क्रीनशाट ले सकते हैं...

पीसी-स्मार्टफोन पर स्क्रीनशाट



टेक गाइड

आजकल स्क्रीनशाट डिजिटल जीवन का एक हिस्सा बन गया है। आप किसी फाइल को डिजिटल रूप में सहेजने के लिए स्क्रीनशाट लेते हैं, तो वहीं कुछ महत्वपूर्ण चीजों को शेयर करने के लिए भी स्क्रीनशाट महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, आजकल आनलाइन क्लासेज के दौरान अक्सर बच्चों को स्क्रीनशाट लेने के लिए कहा जाता है। अलग-अलग डिवाइस पर स्क्रीनशाट लेना हर किसी के लिए उतना सहज नहीं होता है। अगर छोटे बच्चे पीसी पर क्लास ले रहे हैं, तो उनके लिए पारंपरिक तरीके से स्क्रीनशाट लेना आसान नहीं होता है। यहां आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिनकी मदद से स्क्रीनशाट लेना आसान हो जाएगा।

एंड्रायड स्मार्टफोन



एंड्रायड स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं, तो यहां पर स्क्रीनशाट लेने का सबसे आसान तरीका है- पावर + वाल्यूम डाउन बटन को एक साथ प्रेस करना। स्टाक एंड्रायड में पाप-अप का आप्शन भी मिलता है, जहां स्क्रीनशाट को तुरंत एडिट और शेयर कर सकते हैं। हालांकि सैमसंग के पुराने फोन में पावर + होम बटन को प्रेस कर स्क्रीनशाट ले सकते हैं। वहीं कुछ डिवाइस में पावर बटन को लंबे समय तक प्रेस करने पर भी स्क्रीनशाट का विकल्प आ जाता है। कुछ एंड्रायड डिवाइस में जेस्चर के जरिए भी स्क्रीनशाट ले सकते हैं। जैसे कि सैमसंग के फोन में पाल्म स्वाइप का सपोर्ट मौजूद है। इसके लिए सेटिंग्स > एडवांस्ड फीचर्स > मोशन ऐंड जेस्चर्स > पाल्म स्वाइप को इनेबल करना होगा। इसके बाद स्क्रीनशाट के लिए आपको बस स्क्रीन पर 90 डिग्री एंगल में अपने हाथ को स्वाइप करना होगा। इसी तरह मोटोरोला के फोन में तीन अंगुलियों से स्क्रीन पर टैप कर स्क्रीनशाट लिया जा सकता है। आजकल एंड्रायड फोन के क्विक मेन्यू में भी स्क्रीन कैप्चर या स्क्रीनशाट का विकल्प होता है। इसके अलावा, अगर आपके फोन में गूगल असिस्टेंट एक्टिव है, तो कहें, ओके गूगल, एक स्क्रीनशाट ले लो। फिर स्क्रीन पर जो कुछ भी होगा, वह कैप्चर हो जाएगा। हालांकि आपको एडिट और शेयर का विकल्प नहीं दिखाई देगा, स्क्रीनशाट लाइब्रेरी में सहेजी जाएगी।

थर्ड पार्टी एप्स: एंड्रायड फोन पर स्क्रीनशाट के लिए थर्ड पार्टी एप्स की मदद ली जा सकती है। इसके लिए आप 'स्क्रीनशाट ईजी' एप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह स्क्रीन रिकार्ड की सुविधा के साथ आता है यानी स्क्रीन को रिकार्ड कर आसानी से शेयर कर सकते हैं।

ऐसे लें वेब पेज का स्क्रीनशाट



कई बार आप पूरी वेब पेज का स्क्रीनशाट लेना चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं हो पाता है। प्रिंट स्क्रीन बटन से केवल उस हिस्से का ही स्क्रीनशाट ले सकते हैं, जो आपकी स्क्रीन पर दिखाई दे रहा है। लेकिन यदि उस हिस्से का भी स्क्रीनशाट लेना चाहते हैं, जो स्क्रीन पर नहीं दिखाई दे रहा है, तो फिर क्रोम एक्सटेंशन 'गोफुलपेज- फुल पेज स्क्रीन कैप्चर' का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी मदद से किसी भी वेबपेज का वर्टिकल स्क्रीनशाट ले सकते हैं...

- इसके लिए क्रोम वेब स्टोर से 'गोफुलपेज- फुल पेज स्क्रीन कैप्चर' को क्रोम ब्राउजर के साथ जोड़ना होगा।
- जब यह एक्सटेंशन क्रोम ब्राउजर के साथ जुड़ जाता है, तो फिर वेब एड्रेस के बगल में दायीं तरफ कैमरे जैसा एक आइकन दिखाई देगा।
- इसके बाद किसी भी वेब पेज का स्क्रीनशाट लेना काफी आसान हो जाता है। Alt+Shift+P के जरिए पूरी वेब पेज का स्क्रीनशाट ले सकते हैं। स्क्रीनशाट लेने के बाद उसे पीडीएफ या फिर पीएनजी में डाउनलोड कर सकते हैं। यहां आपको हिस्ट्री का आप्शन मिलेगा, जिसमें आपको पुराने स्क्रीनशाट्स भी मिल जाएंगे।

अच्छी बात यह है कि इसमें स्क्रालिंग स्क्रीनशाट फंक्शनैलिटी है यानी आप स्क्राल करते हुए पूरी वेब पेज का स्क्रीनशाट ले सकते हैं। यहां पर एडिटिंग से जुड़े फीचर्स भी मिलते हैं। इसके अलावा, आप चाहें, तो सुपर 'स्क्रीनशाट' एप की मदद भी ले सकते हैं। यह फ्री और इस्तेमाल के लिहाज से आसान है। सिर्फ बटन को दो सेकंड तक प्रेस कर स्क्रीनशाट ले सकते हैं। यहां स्क्रीनशाट को क्राप कर सकते हैं और उस पर टेक्स्ट नोट्स जोड़ने की सुविधा भी है। आप विभिन्न तरह के फिल्टर को भी सेट कर सकते हैं।

आइओएस और आइपैड ओएस

आइफोन और आइपैड पर स्क्रीनशाट लेना काफी सरल है। यदि डिवाइस में फेस आइडी है, तो फिर पावर + वाल्यूम अप बटन को दबाकर स्क्रीनशाट ले सकते हैं। यदि डिवाइस में टच आइडी है, तो फिर पावर + होम को दबाकर रखें। जैसा कि एंड्रायड पर होता है कि आपको अपने कैप्चर किए गए स्क्रीनशाट का एक छोटा-सा थंबनेल स्क्रीन के कोने में दिखाई देगा। अगर



तस्वीर को सेव करने से पहले एनोटेट या एडिट करना चाहते हैं, तो इस पर टैप करें। वैसे, यहां सिरी आपके लिए स्क्रीनशाट भी ले सकता है। अगर वेबसाइट, पीडीएफ, ईमेल, नोट आदि का स्क्रालिंग स्क्रीनशाट लेना चाहते हैं, तो यह भी आसान है। स्क्रालिंग स्क्रीनशाट या फुल पेज स्क्रीनशाट लेने के लिए आपको एक ही समय में साइड या टाप बटन और वाल्यूम अप बटन को दबाए रखना होगा। इसके बाद प्रिव्यू पर टैप करें, जो नीचे बायें कोने में दिखाई देगा। इसके बाद टाप में दायीं तरफ फुल पेज के विकल्प को चुनें। सेव करने के पहले सभी पेज का प्रिव्यू देख सकते हैं। फुल पेज के किसी खास हिस्से को सेव करना चाहते हैं, तो उसके लिए क्राप आइकन पर टैप करना होगा। इसके बाद डन पर टैप करें।

थर्ड पार्टी एप्स: अगर आइफोन और आइपैड पर स्क्रीनशाट के लिए थर्ड पार्टी एप्स की मदद लेना चाहते हैं, तो पिकसीव- स्क्रीनशाट स्टिचिंग की मदद ले सकते हैं। इसकी मदद से स्क्रालिंग स्क्रीनशाट लेना आसान हो जाएगा। इसके अलावा, टेलर-स्क्रीनशाट स्टिचिंग, रिकार्ड इट, टेक स्मिथ कैप्चर, स्टिच जैसे एप्स भी मौजूद हैं, जो आपके लिए स्क्रीनशाट लेना आसान बना सकते हैं।

विंडोज पीसी

विंडोज पीसी पर स्क्रीनशाट लेने के लिए कई तरीके मौजूद हैं। कीबोर्ड के कीज 'प्रिंट स्क्रीन' का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो कीबोर्ड पर ही आपको मिलता है। हालांकि यह कंप्यूटर पर भी डिपेंड करता है। कई कीबोर्ड पर यह PrtSc के नाम से होता है, तो कइयों पर इससे मिलते-जुलते होते हैं। वहीं लैपटॉप की बात करें, तो यहां पर Fn की के साथ दूसरे कीज को प्रिंट स्क्रीन के लिए एक्टिवेट किया जा सकता है। अब स्क्रीनशाट के लिए सबसे आसान तरीका है कि प्रिंट स्क्रीन कीज पर टैप करने के बाद माइक्रोसाफ्ट पेंट (इमेज एडिटिंग एप) को ओपन करें। फिर यहां पर Ctrl + V करने से स्क्रीनशाट यहां पर पेस्ट हो जाएगा। अब यहां पर इसे एडिट भी कर सकते हैं। फिर इसे



जेपीजी या अन्य फॉर्मेट में सेव एज कर लें। अगर आप तेजी से स्क्रीनशाट लेना चाहते हैं, तो फिर Win + PrtSc कीज का इस्तेमाल कर सकते हैं। स्क्रीनशाट वाली फाइल पिक्चर फोल्डर में सेव हो जाएगी, लेकिन यह आप्शन केवल विंडोज 8 और विंडोज 10 में ही उपलब्ध है। विंडोज 10 में स्क्रीनशाट लेना और भी आसान है। यहां पर Win + Shift + S कीज को एक साथ प्रेस करने के बाद स्क्रीनशाट से जुड़े कई विकल्प मिलेंगे। इसमें रीजनल स्क्रीनशाट का आप्शन है, जिसमें स्क्रीन पर सलेक्ट किए गए एरिया का स्क्रीनशाट ले सकते हैं, वहीं फ्रीफार्म, विंडोज स्निप और फुल स्क्रीन स्क्रीनशाट जैसे विकल्प भी होते हैं। जैसे ही स्क्रीनशाट लेंगे आपको नोटिफिकेशन मिलेगा कि स्क्रीनशाट क्लिपबोर्ड में सेव हो गया है। इसके अलावा, Alt+PrtScn और Win+Alt+PrtScn की मदद से भी स्क्रीनशाट ले सकते हैं। विंडोज पीसी में स्निप और स्केच टूल को स्टार्ट मेन्यू के माध्यम से सर्च करें। इसमें आपको स्क्रीनशाट से जुड़े और भी विकल्प मिल जाएंगे।

थर्ड पार्टी एप्स: विंडोज पीसी पीसी पर स्क्रीनशाट के लिए थर्ड पार्टी प्रोग्राम्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। 'स्नैगिट' (Snagit) एक बेहतर स्क्रीन कैप्चर टूल है, लेकिन इसके लिए आपको पैसा खर्च करना होगा। वहीं 'लाइटशाट' के माध्यम से भी आप पीसी पर स्क्रीनशाट ले सकते हैं। यह फ्री स्क्रीनशाट साफ्टवेयर है। फ्री स्क्रीनशाट के लिए 'शेयरएक्स' भी उपयोगी है। यह ओपन सोर्स साफ्टवेयर है। इसमें आपको स्क्रीन कैप्चर करने से संबंधित बहुत सारे टूल्स मिल जाएंगे। इसमें आटो-कैप्चर जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं।

अमित निधि

एक फोन पर चलाएं दो वाट्सएप, तरीका है आसान



इंटरनेट मीडिया

आप भी अपने एंड्रायड फोन पर दो वाट्सएप एकाउंट का इस्तेमाल करना चाहते हैं? हां, तो इसका तरीका बेहद आसान है। आसानी से अपने एंड्रायड फोन पर दो वाट्सएप एकाउंट सेटअप कर सकते हैं। आपको बता दें कि वाट्सएप अभी भी सबसे लोकप्रिय इंस्टैंट मैसेजिंग एप है। हालांकि इस एप की एक सीमा है कि एक डिवाइस पर केवल एक ही एकाउंट का उपयोग कर सकते हैं, मगर आज अधिकतर फोन मैन्युफैक्चरर डुअल एप सेट करने की सुविधा देने लगे हैं यानी आप एक ही एप के दो वर्जन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे करें डुअल एप्स की सेटिंग्स: अगर आप शाओमी के फोन का इस्तेमाल करते हैं, तो फिर आपको सेटिंग्स > एप्स > डुअल एप्स में जाकर फीचर को इनेबल करना होगा। वहीं सैमसंग के फोन में सेटिंग्स के अंदर आपको डुअल मैनेजर का विकल्प मिलता है। वीवो यूजर सेटिंग्स में एप्स ऐंड नोटिफिकेशंस में एप क्लोन में जाकर डुअल एप्स को इनेबल कर सकते हैं। ओप्पो यूजर को सेटिंग्स में एप क्लोनर का विकल्प मिलता है। वनप्लस के फोन में यह फीचर सेटिंग्स के अंदर यूटिलिटीज में पैरेलल एप्स के नाम से है। अगर रियलमी फोन यूजर हैं, तो फिर सेटिंग्स में एप मैनेजमेंट में एप क्लोनर का विकल्प मिलता है।

फीचर डेस्क

ऐसे करें सेटअप

अपने एंड्रायड फोन में दो वाट्सएप चलाने के लिए आपको पहले अपने फोन की सेटिंग्स में जाना होगा। अब आपको फोन कंपनी के आधार पर स्मार्टफोन में डुअल एप, एप क्लोन, एप ट्विन या पैरेलल एप जैसे विकल्प दिखाई देंगे। यहां पर आपको वाट्सएप के सामने एक टागल दिखाई देगा, जिसे आपको आन करना है। इसके बाद प्रक्रिया पूरी होने तक थोड़ा इंतजार करें। अब आप होम स्क्रीन पर वापस जाएं। यहां पर आपको वाट्सएप का दूसरा आइकन दिखाई देगा। यह आइकन भी पूरी तरह वाट्सएप जैसा ही होगा। आप इसे ओपन करने के बाद उसी तरह से सेटअप कर लें, जैसे वाट्सएप को करते हैं। इसके बाद 'एग्री ऐंड कंटीन्यू' बटन पर टैप करें। अब अगली स्क्रीन पर वाट्सएप सेट करने के लिए इस्तेमाल किए गए फोन नंबर से अलग फोन नंबर दर्ज करें और नेक्स्ट पर टैप करें। इसके बाद आपको वेरिफिकेशन के लिए एक ओटीपी मिलेगा। अब ओटीपी दर्ज करने के बाद आपको सेटअप प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कहा जाएगा। इस तरह फोन पर दूसरा वाट्सएप एकाउंट सेट-अप हो जाएगा।

एंड्रायड पर ऐसे यूज करें फेसटाइम

टिप्स ऐंड ट्रिक्स

आइफोन, आइपैड और मैक के बीच वीडियो काल के लिए फेसटाइम एक शानदार तरीका है। यह वर्षों से एपल इकोसिस्टम का हिस्सा रहा है। आइओएस 15 के साथ एपल के फेसटाइम का इस्तेमाल अब एंड्रायड यूजर भी कर सकते हैं। आपको बता दें कि अब फेसटाइम यूजर अपने फ्रेंड्स और फैमिली को एंड्रायड फोन, विंडोज कंप्यूटर या ब्राउजर पर भी वीडियो काल कर सकते हैं। इसका मतलब है कि फेसटाइम पर अपने दोस्तों से जुड़ने के लिए अब आपको आइफोन की जरूरत नहीं है। वीडियो काल में शामिल होने के लिए एंड्रायड पर फेसटाइम का उपयोग कैसे कर सकते हैं, आइए जानते हैं स्टेप-बाय-स्टेप गाइड।

ऐसे करें एंड्रायड पर फेसटाइम का यूज: अगर एंड्रायड यूजर है, तो फेसटाइम पर वीडियो काल में शामिल हो सकते हैं और उसमें भाग ले सकते हैं। लेकिन आप अभी एंड्रायड पर फेसटाइम काल शुरू नहीं कर सकते हैं। काल में शामिल होने के लिए आइओएस 15, आइपैडओएस 15 या मैक डिवाइस वाले किसी मित्र या परिवार के सदस्यों से इनवाइट लिंक की जरूरत





पड़ेगी। फिर आप जूम की तरह ही सीधे अपने ब्राउजर के माध्यम से वीडियो काल में शामिल होने के लिए लिंक का उपयोग कर सकते हैं।

आइफोन पर ऐसे बनाएं फेसटाइम काल लिंक

- आइफोन या आइपैड पर फेसटाइम को ओपन करें। इसे आप एप लाइब्रेरी से भी सर्च कर सकते हैं। यहां पर 'क्रिएट लिंक' पर क्लिक करना होगा।
- यह स्वचालित रूप से शेयरिंग शीट को ओपन करेगा। यहां 'फेसटाइम लिंक' के नीचे 'एड नेम' पर टैप करें। शेयर शीट से फेसटाइम काल में आमंत्रित करने के लिए व्यक्ति (एंड्रायड फोन यूजर) का चयन करें। आप फेसटाइम काल लिंक को किसी भी मैसेजिंग प्लेटफार्म के माध्यम से साझा कर सकते हैं, चाहे वह पारंपरिक एसएमएस हो या फिर वाट्सएप, टेलीग्राम आदि जैसे इंस्टैंट मैसेजिंग एप।

एंड्रायड पर फेसटाइम काल में ऐसे हों शामिल

- एंड्रायड डिवाइस पर आपको 'facetime.apple.com' फार्मेट में लिंक प्राप्त होगा। लिंक प्राप्त होने के बाद नीचे दिए गए स्टेप्स को फालो करें।
- क्रोम ब्राउजर में फेसटाइम काल लिंक को ओपन करें। लिंक ओपन होने के बाद अपना नाम दर्ज करें और कंटीन्यू पर टैप करें। यहां पर आपको साइन-अप या कुछ और करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आपने पहले से कैमरा और माइक्रोफोन उपयोग करने की अनुमति नहीं दी है, तो फिर दे दें।
- अब ऊपर दायीं तरफ ज्वाइन बटन पर क्लिक करें। आपको स्क्रीन के निचले भाग में 'वेटिंग टू बी लेट इन...' का मैसेज दिखाई देगा, जब तक कि आइफोन यूजर आपको मीटिंग में स्वीकार नहीं करता है। लिंक क्रिएट करने वाले आइफोन यूजर को मीटिंग में आपको स्वीकार करने का संकेत मिलेगा। बस उन्हें पाप-अप पर हरे रंग के चेक बटन को टैप करने के लिए कहें। एक बार जब वे ऐसा कर लेते हैं, तो आप अपने एंड्रायड फोन से फेसटाइम काल और वीडियो चैट में शामिल हो जाएंगे। आपको फुल-स्क्रीन पर जाने, म्यूट करने, वीडियो डिसेबल करने और कैमरा स्विच करने जैसे विकल्प सहित कुछ अन्य आन-स्क्रीन कंट्रोल भी मिलते हैं। इसके अलावा, आप थ्री-डाट मेन्यू पर टैप कर ग्रिड लेआउट को इनेबल कर सकते हैं या उपलब्ध कैमरों और आडियो सोर्स के बीच स्विच कर सकते हैं। यह फीचर केवल आइओएस 15 पर चलने वाले आइफोन पर काम करता है। यह वर्तमान में पब्लिक बीटा चैनल के माध्यम से उपलब्ध है।

फीचर डेस्क

नये गैजेट्स

सैमसंग गैलेक्सी एफ 22

सैमसंग ने गैलेक्सी एफ 22 फोन भारत में लांच कर दिया है। फोन में 6.4 इंच का एचडी+ सुपर एमोलेड इनफिनिटी-यू डिस्प्ले है। यह 90 हट्र्ज रिफ्रेश रेट, डाल्बी एटमास के साथ आता है। फोन में मीडियाटेक हीलियो जी80 प्रोसेसर है। फोन दो वैरियंट यानी कि 4जीबी रैम+64जीबी स्टोरेज और 6जीबी रैम+128जीबी स्टोरेज वैरियंट में आता है। इसमें क्वाड रियर कैमरा सेटअप है। रियर पैनल पर 48एमपी का प्राइमरी कैमरा, आठ एमपी अल्ट्रा-वाइड, दो एमपी का मैक्रो लेंस और दो एमपी का डेप्थ कैमरा है। फ्रंट में 13एमपी का कैमरा है। फोन में 6000एमएएच की बैटरी दी गई है। 4जीबी रैम+64जीबी स्टोरेज की कीमत 12,499 रुपये है।



बोट वाच एक्सटेंड



बोट ने अपना नया स्मार्टवाच बोट वाच एक्सटेंड लांच किया है। वाच में 1.69 इंच का स्क्वायर एलसीडी 2.5डी कलर डिस्प्ले है। यह एलेक्सा सपोर्ट के साथ आता है। इसमें म्यूजिक कंट्रोल, फाइंड माय फोन, डीएनडी और वेदर फोरकास्ट जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यह हार्ट रेट ट्रैकिंग, एसपीओ2 मानिटरिंग, स्लीप मानिटरिंग के साथ 4 फिटनेस मोड को सपोर्ट करता है। साथ ही काल, टेक्स्ट, अलार्म, हाइड्रेशन और इंटरनेट मीडिया एप्स के लिए नोटिफिकेशन अलर्ट के साथ आता है। स्मार्टवाच में 300 एमएएच की बैटरी है। इस वाच की कीमत 2,999 रुपये है।

ब्लापंक्ट साइबरसाउंड स्मार्ट टीवी

ब्लापंक्ट ने साइबरसाउंड सीरीज के तहत 55 इंच का एंड्रायड टीवी लांच किया है। यह जर्मन कंज्यूमर इलेक्ट्रानिक्स कंपनी का मेड इन इंडिया टीवी है। यह अल्ट्रा एचडी रिजाल्यूशन के साथ आता है। इसमें तीन तरफ बेजेललेस डिजाइन हैं। टीवी 60 हट्र्ज की पीक रिफ्रेश रेट और अधिकतम 450 निट्स तक की ब्राइटनेस के साथ आती है। इस टीवी खास बात इसकी साउंड क्वालिटी है। इसमें 60वाट का साउंड आउटपुट है। इसके साथ डाल्बी डिजिटल प्लस, डीटीएस



टू सराउंड साउंड सर्टिफाइड आडियो एवं डाल्बी एमएस12 साउंड टेक्नोलाजी दी रही है। इससे एक बेहतर साउंड मिलेगा। अल्ट्रा-एचडी डिस्प्ले के साथ यह एचडीआर 10+ कंटेंट को सपोर्ट करती है। यह एंड्रायड टीवी 10 पर चलता है। गूगल प्ले स्टोर में मनपसंद एप्स को डाउनलोड कर सकते हैं। टीवी में बिल्ट-इन गूगल क्रोमकास्ट और वायस कमांड के लिए गूगल असिस्टेंट की सुविधा है। वायस कमांड के जरिए चीजों को आसानी से सर्च कर सकते हैं। इसके अलावा, टीवी में 2जीबी रैम और 8जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ एआरएम कार्टेक्स ए53 प्रोसेसर है। कनेक्टिविटी विकल्पों की बात करें, तो ब्लूटूथ, एचडीएमआई और यूएसबी कनेक्टिविटी भी है। साथ ही, यह एपल एयरप्ले को सपोर्ट करता है। इसकी कीमत 40,999 रुपये है।

तकनीक और गैजेट से जुड़ी खबरों को पढ़ने के लिए https://www.jagran.com/technology-hindi.html? पर विजिट करें।

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

आज का भविष्यफल

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 11 जुलाई, 2021 रविवार आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष प्रतिपदा का राशिफल।

आज का राहुकाल: शाम 04:30 बजे से 06:00 बजे तक।

आज का दिशाशूल: पश्चिम।

आज का पर्व एवं त्योहार: पुष्य नक्षत्र, रथ यात्रा।

कल 12 जुलाई का पंचांग



कल का दिशाशूल: पूर्व।

कल का पर्व एवं त्योहार: मनोरथ द्वितीया।

विक्रम संवत 2078 शके 1943 उत्तरायन, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु आषाढ मास शुक्ल पक्ष की द्वितीया 08 घंटे 20 मिनट तक, तत्पश्चात् तृतीया अश्लेषा नक्षत्र 27 घंटे 14 मिनट तक, तत्पश्चात् मघा नक्षत्र वज्र योग 15 घंटे 50 मिनट तक, तत्पश्चात् सिद्धि योग कर्क में चंद्रमा 27 घंटे 14 मिनट तक तत्पश्चात् सिंह में।

मेष: शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया गया श्रम सार्थक होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। बुद्धि कौशल से किया गया कार्य पूर्ण होगा।

वृष: रिश्तों में मजबूती आएगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। धार्मिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

मिथुन: आर्थिक सुधार होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी।

कर्क: आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता कष्टदायी हो सकती है। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी।

सिंह: सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए संबंध बनेंगे।

कन्या: आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। बुद्धि कौशल से किया गया कार्य पूर्ण होगा।

तुला: धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपसी रिश्तों में मजबूती आएगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक: महिला अधिकारी से सहयोग मिल सकता है। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। सांस्कृतिक या पारिवारिक कार्य में व्यस्त हो सकते हैं।

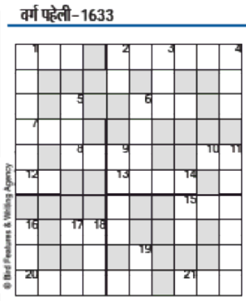
धनु: स्वास्थ्य के प्रति जोखिम न उठाएं। रुपए-पैसे के मामले में असावधानी महंगी पड़ सकती है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

मकर: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कुंभ: आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। निजी संबंध प्रगाढ़ होंगे। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

मीन: जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। पारिवारिक कार्यों में व्यस्त हो सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वर्ग पहेली-1633

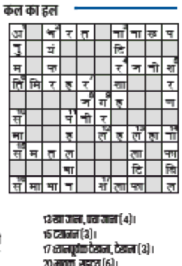


© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं

ऊपर से नीचे

कल का हल



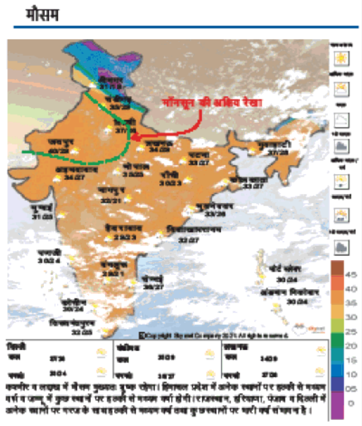
जागरण सुडोकू 1633

	9	4		5		2		7
7					9			1
		2	1		4		8	
2			9			6		8
		3			6		9	
	6			1				4
4	1		8	3		9		
		8		9			1	
9			4		1			3

कल का हल

6	9	5	1	2	7	4	3	8
2	1	4	9	8	3	6	7	5
3	8	7	4	6	5	2	1	9
8	2	1	3	9	4	5	6	7
7	4	3	2	5	6	8	9	1
9	5	6	8	7	1	3	2	4
4	7	2	5	3	9	1	8	6
5	3	9	6	1	8	7	4	2
1	6	8	7	4	2	9	5	3

मौसम



कल पढ़ें



रोजनामचा जिंदगी का

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 11 जुलाई, 2021
आजकल
14
www.jagran.com

मुंबई की लोकल ट्रेनों में सीरियल बम धमाके



आज ही के दिन वर्ष 2006 में आतंकियों ने मुंबई की लोकल ट्रेनों में सिलसिलेवार धमाके कर देश को दहला दिया था। सात बोगियों में 11 मिनट के अंदर सात विस्फोट हुए थे। 189 यात्रियों की मौत हुई थी। कोर्ट ने 12 दोषियों में से पांच को मौत व सात को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।



पहले भारतीय क्लब ने फुटबॉल के टूर्नामेंट में हिस्सा लिया

वर्ष 1889 में आज ही के दिन सोवा बाजार क्लब किसी फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने वाला पहला भारतीय दल बना था। सभी 11 खिलाड़ी अंग्रेजों के खिलाफ हुए मैच में नंगे पैर खेले थे। फादर आफ फुटबॉल नागेंद्र प्रसाद सर्बाधिकारी ने वर्ष 1887 में कोलकाता में इस क्लब की स्थापना की थी।

बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन थीं टुनटुन



बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन टुनटुन का जन्म आज ही के दिन 1923 में हुआ था। बॉलीवुड में बतौर सिंगर पहला ब्रेक नौशाद ने फिल्म 'वामिक अजरा' में दिया था। 'अफसाना लिख रही हूं', 'आज मची है धूम' जैसे सुपरहिट गाने गाए। नौशाद के कहने पर ही 1950 में फिल्म 'बाबुल' से अभिनय की शुरुआत की। 'एक पहेली', 'उपासना', 'गरम मसाला' जैसी करीब 200 फिल्मों में काम किया। 1990 में आई फिल्म 'कसम धंधे की' इनकी आखिरी फिल्म थी। 24 नवंबर, 2003 को लंबी बीमारी के बाद इनका निधन हो गया था।

इधर-उधर की

300 साल बाद चर्च पहुंची लाइब्रेरी से ली गई किताब



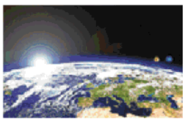
किताब पर लाइब्रेरी का नाम और 1709 लिखा है। इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी : कभी-कभी कुछ ऐसा हो जाता है, जिस पर यकीन करना मुश्किल होता है। इंग्लैंड के शेफील्ड कैथेड्रल में ऐसा ही वाकया सामने आया है। यहां डाक से एक किताब आई, जिसे 300 साल पहले कोई लाइब्रेरी से लेकर गया था। इसके साथ एक संदेश है, जिसमें वेल्स की महिला ने अपनी दादी की मौत के बाद उनकी इच्छा के मुताबिक इसे लौटाने की बात कही है। शेफील्ड कैथेड्रल में वाइस डीन कैनन कीथ फैरो ने कहा, 'हमें खुशी है 300 साल पहले लाइब्रेरी से गई किताब अपने घर आ गई है।' यह किताब शेफील्ड चर्च की 'ये लेंडिंग' लाइब्रेरी से संबंधित है, जिसे 19वीं सदी में तोड़ दिया गया था।

प्राचीन हीरों ने खोले धरती के राज

लगाया पता ▶ फ्रांसीसी और कनाडाई शोधकर्ताओं के अध्ययन में आया सामने

पृथ्वी के वायुमंडल की मूल रासायनिक संरचना 2.7 अरब साल पहले हुई थी निर्धारित



धरती में छिपे हैं अनंत रहस्य। फाइल इंटरनेट मीडिया

पेरिस, एएनआइ : धरती से जुड़े आज भी ऐसे तमाम रहस्य हैं, जिनका पता लगाने के लिए विज्ञानी निरंतर प्रयास कर रहे हैं। अब इस दिशा में विज्ञानियों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। दरअसल, प्राचीन हीरों के एक अनूठे अध्ययन में पता चला है कि पृथ्वी के वायुमंडल की मूल रासायनिक संरचना जो इसे जीवन के अनुकूल बनाती है, वह 2.7 अरब वर्ष पहले निर्धारित हुई थी।

प्राचीन चट्टानों में पाए जाने वाले हीरों में संरक्षित वाष्पशील गैसें उसी अनुपात में मौजूद थीं, जितने अनुपात में आज के मेंटल (पृथ्वी की ऊपरी परत और कोर के बीच का हिस्सा, इसमें पृथ्वी के आयतन का लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा है।) में मौजूद हैं। यह बात इस ओर संकेत करती है कि पिछले कुछ अरब वर्षों में वायुमंडल में वाष्पशील गैसों के अनुपात में कोई मौलिक परिवर्तन नहीं हुआ है। हाल ही में गोल्डस्चिमिड जियोकेमिस्ट्री सम्मेलन अपने इस शोध को रखने वाले प्रमुख शोधकर्ता डा. माइकल ब्राडली के मुताबिक, मेंटल में वाष्पशील गैसों का अनुपात और प्राचीन हीरों में गैसों का अनुपात यह बताता है कि हमारे पास ऐसे कोई साक्ष्य नहीं हैं, जो यह बताते हों कि कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। वाष्पशील, जैसे हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, नियॉन और कार्बन से जुड़े हल्के रासायनिक तत्व और यौगिक हैं, जिन्हें गर्मी या दबाव परिवर्तन के कारण आसानी से वाष्पीकृत किया जा सकता है। वे जीवन के लिए आवश्यक हैं, विशेष रूप से कार्बन और नाइट्रोजन। पृथ्वी पर वाष्पशील पदार्थ ज्यादातर इस ग्रह के अंदर से ऊपर उठते हैं और ज्वालामुखी विस्फोट जैसी घटनाओं के माध्यम से सतह पर आ जाते हैं। पृथ्वी के वायुमंडल में वाष्पशील कब आए, इस बात को जानने से पृथ्वी के कई रहस्य खुल सकते हैं। अभी तक इन रहस्यों पर से पर्दा उठाने के लिए कोई तरीका नहीं था।

इस तरह किया नया अध्ययन : अब फ्रांसीसी और कनाडाई शोधकर्ताओं ने प्राचीन हीरों का उपयोग टाइम कैप्सूल के रूप में किया है, ताकि सुदूर अतीत में पृथ्वी के मेंटल के अंदर की स्थितियों की जांच की जा सके। इन हीरों में जमा गैसों के अध्ययन से पता चलता है कि पिछले 2.7 अरब वर्षों में मेंटल की अस्थिर संरचना में थोड़ा सा बदलाव आया है। फ्रांस की लोरेन यूनिवर्सिटी में कार्यरत प्रमुख शोधकर्ता डा. माइकल ब्राडली के मुताबिक, पृथ्वी के आधुनिक मेंटल की संरचना का अध्ययन अपेक्षाकृत सरल है। औसतन मेंटल परत पृथ्वी की सतह से लगभग 30 किमी नीचे शुरू होती है और इसलिए हम ज्वालामुखियों द्वारा फेंके गए नमूने एकत्र कर सकते हैं। इससे अंदर फंसे तरल पदार्थों और गैसों का अध्ययन किया जा सकता है। हालांकि, पृथ्वी के अंदर परिवर्तन से काफी कुछ बदल सकता है, लेकिन हीरे अविनाशी होते हैं। इसलिए हमने उनका प्रयोग टाइम कैप्सूल के रूप में किया।

यह आया सामने : टीम ने हीलियम, नियॉन और आर्गन के समस्थानिकों को मापा और पाया कि वे आज के ऊपरी मेंटल में पाए जाने वाले ये तत्व समान अनुपात में मौजूद थे। इसका मतलब यह है कि आम तौर पर वाष्पशील के अनुपात में थोड़ा बदलाव आया है और पृथ्वी के अधिकांश जीवन के दौरान मेंटल और वायुमंडल के बीच आवश्यक अस्थिर तत्वों का वितरण काफी स्थिर रहने की संभावना है।

कनाडा में सुपीरियर झील पर वावा से प्राप्त किए हीरे

ब्राडली के मुताबिक, हम कनाडा में सुपीरियर झील पर वावा से 2.7 अरब साल पुरानी अत्यधिक संरक्षित चट्टान में फंसे हीरों का अध्ययन करने में कामयाब रहे। इसका मतलब है कि हीरे कम से कम उतने पुराने हैं, जितने चट्टानों में पाए जाते हैं। ये हीरे अविश्वसनीय रूप से दुर्लभ हैं और जब हम हीरों के बारे में सोचते हैं तो हम इन्हें खूबसूरत रत्नों की तरह नहीं लेते। हमने उन्हें ग्रेफाइट में बदलने के लिए 2000 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक तापमान गर्म किया, जिससे जांच के लिए थोड़ी मात्रा में गैस निकल सकी।



सबसे लंबा ट्रीटॉप वॉकवे...

स्विट्जरलैंड के लाक्स में दुनिया के सबसे लंबे ट्रीटॉप वॉकवे रविवार से आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। द वे ऑफ ड्रैगन वॉक 1.56 किमी लंबा है और करीब 28 मीटर ऊंचा है। यह मलेशिया के सुंगई सेडिम से अधिक लंबा है। यह वॉकवे चार डबल डेकर बसों के बराबर ऊंचाई पर स्थित है। ऊपर चढ़ने और उतरने के लिए स्लाइड लगाई गई हैं। जो लोग चढ़ने में समर्थ नहीं, उनके लिए लिफ्ट हैं। एएफपी

तैयार हुआ ओरल कैंसर के जीन के प्रतिरूपों का डाटाबेस

▶ इससे रोग की प्रकृति को समझने और बेहतर इलाज में होगी आसानी

▶ भारत में पुरुषों में पाया जाने वाला कैंसर का सबसे प्रचलित रूप है ओरल कैंसर



एनआइबीएमजी का सराहनीय प्रयास। फाइल

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : मुंह का कैंसर (ओरल कैंसर) देश में एक बड़ी चुनौती है। इस प्रकार के कैंसर में कैंसर ग्रस्त ऊतक मुंह की गुहा में बढ़ते हैं। मुंह के कैंसर में आमतौर पर जीभ शामिल होती है। यह मुंह के तल, गाल की परत, मसूड़ों, होंठ या तालु पर भी हो सकता है। ओरल कैंसर भारत में पुरुषों में पाया जाने वाला कैंसर का सबसे प्रचलित रूप है, जो मुख्य रूप से तंबाकू जैसे पदार्थ लेने से होता है। तंबाकू के प्रयोग से ओरल कैविटी में कोशिकाओं की आनुवंशिक सामग्री में परिवर्तन होता है। ये परिवर्तन (म्यूटेशन) ओरल कैंसर का कारण बनते हैं। इससे निपटने के लिए उससे संबंधित जानकारियों का होना बेहद अहम है।

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स (एनआइबीएमजी) ने मुंह के कैंसर में जीनोमिक बदलाव का एक डाटाबेस तैयार किया है, जो दुनिया में इस प्रकार का पहला प्रयास है। 'डीबीजेनवोक'- ओरल कैंसर के जीनोमिक वैरिएंट्स ब्राउज करने योग्य एक आनलाइन डाटाबेस है और इसे मुफ्त उपलब्ध कराया गया है।

डीबीजेनवोक की पहली रिलीज में 2.4 लाख सोमैटिक एवं जर्मलाइन वैरिएंट्स शामिल हैं, जो 100 भारतीय ओरल कैंसर रोगियों के होल एक्सोम सीक्वेंस और भारत के पांच ओरल कैंसर रोगियों के होल जीनोम सीक्वेंस से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही 220 रोगियों के नमूने से सोमैटिक वैरिएशन डाटा अमेरिका से एकत्र किए गए हैं। हाल ही में प्रकाशित प्रामाणिक शोध-पत्रों से 118 रोगियों के वैरिएशन डेटा को मैनुअल तरीके से तैयार किया गया है। समुदाय द्वारा अनुमोदित सर्वोत्तम प्रोटोकाल द्वारा वैरिएंट की पहचान की गई और कई विश्लेषणात्मक पाइपलाइन का उपयोग करके टिप्पणी सहित उसे नोट किया गया।

डीबीजेनवोक ब्राउजर केवल जीनोमिक वैरिएंट्स की एक सूची मात्र नहीं है, बल्कि इसमें एक सर्च इंजन भी शामिल है। इसके माध्यम से सांख्यिकीय एवं जैव सूचना का आनलाइन विश्लेषण भी किया जा सकता है, जिसमें ओरल कैंसर से संबद्ध परिवर्तित मार्ग में वैरिएंट की पहचान करना भी शामिल है। इस अहम सूचना रिपोजिटरी को भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के नए ओरल कैंसर रोगियों के डाटा को एकत्र कर प्रतिवर्ष अपडेट किया जाएगा। अध्ययन और विस्तृत डाटा के माध्यम से ओरल कैंसर के अनुसंधान में डीबीजेनवोक की अहम उपयोगिता हो सकती है। यह सिर्फ वैरिएंट्स का कैटलाग ही नहीं बल्कि उनके महत्व को समझने की दिशा में भी एक बड़ा कदम होगा।

आर्कटिक सागर की पिघलती बर्फ से हो सकती है ज्यादा बारिश

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : ग्लोबल वार्मिंग के कारण धरती के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। इससे उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद बर्फ लगातार पिघल रही है। नेशनल सेंटर फार पोलर एंड ओशन रिसर्च (एनसीपीओआर) ने अपने एक हालिया अध्ययन में कहा है कि आर्कटिक सागर के कारा क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पिघल रही बर्फ, सितंबर माह में मध्य भारत में अत्यधिक बरसात की घटनाओं का कारण हो सकती है। एनसीपीओआर के अनुसार, सेटेलाइट द्वारा 1979 से अब तक के आंकड़ों के अनुसार आर्कटिक सागर में बर्फ की मात्रा में हर दशक में औसतन 4.4 फीसद की कमी हो रही है।

वायु प्रदूषण की वजह से गंभीर हो सकता है कोरोना संक्रमण

अनुसंधान



रहें सावधान। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

वायु प्रदूषण का सेहत पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से हर कोई वाकिफ है। अब कोरोना वायरस (कोविड-19) से भी इसका संबंध पाया गया है। एक नए अध्ययन का दावा है कि वायु प्रदूषण के चलते कोरोना संक्रमण गंभीर हो सकता है। दूषित हवा में मौजूद पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 वाले माहौल में लंबे समय तक रहने से कोरोना पीड़ितों को आइसीयू में भर्ती करने का खतरा दोगुना ज्यादा हो सकता है।

अमेरिका के हेनरी फोर्ड हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं ने अनुसार, ऐसे माहौल में रहने वालों के लिए जोखिम अधिक हो सकता है। हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि वायु प्रदूषकों के चलते कोरोना संक्रमण कैसे और गंभीर हो सकता है, लेकिन यह अनुमान है कि वायु प्रदूषण में लंबे समय तक रहने से इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा प्रणाली) को नुकसान पहुंच सकता है। नतीजन वायरसों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ने के साथ ही वायरस संक्रमण गंभीर हो सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि वायु प्रदूषण में मौजूद सूक्ष्म कण वायरस के लिए वाहक के तौर पर काम कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने यह निष्कर्ष 2,038 वयस्कों के डाटा के विश्लेषण के आधार पर निकाला है। कोरोना पीड़ित इन मरीजों को गत वर्ष 12 मार्च से 24 अप्रैल के दौरान अस्पतालों में भर्ती करने की जरूरत पड़ी थी। इनमें ज्यादातर ऐसे मरीज रहे, जो उन इलाकों में रहते थे, जहां पीएम 2.5 का स्तर उच्च रहा। शोधकर्ताओं ने कहा कि वायु प्रदूषण वाले माहौल में रहने वाले लोगों में कोरोना के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए तत्काल नीति बनाने की जरूरत है। -आइएएनएस

स्क्रीन शॉट

फिल्म चेहरे को अगस्त में रिलीज करने की तैयारी



अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी अभिनीत फिल्म को थिएटर में रिलीज करेंगे निर्माता। इंस्टाग्राम

कई फिल्म मेकर्स सिनेमाघरों के खुलने का इंतजार कर रहे हैं। इनमें चेहरे फिल्म के निर्माता आनंद पंडित भी हैं। अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी अभिनीत इस फिल्म को गत नौ अप्रैल को रिलीज करने की घोषणा हुई थी, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर की वजह से सिनेमाघरों को बंद कर दिया गया। खबर है कि आनंद पंडित ने इस फिल्म के लिए सेंसर बोर्ड से ए सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर लिया है। दैनिक जागरण के सहयोगी अखबार मिड डे से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि हम अपनी फिल्म को अगस्त में सिनेमाघरों में रिलीज कर पाएंगे। हालांकि अभी तक हमने प्रमोशन का कोई प्लान नहीं बनाया है। यह समय कई शहरों के टूर पर जाने का नहीं है। इंटरनेट मीडिया पर प्रमोशन नया नार्म बन गया है। हमें यकीन है कि जिस तेजी से टीकाकरण हो रहा है, उससे लोगों में सिनेमाघरों में आने के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा।' फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख तय नहीं की गई है। यह सिनेमाघरों के खुलने और देश में कोरोना के हालात के मद्देनजर तय की जाएगी। आनंद ने कहा, 'किस क्षमता के साथ थिएटर खोले जाएंगे यह भी महत्वपूर्ण पहलू है। एक बार बड़ी संख्या में थिएटर के खुलने के बाद अन्य फिल्मों की रिलीज भी स्पष्ट होगी।

टाइगर फ्रेंजाइज की इस फिल्म के लिए अब निर्माता सेट बनाने के बजाय विदेश में शूटिंग की तैयारी कर रहे हैं। सब ठीक रहा तो दुबई में फिल्म की शूटिंग की जा सकती है।

23 जुलाई से शुरू होगी टाइगर 3 की शूटिंग



कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच अधूरी फिल्मों को पूरा करने पर फिल्ममेकर्स फोकस कर रहे हैं। इस कड़ी में अब खबर है कि एक था टाइगर फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग 23 जुलाई से आरंभ होगी। कोरोना की दूसरी लहर की वजह से अप्रैल में शूटिंग पर रोक लगने के बाद इस फिल्म की शूटिंग को रोकना पड़ा था। वहीं टाक्टे तूफान में फिल्म के सेट को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचने के बाद निर्माता आदित्य चोपड़ा के निर्देश पर मुंबई के गोरेगांव में एसआरपीएफ ग्राउंड में बनाए गए सेट को तोड़ दिया गया था। उसके बाद से सलमान खान और कट्रीना कैफ इस बड़े बजट की जासूसी थ्रिलर फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। अब खबर है कि निर्माताओं ने पूरे क्रू को कोरोना की पहली वैक्सीन लगने के बाद शूटिंग करने की अनुमति दे दी है। सूत्रों के मुताबिक निर्देशक मनीष शर्मा ने दो सप्ताह के शेड्यूल की तैयारी कर ली है। इसे अंधेरी स्थित यशराज स्टूडियो में फिल्माया जाएगा। फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाने वाले इमरान हाशमी भी इस शूटिंग का हिस्सा बनेंगे। यही नहीं निर्माता पश्चिम एशियाई देश के लिए बनाया गया सेट दोबारा नहीं बनाना चाहते हैं, जबकि कुछ दृश्यों की शूटिंग बाकी है। दरअसल, हालात में सुधार को देखते हुए मनीष और आदित्य इंटरनेशनल शेड्यूल की योजना बना रहे हैं। अगर सब ठीक रहा तो टीम 15 अगस्त के बाद विदेश में शूटिंग के लिए जा सकती है। चूंकि यूरोप और पश्चिम एशियाई देश कहानी के बैकड्राप में हैं। लिहाजा इसे दुबई के मार्केट में शूट करने पर विचार चल रहा है।

शूटिंग पर रोक की वजह से अटक गई थी सलमान >> की यह फिल्म ● जागरण आर्काइव

व्हाइट बोर्ड पर हंगामा 2 की कास्ट देखकर तय किया था कि यह फिल्म करनी ही है : प्रणिता



हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर रही हैं प्रणिता। इंस्टाग्राम

दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री प्रणिता सुभाष 23 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली फिल्म हंगामा 2 से हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने हिंदी में अपनी पहली फिल्म अजय देवगन अभिनीत फिल्म भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया साइन की थी जो 13 अगस्त को रिलीज होगी। दैनिक जागरण से बातचीत में प्रणिता कहती हैं, 'यह अजब संयोग है कि पहले पिछले साल दोनों फिल्मों की रिलीज डेट 14 अगस्त तय की गई थी, लेकिन महामारी के कारण दोनों फिल्में रिलीज नहीं हो पाईं। अब दोनों फिल्में एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक महीने के अंतराल पर रिलीज हो रही हैं। कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं होता है। जीवन में जो चीजें होनी हैं, वह होती हैं। शायद हंगामा 2 को ही मेरी पहली रिलीज फिल्म बनना था।' इस फिल्म से अपने सफर की शुरुआत के बारे में वह कहती हैं, 'दक्षिण भारत से होने के कारण फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन मुझे पहले से ही जानते हैं। भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया साइन करने के बाद मैं मुंबई में इस फिल्म पर काम ही कर रही थी, इसी बीच हंगामा 2 की प्रोडक्शन कंपनी वीनस रिकॉर्ड्स एंड टेप से मुझे बुलावा आया। मैंने उनके ऑफिस जाकर कहानी सुनी, मुझे इस जॉनर की मस्ती-मजाक वाली कहानियां बहुत पसंद हैं। मीटिंग खत्म होने के बाद मैं ऑफिस के वेटिंग एरिया में बैठी थी तभी मैंने देखा कि वहां एक व्हाइट बोर्ड टंगा था, जिस पर हंगामा 2 की कास्ट का नाम लिखा था। उस पर परेश रावल, शिल्पा शेट्टी और राजपाल यादव जैसे कलाकारों का नाम देखकर मैं बहुत उत्साहित हुई और मैंने तुरंत इस फिल्म के लिए स्वीकृति दे दी।'

क्राइम कॉमेडी फिल्म की शूटिंग को लेकर उत्साहित हैं करण



शूटिंग के लिए दिल्ली पहुंचे करण देओल। इंस्टाग्राम

पिछले साल फिल्म पल पल दिल के पास से अभिनय सफर का आगाज करने वाले करण देओल अपनी अगली क्राइम कॉमेडी फिल्म की शूटिंग दिल्ली में शुरू करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन देवेन मुंजा कर रहे हैं। यह तीन दोस्तों की कहानी है। करण अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए दिल्ली पहुंच चुके हैं। इंटरनेट मीडिया पर करण ने एक फोटो को साझा करते हुए लिखा कि नया लुक, नई शुरुआत। वह दोबारा शूटिंग शुरू करने को लेकर खुश हैं। लाकडाउन का दौर उनके लिए कैसा रहा? इस बाबत करण ने कहा कि लाकडाउन हम सबके लिए कठिन रहा है, लेकिन सबसे जरूरी है कि हम धीरे-धीरे और सुरक्षित तरीके से दोबारा शुरुआत करें। मैं शूटिंग पर जाने को लेकर उत्साहित हूं। इसके अलावा करण अपने 2 में भी नजर आएंगे। उसमें वह अपने दादा धर्मेंद्र, पिता सनी देओल, चाचा बॉबी देओल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह वर्ष 2007 में रिलीज हुई फिल्म अपने की सीक्वल है। फिल्म के निर्देशक अनिल शर्मा ने अपने इंटरव्यू में बताया था कि वह सितंबर से फिल्म की शूटिंग की योजना बना रहे है। फिल्म की ज्यादातर शूटिंग लंदन और पंजाब में होगी।

नागा चैतन्य ने किया हिंदी सिनेमा में पारी का आगाज



फिल्म के सेट से तस्वीर साझा कर तेलुगु अभिनेता ने जताया आभार ● इंस्टाग्राम

तेलुगु अभिनेता नागा चैतन्य अक्किनेनी आमिर खान अभिनीत फिल्म लाल सिंह चड्ढा से हिंदी सिनेमा में अपने सफर की शुरुआत कर रहे हैं। कारगिल में हो रही इस फिल्म की शूटिंग के लिए हाल ही में वह फिल्म की टीम से जुड़े और हिंदी सिनेमा में अपने सफर का आगाज किया। शुक्रवार को उन्होंने फिल्म के सेट से सेना की वर्दी में आमिर के साथ अपनी यह तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की और अपने किरदार के नाम बाला का भी जिक्र किया। इस तस्वीर में उनके साथ फिल्म के निर्देशक अद्वैत चंदन और फिल्म से बतौर सह निर्माता जुड़ी आमिर की पूर्व पत्नी किरण राव भी हैं। हाल ही में आमिर खान और किरण राव ने एक-दूसरे से अलग होने की घोषणा की है। नागा चैतन्य तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी के बेटे हैं। हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप की हिंदी रीमेक लाल सिंह चड्ढा में करीना कपूर खान, मोना सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को इस साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज करने की योजना है।

छह साल बाद निर्देशक की कुर्सी संभालेंगे गुड्डू



फिल्म से ठाकुर अनूप सिंह को लांच कर रहे हैं गुड्डू ● इंटरनेट मीडिया

जिद्दी, अफलातून और बिच्छू जैसी फिल्मों के निर्देशक गुड्डू धनोआ करीब छह साल के अंतराल के बाद निर्देशक की कुर्सी संभालने जा रहे हैं। उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म रमता जोगी 2015 में रिलीज हुई थी। अब वह फिल्म निर्माता जयंतीलाल गडा की प्रोडक्शन कंपनी पेन स्टूडियोज के अंतर्गत बन रही फिल्म रोमियो को निर्देशित करेंगे। यह एक तमिल एक्शन फिल्म की हिंदी रीमेक होगी, जिससे अभिनेता ठाकुर अनूप सिंह को लांच किया जाएगा। इस फिल्म के बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में गुड्डू ने बताया, 'यह 2017 में रिलीज हुई तमिल एक्शन फिल्म सिंघम 3 की हिंदी रीमेक है। इसके राइट्स जयंतीलाल जी ने बहुत पहले ही खरीद लिए थे। अगर परिस्थितियां नियंत्रण में रहीं तो हमारी योजना नौ अगस्त से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की है। इस फिल्म को मुंबई और गोवा में शूट किया जाएगा। पहले करीब 40 दिनों का शेड्यूल मुंबई और फिर 20-20 दिनों का शेड्यूल गोवा में शूट किया जाएगा। गुड्डू ने कहा कि फिल्म में अनूप के अलावा भी कई अन्य अनुभवी और शानदार कलाकार हैं, हालांकि अभी उनके बारे में नहीं बता सकता हूं। जल्द ही निर्माताओं की तरफ से इस फिल्म और इसके बाकी कलाकारों के बारे में आधिकारिक घोषणा की जाएगी।' सिंघम 3 में तमिल अभिनेता सरवनन शिवकुमार (सूर्या) के साथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी और श्रुति हासन मुख्य भूमिकाओं में थीं। गुड्डू फिल्म बिच्छू-2 पर भी काम कर रहे हैं।

जल्द ही एक गाने में एक साथ नजर आएंगी तीनों कक्कड़ बहनें



हम तुम, माफिया और माशाल्लाह जैसे गाने गा चुकी हैं प्रकृति-सुकृति। सौ. टीम प्रकृति-सुकृति

कहते हैं कि कला बहुत किस्मतवालों को मिलती है और जब एक ही घर में तीन-तीन बहनें कलाकार हों तो फिर क्या कहना। हम तुम, माफिया और माशाल्लाह जैसे गाने एक साथ गा चुकीं जुड़वा बहनें प्रकृति कक्कड़ और सुकृति कक्कड़ की जोड़ी जहां संगीत की दुनिया में काफी लोकप्रिय है, वहीं उनकी बड़ी बहन आकृति कक्कड़ जिस्म 2, हंप्टी शर्मा की दुल्हनियां और 2 स्टेट्स जैसी फिल्मों में गाने गा चुकी हैं।

अब जल्द ही ये तीनों कक्कड़ बहनें एक साथ गाने का निर्माण करने जा रही हैं। तीनों बहनों के एक साथ आने पर दैनिक जागरण से बातचीत में प्रकृति सुकृति ने कहा, 'उम्मीद है कि भविष्य में तीनों जल्द ही एक गाने में साथ काम करेंगे। हम तीनों बहनें एक साथ स्टेज शो तो करती ही हैं। हम बस इंतजार कर रहे हैं कि परिस्थितियां कब सामान्य हो और हमारा शो फाइनल हो, जिससे हम दोबारा एक साथ स्टेज पर परफॉर्म करने जा सकें। मैं ज्यादा तो नहीं बता सकती, लेकिन निश्चित तौर पर हम तीनों जल्द ही एक गाना लाने जा रहे हैं।' अपने अगले गाने के बारे में प्रकृति सुकृति बताती हैं, 'हाल ही में हमने एक गाना कंपोज किया है, उसका सब कुछ लाक (तय) हो गया है, सिर्फ विजुअल शूट बाकी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो जुलाई के अंतिम सप्ताह या अगस्त के पहले सप्ताह में वह गाना लोगों के सामने आ जाएगा। उसके बाद भी आगामी कई फिल्मों में हमारे गाने आएंगे।'

फाइटर की शुरुआत का रितिक ने दिया संकेत



दीपिका पादुकोण के साथ पहली बार स्क्रीन पर दिखाई देंगे रितिक रोशन ● इंस्टाग्राम

साल की शुरुआत में रितिक रोशन के जन्मदिन पर फिल्म फाइटर की घोषणा की गई थी। इस फिल्म में रितिक और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आएगी। यह पहला मौका होगा जब दोनों स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। इससे पहले सिद्धार्थ और रितिक फिल्म बैंग बैंग और वार में साथ काम कर चुके हैं। दोनों ही फिल्मों में एक्शन और लोकेशन शानदार थी। अब खबर है कि फाइटर की शूटिंग भी सिद्धार्थ विदेश में अलग-अलग लोकेशन पर करना चाहते हैं। रितिक ने दीपिका और सिद्धार्थ के साथ इंस्टाग्राम पर एक फोटो साझा की है। उसके साथ उन्होंने लिखा कि गैंग टेक ऑफ के लिए तैयार है। दीपिका के पास इन दिनों काफी फिल्में हैं। वह शाह रुख खान के साथ पठान, सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ अनाम फिल्म, हॉलीवुड फिल्म द इंटर्न की रीमेक कर रही हैं। उनकी फिल्म 83 रिलीज की कतार में है। फाइटर को अगले साल रिलीज करने की योजना है। वहीं खबर है कि रितिक अभिनीत फिल्म विक्रम वेधा को अगले साल 30 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।